kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❑ वर्ष-13 ❑ अंक-293 ❑ शनिवार, 23 नवम्बर 2024 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

सभी नागरिकों को भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को समझना चाहिए और हमारी अमूल्य परंपराओं को मजबूत करना चाहिए। विविधता हमारी मौलिक एकता को सुंदरता का इंद्रधनुष प्रदान करती है। चाहे हम वनवासी हों, ग्रामीण हों, नगरवासी हों, हम सभी भारतीय हैं। द्रौपदी मुर्मू

उत्तर भारत में प्रदूषण के संकट से मिलकर निपटने की जरूरत : राहुल 11

सरकार ने खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों के मानदेय में की वृद्धि 12

मोदी को कनाडाई धरती पर आपराधिक गतिविधियों से जोड़ने वाली रिपोर्ट 'अटकलबाजी' : कनाडा

एजेंसी

ओटावा। कनाडा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश समेत कनाडा में आपराधिक गतिविधियों से जोड़ने वाली मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया तथा इसे ''अटकलबाजी और गलत'' बताया।

कनाडा के प्रधानमंत्री की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं खुफिया सलाहकार नैथाली जी ड्रोइन ने बृहस्पतिवार को इस रिपोर्ट का खंडन किया। इससे एक दिन पहले भारत ने

कनाडाई मीडिया की इस रिपोर्ट को ''बदनाम करने वाला अभियान'' करार देते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की थी।

'द ग्लोब एंड मेल' अखबार ने एक अनाम वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी के हवाले से मंगलवार को कहा था कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी निज्जर की हत्या और अन्य हिंसक साजिशों के बारे में जानते थे। अखबार के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि कनाडाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने हत्या के अभियानों को गृह मंत्री अमित शाह से जोड़ा है और डोभाल एवं जयशंकर भी इनसे अवगत थे। ड्रोइन ने 'प्रिवी काउंसिल' कार्यालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा, ''14 अक्टूबर को, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक बड़े खतरे के कारण आरसीएमपी और अधिकारियों ने भारत सरकार के एजेंटों द्वारा कनाडा में की गई गंभीर आपराधिक गतिविधियों के बारे में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाने का असाधारण कदम उठाया। उन्होंने कहा, '

● शेष पेज 11 पर

महाकुम्भ के लिए देश-विदेश में भव्य रोड शो करेगी योगी सरकार

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित हुई मंत्रीपरिषद् की बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इन में महाकुम्भ 2025 के लिए देश के तमाम बड़े शहरों और विदेशों में भव्य रोड शो के आयोजन के प्रस्ताव को सरकार ने मंजूर कर लिया है। इसके अलावा महाकुम्भ के लिए 220 वाहनों की खरीद का रास्ता भी साफ हो गया है। बता दें कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में भव्य महाकुम्भ का आयोजित हो रहा है। सनातन धर्म के इस सबसे बड़े उत्सव को भव्य बनाने को लेकर योगी सरकार मिशन मोड में जुटी हुई है। शुक्रवार को लोकभवन में कैबिनेट

कैबिनेट निर्णय

- ❑ मंत्रियों के नेतृत्व मेंदेश के सभी बड़े शहरों और विदेशी धरती पर फहरेगी महाकुम्भ की पताका
- ❑ महाकुम्भ 2025 के लिए सरकार ने 220 नये वाहनों की खरीद का भी लिया फैसला

मंत्री ए के शर्मा ने मीडिया को बताया कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में भव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। भारत की सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार भारत और भारत के बाहर अनेक देशों में किये जाने का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा सुझाव दिया गया था। इसके अंतर्गत देश के विभिन्न बड़े शहरों और

विदेशों में भी मंत्रीगणों के नेतृत्व में रोड शो का आयोजन होगा। भारत के अंदर नई दिल्ली, मुम्बई पुणे, जयपुर, हैदराबाद, तिरुवनंतपुरम, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलूरु, गुवाहाटी, देहरादून, भोपाल, चंडीगढ़ और पटना जैसे शहरों में रोड शो का आयोजन होगा। वहीं विदेश में नेपाल, थाईलैंड,

● शेष पेज 11 पर

71 महाविद्यालयों में प्राचार्य से लेकर ग्रेड फोर तक के सभी पद होंगे सरकारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित मंत्री परिषद की बैठक में प्रदेश में उच्च शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसके अंतर्गत 71 नवनिर्मित/निर्माणाधीन महाविद्यालयों को राजकीय महाविद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिजनौर जिले में विवेक विश्वविद्यालय के गठन को भी मंजूरी प्रदान की गई है। ये निर्णय प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण और वहनीय उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में मील

● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

विनोद तावड़े ने खरगे, राहुल और सुप्रिया श्रीनेत को भेजा कानूनी नोटिस

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने शुक्रवार को कैश फार वोट मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को कानूनी नोटिस भेजा है। तावड़े ने इन नेताओं को बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। माफी नहीं मांगने पर सौ करोड़ रुपये के मानहानि का दावा करने की चेतावनी दी है। नोटिस में खरगे, राहुल और सुप्रिया के उन पोस्ट्स का जिक्र किया गया है जिसमें उन्होंने भाजपा नेता पर पैसे बांटने का आरोप लगाया था। तावड़े ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि तीनों ने पैसे बांटने को लेकर उन पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। भाजपा नेता ने तीनों कांग्रेस नेताओं से हिंदी, अंग्रेजी एवं मराठी के अखबारों में और सोशल मीडिया के जरिए 24 घंटे के भीतर बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। तावड़े ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले खरगे, राहुल और सुप्रिया श्रीनेत ने झूठ फैलाकर मुझे और हमारी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश की। मेरी और पार्टी की जानबूझकर बदनामी की गई इसलिए मैंने आज उन सभी नेताओं को कानूनी नोटिस भेजा है। अगर ये लोग सार्वजनिक तौर पर माफी नहीं मांगते हैं तो मैं कानूनी कार्यवाही करूंगा। उन्होंने कहा कि सत्य सबके समक्ष है कि चुनाव आयोग और पुलिस की जांच में पांच करोड़ की राशि प्राप्त नहीं हुई। यह मामला पूरी तरह से कांग्रेस की निम्नस्तरीय राजनीति का प्रमाण है।

ज्ञानवापी विवादः एएसआई सर्वेक्षण की याचिका पर मस्जिद प्रबंधन समिति को नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वेक्षण कराने की हिंदू पक्ष की याचिका पर मस्जिद प्रबंधन समिति 'अंजुमन इंतेज़ामिया मसाजिद' को नोटिस जारी करके 17 दिसंबर 2024 तक जवाब दाखिल करने का शुक्रवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह नोटिस जारी किया। हिंदू पक्ष की याचिका में 'शिवलिंग' पाए जाने वाले क्षेत्र का एएसआई सर्वेक्षण कराने की गुहार लगाई गई है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले मस्जिद के अंदर के क्षेत्र को सील करने का आदेश दिया था, जहां 16 मई, 2022 को अदालत द्वारा सर्वेक्षण के दौरान मस्जिद के तालाब में कथित तौर पर 'शिवलिंग' पाया गया, जिसे मुस्लिम पक्ष ने फव्वारा बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुकदमों को एक निचली अदालत, जिला न्यायाधीश के समक्ष रखना बेहतर होगा, जहां मुख्य मुकदम लंबित है। ऐसा करने के बाद उच्च न्यायालय साक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन करने वाला पहला अपीलीय अदालत हो सकता है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सीलबंद क्षेत्र के एएसआई सर्वेक्षण और मुकदमों की विचारणीयता सहित सभी मुद्दों (जिनके बारे में मुस्लिम पक्ष का दावा है कि वे पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत वर्जित हैं) पर अदालत साप्ताहिक या पाक्षिक आधार पर सुनवाई कर सकती है। शीर्ष अदालत ने इस मामले पर विचार के लिए अगले महीने की तारीख तय की है।

विस चुनाव के नतीजे आज

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों का ऐलान शनिवार को होगा। इसके साथ ही, यूपी समेत अन्य जगह हुए उपचुनाव के नतीजे भी आएंगे । सुबह आठ बजे से वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी। शुरुआत में पोस्टल बैलट गिने जाते हैंऔर फिर वोटों की गिनती होती है। दोपहर तक तस्वीर लगभग-लगभग साफ हो जाती है। महाराष्ट्र मेंअभी महायुति (एनडीए) की सरकार है और एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं, तो झारखंड में इंडिया गठबंधन की ओर से झारखंड मुक्ति मोर्चा के हेमंत सोरेन सीएम पद पर हैं। आखिरी फ़ेज की वोटिंग के बाद सामने आए एग्जिट पोल्स मेंदोनों ही राज्यों में एनडीए सरकार बनती दिख रही है। हालांकि, अतीत में कई बार पोल्स गलत साबित हुए हैं, जिसकी वजह से देशभर की निगाहें चुनावी नतीजों पर ही लगी हुई हैं।

आज सुबह 08.00 बजे सभी 288 निर्वाचन क्षेत्रा में वोटों की गिनती शुरू होगी। पहले 08.30 बजे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन(ईवीएम) में डाले गये वोटों की गिनती शुरू करने से पहले डाक मतपत्रों की गिनती की जायेगी। इसके तुरंत बाद रुझान आने शुरू हो जायेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-एपी) के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का मुकाबला महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन से है, जिसमें कांग्रेस और शिवसेना और राकांपा का अलग हुआ गुट शामिल है। प्रदेश चुनाव आयोग की ओर से जारी बयान के मुताबिक 288 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 288 मतगणना केंद्र और नांदेड़ लोकसभा क्षेत्र के लिए मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। मतगणना केंद्रों के स्थान के बारे में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को लिखित रूप से सूचित कर दिया गया है। पर्यवेक्षकों और उपस्थित उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों के सामने सीलबंद स्ट्रांग रूम खोले जाएंगे और ईवीएम को मतगणना केंद्रों पर ले जाया जायेगा। चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार मतगणना केंद्रों पर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में डाक मतपत्रों की संख्या अधिक है। इसलिए 288 मतदान केंद्रों पर डाक मतपत्रों की गिनती के लिए 1732 टेबल और ईटीपीबीएमएस स्कैनिंग (प्री-काउंटिंग) के लिए 592 टेबल लगायी गयी हैं। मतगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया को लगातार जानकारी दी जायेगी तथा महत्वपूर्ण आंकड़े और घटनाक्रम ऑनलाइन एवं पारंपरिक मीडिया के माध्यम से प्रसारित किये जायेंगे। महाराष्ट्र में कुल 9.70 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से 66 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है और

● शेष पेज 11 पर

महाराष्ट्र की 288 और झारखंड के 81 विधानसभा क्षेत्र के लिए सुबह 8:00 बजे से मतगणना, तैयारी पूरी

सुबह 8 बजे से शुरू होगी उपचुनाव के लिए मतगणना

- ❑ सीसामऊ में सबसे कम 20 राउंड और कुंदरकी, करहल, फूलपुर और मझवां में सबसे अधिक 32 राउंड में मतगणना होगी

लखनऊ। यूपी में नौ विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव के नतीजे शनिवार को आएंगे। मतगणना शनिवार को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। सीसामऊ में सबसे कम 20 राउंड और कुंदरकी, करहल, फूलपुर और मझवां में सबसे अधिक 32 राउंड में मतगणना होगी। आयोग की ओर से मतगणना स्थलों की सुरक्षा के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने बताया कि मीरापुर, कुन्दरकी, गाजियाबाद, खैर (अजा), करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी एवं मझवां विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के उप निर्वाचन की मतगणना 23 नवम्बर को होगी। यह मतगणना उपचुनाव वाले सीटों के जिला मुख्यालयों पर होगी जो मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, अलीगढ़, मैनपुरी, कानपुर नगर, प्रयागराज, अम्बेडकर नगर एवं मिर्ज़ापुर मेंहोगी। केन्द्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना के लिए उपचुनाव वाले सभी सीटों के मतगणना स्थलों पर अलग-अलग 9 प्रेक्षक तैनात किए गए हैं। श्री रिणवा नेबताया कि सभी मतगणना एवं सीलिंग की कार्रवाई सीसीटीवी की निगरानी में की जाएगी। इस उपचुनाव में कुल 90 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतगणना सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पर्याप्त संख्या में केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती भी की गई है। पोस्टल बैलेट की गणना के लिए होम वोटिंग एवं वोटर फैसिलिटेशन संेटर पर प्राप्त पोस्टल बैलेट मतों की गणना सबसेपहले प्रातः 8 बजेप्रारम्भ होगी तथा सर्विस वोटर सेप्राप्त ईटीपीबीएस की स्कैनिंग भी प्रातः 8 बजेसेप्रारम्भ की जाएगी। स्कैनिंग के बाद ईटीपीबीएस मतों की गणना की जाएगी। इसके बाद प्रातः 8.30 बजे से ईवीएम के मतों की गणना प्रारम्भ की जाएगी। मतगणना स्थल की सुरक्षा के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रथम स्तर की सुरक्षा मतगणना स्थल से 100 मीटर की परिधि पर होगी, जहां क्षेत्रीय पुलिस बल तैनात रहेगा। द्वितीय स्तर की सुरक्षा मतगणना स्थल के गेट पर होगी, जहां राज्य पुलिस बल तैनात रहेगी। तृतीय स्तर की सुरक्षा मतगणना हाल के लिए होगी जो कि सीएपीएफ की निगरानी में होगी।

आपातकाल में संसद ने जो किया, वह सब निरर्थक था, यह नहीं कहा जा सकताः न्यायालय

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि संविधान की प्रस्तावना में ''समाजवादी'', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़ने वाले 1976 के संशोधन की न्यायिक समीक्षा की गयी है और यह नहीं कहा जा सकता कि आपातकाल के दौरान संसद ने जो कुछ भी किया वह सब निरर्थक था।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य की उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिनमें संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को शामिल किए जाने को चुनौती दी गई थी। हालांकि, प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'संबंधित संशोधन (42वां संशोधन) का इस न्यायालय द्वारा कई बार न्यायिक समीक्षा की गई है। संसद ने हस्तक्षेप किया है। हम

यह नहीं कह सकते कि उस समय (आपातकाल में) संसद ने जो कुछ भी किया वह सब निरर्थक था। 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष'' और ''अखंडता' शब्दों को 1976 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था। संशोधन के जरिये प्रस्तावना में भारत के वर्णन को 'संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य' से बदलकर 'संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य' किया गया था। भारत में आपातकाल की घोषणा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक की थी।

पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर 25 नवंबर को अपना आदेश सुनाएगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ता के अनुरोध के अनुसार मामले को बृहद पीठ को भेजने से इनकार कर दिया और कहा कि भारतीय अर्थ में 'समाजवादी होना' एक ''कल्याणकारी राज्य'' माना जाता है। अधिवक्ता जैन ने कहा कि नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के हालिया फैसले में, बहुमत की राय ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों- न्यायमूर्ति वी आर कृष्ण अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी- द्वारा प्रतिपादित ''समाजवादी'' शब्द की व्याख्या पर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने कहा, ''भारत में समाजवाद को हम जिस तरह समझते हैं, वह अन्य देशों से बहुत अलग है। हमारे संदर्भ में, समाजवाद का मुख्य अर्थ कल्याणकारी राज्य है। बस इतना ही। इसने कभी भी निजी क्षेत्र को नहीं रोका है, जो अच्छी तरह से फल-फूल रहा है। हम सभी को इससे

● शेष पेज 11 पर

सेंसेक्स में 5 महीने बाद करीब 2000 अंकों की उछाल, निवेशकों की वेल्थ 7.25 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 22 नवंबर को सेंसेक्स 1961 अंक (2.54%) की तेजी के साथ 79,117 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 557 अंक (2.39%) की तेजी रही, ये 23,907 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में तेजी और 1 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 49 में तेजी और 1 में गिरावट रही। निफ्टी मीडिया छोड़कर गट्टक के सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी और रियल्टी इंडेक्स सबसे ज्यादा चढ़ा। शेयर बाजार में खरीदारी से निवेशकों की वेल्थ 7.25 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। शुक्रवार, 22 नवंबर को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 432 लाख करोड़ रुपए हो गया।

सुकमा मुठभेड़ में कमांडर सहित 10 नक्सली ढेर

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कोन्टा के भेज्जी इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक स्वयंभू माओवादी 'कमांडर' समेत 10 नक्सली मारे गये। सुरक्षा बलों ने मारे गये सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिये हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों के जवानों ने घटना स्थल से तीन स्वचालित राइफल, एक एके47 इंसास, एसएलआर रायफल सहित कई आधुनिक हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस के विज्ञप्ति के अनुसार सुकमा जिले के थाना भेज्जी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कोरजागुड़ा, दंतेश्वरमपुरम, नागराम, भंडापदर के जंगलों

एवं पहाड़ी में शुक्रवार सबेरे से चल रहे मुठभेड़ में अब तक दस नक्सली मारे गए हैं। मारे गये सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिया गया है। राज्य में इस वर्ष सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में अब तक 107 नक्सली मारे गए हैं। जानकारी के अनुसार जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम नक्सलियों

● शेष पेज 11 पर

701 वन दरोगाओं को सीएम योगी ने दिया नियुक्ति पत्र, नियुक्ति पत्र पाकर खिले नवनियुक्त वन दरोगाओं के चेहरे

भाई-भतीजावाद खत्म, निष्पक्ष-पारदर्शी भर्तियां : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन रोजगार के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 701 वन दरोगाओं का नियुक्ति पत्र वितरण किया। शुक्रवार को लखनऊ के लोकभवन सभागार में वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने वन और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों और सरकारी प्रतिबद्धताओं को साझा करते हुए सभी नव नियुक्त वन दरोगाओं को उनकी नई जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया और उन्हें बधाई दी। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि सरकार प्रदेश में व्याप्त भाई-भतीजावाद को खत्म कर निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की है।

सीएम योगी ने कहा कि यह नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष थी, जिसमें मेरिट के आधार पर युवाओं को उनके सपनों को साकार करने का मौका

- ❑ साढ़े सात वर्षों में 7 लाख से अधिक नौजवानों को दी नौकरी, दो करोड़ युवाओं को रोजगार से जोड़ा
- ❑ यूपी सरकार भर्ती प्रक्रिया में 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती सुनिश्चित कर रही
- ❑ साढ़े सात वर्ष में यूपी ने अपनी अर्थव्यवस्था दोगुनी की : सीएम योगी

दिया गया। उन्होंने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि 2017 से अब तक सात लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। यह पारदर्शिता और निष्पक्षता का परिणाम है कि युवाओं को बिना किसी भेदभाव के रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पहले जब उत्तर प्रदेश में कोई भर्ती निकलती थी तो महाभारत के रिश्ते एक साथ टपक पढ़ते थे। हम लोगों ने इस पूरी भर्ती की प्रक्रिया से सारे नातेदारी और रिश्तेदारी को खत्म

किया है। सीएम ने कहा कि संबंधित अधिकारियों और विभाग को बहुत ही स्पष्ट रूप से कहा गया कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता हमारे परिवार का हिस्सा है और कोई भी भेदभाव उनके साथ नहीं होना चाहिए, किसी भी नौजवान के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। सीएम ने कहा कि आपने देखा होगा कि सारी प्रक्रियाओं को बेहद पारदर्शी तरीके से संपन्न किया जा रहा है। सीएम योगी ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि सरकार इतने पारदर्शी तरीके के साथ इस पूरे प्रक्रिया को संपन्न करवाने के लिए आयोग और बोर्ड की मदद से इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है इसलिए सरकार आपसे बेहतर पारदर्शी और निष्पक्ष कार्य की अपेक्षा भी करती है।

सरकार बनते ही 2017 में हमने सभी आयोग और बोर्ड को बहुत ही स्पष्ट रूप से कहा था कि भाई याद रखना नियुक्ति की प्रक्रिया में उसकी सुचिता उसके पारदर्शिता में किसी भी प्रकार का कहीं खोट नजर नहीं आना चाहिए और जो भी जिस भी स्तर पर लापरवाही होगी वहां पर जवाब देही भी सुनिश्चित होगी और उसका परिणाम है कि गत साढ़े सात वर्ष के अंदर हम 7 लाख से अधिक नौजवानों को उत्तर प्रदेश सरकार में सरकारी नौकरी देने में सफल हुए जो प्रधानमंत्री मोदी जी का विजन था कि यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शी और ईमानदारी तरीके से संपन्न होने चाहिए आज वह प्रक्रिया प्रदेश के अंदर पूरी मजबूती के साथ उतारी जा रही है सीएम योगी ने कहा कि पिछले साढ़े सात वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश ने अपने अर्थव्यवस्था को लगभग दोगुनी करने में सफलता प्राप्त की है। प्रति व्यक्ति आय दोगनी हुई है। 7 लाख से अधिक नौजवानों को तो हम सरकारी नौकरी दे दिए हैं और हम दो करोड़ से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में नौकरी का अवसर प्रदान करने सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश परंपरागत उद्यम को पुनर्जीवित किया है। आज प्रदेश में रोजगार की कमी नहीं है और यह तो हमारा सौभाग्य है कि देश का सर्वाधिक युवा हमारे पास है और वह कामकाजी है स्किल मैनपॉवर

● शेष पेज 11 पर

मोदी ने पांच दिन में 31 विश्व नेताओं से की मुलाकात

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की पांच दिवसीय यात्रा के दौरान 31 विश्व नेताओं से मुलाकात की है।

सूत्रों के अनुसार अपनी तीन देशों की विदेश यात्रा के दौरान श्री मोदी ने 31 द्विपक्षीय बैठकों और वैश्विक नेताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत में भाग लिया। उन्होंने नाइजीरिया में एक द्विपक्षीय बैठक की, ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर 10 द्विपक्षीय बैठकें कीं। इसके बाद गुयाना यात्रा के दौरान उन्होंने 9 द्विपक्षीय बैठकें कीं। नाइजीरिया में श्री मोदी ने नाइजीरिया के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक की। ब्राजील में श्री मोदी ने ब्राजील, इंडोनेशिया, पुर्तगाल, इटली, नॉर्वे, फ्रांस, ब्रिटेन, चिली, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। ब्राजील में 10 द्विपक्षीय बैठकों में से, पांच नेताओं के साथ श्री मोदी की पहली बैठक हुई। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो, पुर्तगाल के प्रधान मंत्री लुइस मोंटेनेग्रो, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के अलावा श्री मोदी

● शेष पेज 11 पर

वसुधैव कुटुम्बकम भारत का शाश्वत संदेश : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के आदर्श वाक्य के महत्व पर जोर देते हुए इसे भारत की वैश्विक मानवता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया है। उन्होंने इसे भारत का शाश्वत संदेश बताते हुए कहा कि हमने हमेशा से शांति, सौहार्द और सह-अस्तित्व को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड स्थित सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर में विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 25वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के दौरान अपने संबोधन में कहा कि वसुधैव कुटुंबकम भारत का आदर्श वाक्य है। हमने हमेशा से शांति, सौहार्द और सह-अस्तित्व को प्राथमिकता दी है। कार्यक्रम में 56 देशों के 178 मुख्य न्यायाधीश और डेलिगेट्स ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 51 की भावनाओं को विश्व शांति और सुरक्षा के लिए प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि यह अनुच्छेद सम्मानजनक अंतरराष्ट्रीय संबंधों को विकसित करने और संघर्षों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने के लिए नैतिक मार्ग का अनुसरण करने के लिए हम सभी को प्रेरित करता है। उन्होंने समारोह को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि 26 नवंबर 2024 को संविधान अंगीकरण के 75 वर्ष पूरे होंगे। यह संविधान के अंगीकृत होने के अमृत महोत्सव वर्ष की शुरुआत के दौरान आयोजित हो रहा है।

योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र के 'समिट ऑफ द फ्यूचर' में दिये गये संबोधन की चर्चा करते हुए कहा कि युद्ध समस्याओं का समाधान नहीं है। युद्ध ने दुनिया के ढाई अरब बच्चों के भविष्य को खतरे में डाला है। वे एकजुट होकर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और भयमुक्त समाज का निर्माण करें। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन को वैश्विक संवाद और सहयोग का मंच बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि अनुच्छेद 51 की भावना के अनुरूप यह आयोजन विश्व कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करेगा। उन्होंने दुनिया भर के न्यायाधीशों से इस दिशा में सक्रिय योगदान देने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने संविधान के अनुच्छेद 51 की चर्चा करते हुए कहा कि यह वैश्विक शांति और सौहार्द की दिशा में भारत की सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अनुच्छेद संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान और सभी देशों के बीच सम्मानजनक संबंधों को बढ़ावा देने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने भारत की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी से यह स्पष्ट होता है कि भारत विश्व शांति और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। सीएमएस के संस्थापक डॉ. जगदीश गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी दूरदृष्टि और प्रयासों से यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण मंच बना है। उन्होंने डॉ. भारती गांधी और गीता गांधी को इस कार्यक्रम को अनवरत जारी रखने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर हंगरी की पूर्व राष्ट्रपति, हैती रिपब्लिक के पूर्व प्रधानमंत्री सहित दुनिया के 56 देशों से आए हुए न्यायमूर्तिगण, सीएमएस की संस्थापक निदेशक डॉ भारती गांधी, प्रबंधक गीता गांधी किंगडन समेत स्कूली बच्चे और अभिभावकगण मौजूद रहे।

बसन्त कुंज योजना में किसानों के विवाद का समाधान जरूरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दुबग्गा। छन्दोइया बसन्त कुंज योजना में किसानों को लेकर लंबे समय से विवाद बना हुआ है, जिसकी वजह से योजना का विकास प्रभावित हो रहा है। भारतीय किसान मजदूर यूनियन ने इस मामले में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) से शीघ्र समाधान की मांग की है। संगठन के प्रदेश कार्यालय से जारी एक पत्र में इस मुद्दे पर गम्भीरता से विचार करने की अपील की गई है।

किसान नेता मनीष यादव द्वारा एलडीए के उपाध्यक्ष को भेजे गए पत्र में विभिन्न समस्याओं का जिक्र किया गया है, जिनका समाधान जरूरी है। विशेष रूप से योजना के कुछ प्रभावित किसानों ने अब तक मुआवजा नहीं लिया है और न ही अपनी भूमि एलडीए को सौंपी है। ये किसान भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 के तहत मुआवजे की मांग कर रहे हैं, और उनके अनुसार, जब एलडीए आज के बाजार रेट पर भूमि बेच रहा है, तो मुआवजा भी उसी दर पर दिया जाना चाहिए। मनीष यादव ने बताया कि 28 फरवरी 2014 को प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन द्वारा भूमि अर्जन और पुनर्वास संबंधी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिसके तहत पुराने मामलों में भी किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया को लागू किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि किसानों के साथ वार्ता कर इस विवाद का समाधान निकाला जाए और योजना के सेक्टर ए का विकास कार्य शुरू किया जाए। योजना में एक और समस्या यह है कि कुछ ग्रामों की भूमि व मकान अभी भी योजना के लेआउट से बाहर है, जबकि वर्ष 2008 में उसका सर्वे कर लिया गया था। किसानों का कहना है कि उनकी भूमि का का मुआवजा व मकान पर कोई कार्यवाही न करने का आश्वासन दिया जाए, और अगर आवश्यक हो तो लेआउट प्लान में आंशिक संशोधन किया जाए। इससे पहले एलडीए के अधिकारियों के साथ कई बैठकें हुईं, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण समाधान नहीं निकल सका। संगठन ने एलडीए से जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की है, ताकि बसन्त कुंज योजना का विकास संभव हो सके और प्रभावित किसानों को उचित अधिकार मिल सकें।

जौनपुर में दलित किशोरी की हत्या कर तालाब में फेंका शव

जौनपुर। उत्तरप्रदेश में जौनपुर जिले के मछलीशहर थाना क्षेत्र के मुतफाबाद बाजार स्थित तालाब में शुक्रवार सुबह एक दलित किशोरी का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी।

शव मिलने की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पीड़ित परिवार के लोगो ने गांव के ही तीन युवक सहित एक महिला पर किशोरी की हत्या कर शव तालाब में फेंकने का आरोप लगाया है। दलित परिवार ने इस मामले पर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाये। मृतका की मां ने आज यहां आये पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी जोन मोहित गुप्ता के सामने भी अपनी बात रखी और साफ तौर पर स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाये। उसने श्री गुप्ता को बताया कि अगर पैसा लेकर आरोपियों को छोड़ा नहीं गया होता तो आज उसकी बेटी जिंदा होती। गौरतलब है कि मुस्तफाबाद के बेहद निर्धन परिवार की दलित बालिका 20 नवंबर बुधवार से ही दिन में गायब हो गई थी।

पीएम आवास वेटिंग लिस्ट के लोगों को मिलेगा भवन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भवन के लिए वर्ष 2020 में पंजीकरण कराने वाले ऐसे लोगों की अब लाटरी लगने वाली है जो अब तक वेटिंग लिस्ट में चल रहे थे। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने लंबे अरसे से इंतजार कर रहे आवेदकों की मांग का संज्ञान लेते हुए प्रतीक्षा सूची में शामिल 369 आवेदकों के बीच भवनों की लॉटरी कराने के आदेश दिये हैं। जिसके तहत 10 दिसम्बर, 2024 को प्राधिकरण भवन स्थित बारादरी लॉन में लॉटरी कराकर आवेदकों को आवास आवंटित किये जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि शारदा नगर विस्तार व बसन्तकुंज योजना के सेक्टर-एन में निर्मित प्रधानमंत्री आवासों के लिए वर्ष 2020 में पंजीकरण खोला गया था। वर्ष 2021 में पंजीकृत आवेदकों के बीच लॉटरी कराकर भवनों के आवंटन की कार्यवाही की गयी थी। इसमें कई आवेदक सफल नहीं हो पाये थे जिनमें से 10 प्रतिशत असफल आवेदकों की वर्गीकृत प्रतीक्षा सूची तैयार करायी गयी थी। इसमें से कुछ लोगों ने एलडीए में प्रार्थना पत्र देकर अपनी पंजीकरण धनराशि रिफंड ले ली थी। वहीं कई आवेदक ऐसे थे, जिन्होंने पंजीकरण धनराशि वापस नहीं ली और उनके द्वारा भविष्य में आवास उपलब्ध होने पर आवंटन करने के सम्बंध में मांग की जा रही थी।

वर्तमान में शारदा नगर विस्तार योजना के प्रधानमंत्री आवासों का आवंटन पत्र प्राप्त न करने वाले 126 आवंटी व बसन्तकुंज योजना, सेक्टर-एन के 147 आवंटियों का उपाध्यक्ष द्वारा आवंटन निरस्त कर दिया गया। इसके अलावा 95 आवंटियों ने स्वयं अपना आवंटन निरस्त कराकर पंजीकरण धनराशि वापस ले ली। इस तरह शारदा नगर विस्तार योजना में 207 व बसन्तकुंज योजना में 161 आवास खाली हो गये हैं। इस पर उपाध्यक्ष ने प्रतीक्षा सूची में शामिल आवेदकों को अवसर प्रदान करने का निर्णय लेते हुए उन्हें लॉटरी के माध्यम से भवन आवंटित करने के आदेश जारी किये हैं।

रवि नंदन सिंह ने बताया कि उपाध्यक्ष के आदेश के अनुपालन में 10 दिसम्बर, 2024 को प्राधिकरण भवन स्थित बारादरी लॉन में सुबह 11 बजे से लॉटरी का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रतीक्षा सूची में शामिल आवेदकों को पंजीकरण सम्बंधित अभिलेखों के साथ आना होगा। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की वेबसाइट पर प्रतीक्षा सूची अपलोड कर दी गयी है, जिससे कि आवेदकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

लॉटरी का आयोजन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत कराया जाएगा। इसके लिए सभी आवेदकों को कॉल सेंटर व बल्क एसएमएस के माध्यम से सूचना भेजी जाएगी। इसके अलावा दिसम्बर, 2023 में प्रधानमंत्री आवास के लिए पंजीकरण कराने वाले 9075 आवेदकों की सूची सत्यापन के लिए डूडा भेजी गयी थी। जिसमें से 7483 पात्र आवेदकों की सूची आ गयी है। जल्द ही इसकी भी लॉटरी करवायी जाएगी।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–उ0रे0/वाणिज्य–मण्डल
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14307-SLR-F1-PYGS-BE-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.12.2024 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.12.2024 at 12:30 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	12237-SLR-F1-BSB-JAT-23-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.12.2024 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.12.2024 at 12:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	12231-SLR-R1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.12.2024 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.12.2024 at 12:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	12419-SLR-F2-LKO-NDLS-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.12.2024 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.12.2024 at 13:00 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14217-SLR-R1-PYGS-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	10.12.2024 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.12.2024 at 13:10 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	12231-SLR-F2-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	10.12.2024 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.12.2024 at 13:20 hrs
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3587/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ज़ोन 2 व 3 में एलडीए की कार्यवाही, अवैध निर्माण किये सील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। शुक्रवार को एलडीए के प्रवर्तन दस्ते ने पीजीआई आलमबाग, बिजनौर व काकोरी क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से किये जा रहे 5 व्यावसायिक निर्माणों को सील किया गया। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि एसके त्रिपाठी व अन्य द्वारा कल्ली पश्चिम में रायबरेली रोड पर पंडित दीनदयाल पार्क के सामने लगभग 2400 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर व्यावसायिक निर्माण करवाया जा रहा था। इसके अलावा मुकेश सैलानी, बंटी, अशोक कुमार व अन्य द्वारा आलमबाग के स्नेह नगर में लगभग 2500 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर व्यावसायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा था। वहीं अशोक यादव विवेक यादव व अन्य द्वारा बिजनौर में नटवाडीह के पास रॉयल सिटी में लगभग 80 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर व्यावसायिक निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से किये जा रहे इन तीनों निर्माण कार्यों के खिलाफ़ विहित न्यायालय द्वारा सीलिंग के आदेश जारी किये गये थे। जिसके चलते अवर अभियंता भरत पाण्डेय व प्रमोद कुमार पाण्डेय द्वारा पुलिस बल के सहयोग से प्रश्नगत स्थलों को सील कर दिया गया।

आगरा एक्सप्रेस–वे पर दो अवैध निर्माण सील

प्रवर्तन जोन-3 की जोनल अधिकारी वन्दना पाण्डेय ने बताया कि अनुज गुप्ता व अन्य द्वारा काकोरी के ग्राम-जलियामऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर लगभग 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर व्यावसायिक कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जा रहा था। इसी तरह कौशल्या देवी पत्नी देशराज व अन्य द्वारा काकोरी के बड़ा गांव करीमाबाद में आगरा एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर लगभग 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर व्यावसायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे इन दोनों निर्माण कार्यों के खिलाफ़ विहित न्यायालय द्वारा सीलिंग के आदेश जारी किये गये थे। जिसके चलते सहायक अभियंता अनूप श्रीवास्तव व अवर अभियंता एसके सिंह व राम चौहान द्वारा दोनों अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया।

भमोखर गाँव के इनामियाँ को एसओजी टीम ने पकड़ा

प्रयागराज,कैनविज टाइम्स संवाददाता। एसओजी टीम ने गुरुवार की देर शाम कौंधियारा थाने में हत्या के प्रयास के मुकदमे में डेढ़ साल से फरार चल रहे वांछित अभियुक्त व बीस हजार के ईनामिया भमोखर निवासी विपिन चौधरी (23) पुत्र बीरेंद्र चौधरी को मुखबिर की सूचना पर शहर के राजापुर थाना कैंट स्थित चाय की गोमती के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । विपिन चौधरी सहित अन्य नौ लोगों पर 16 सितंबर को कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा बीस हजार का इनाम घोषित किया गया था। जिसकी कौंधियारा पुलिस को लगभग डेढ़ साल से तलाश थी। डेढ़ साल पूर्व कौंधियारा स्थित अपनी दुकान से लौटते समय जानलेवा हमला करने, बोलेरो एवं दो लाख नगदी व कई एन्ड्रॉयड मोबाइल सेट लूटने का मुकदमा गांव का ही नीरज शुक्ला ने दर्ज कराया था। जिसमें विपिन चौधरी आरोपी था । नीरज शुक्ला उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी विजय चौधरी उर्फ उस्मान एनकाउंटर में सरकारी गवाह भी था।

कठौली कंचनवा में अवैध खनन में जेसीबी तथा डम्फर सीज

प्रयागराज,कैनविज टाइम्स संवाददाता। कौंधियारा थाने की पुलिस ने मिट्टी की अवैध खनन करने के आरोप में एक जेसीबी व डम्फर सीज करने की कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि कठौली कंचनवा में अवैध खनन की सूचना मिली थी। इस पर तत्काल टीम के साथ दबिश दी गई। मौके पर जेसीबी से मिट्टी खनन कर डम्फर में लोड किया जा रहा था। चालकों से खनन से संबंधित दस्तावेज मांगें गए, तो कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया जा सका । इस पर दोनों को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत शुक्रवार की शाम सीज किया गया।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14260-SLR-F1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06.12.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06.12.2024 at 12:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	19402-SLR-F2-LKO-SBIB-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06.12.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06.12.2024 at 12:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14235-SLR-F1-BSB-BE-22-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06.12.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06.12.2024 at 12:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	22417-SLR-F2-BSB-NDLS-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06.12.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06.12.2024 at 13:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14217-SLR-F1-PYGS-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06.12.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06.12.2024 at 13:10 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	22104-SLR-F2-AYC-LTT-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06.12.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06.12.2024 at 13:20 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	22178-SLR-F1-BSB-CSMT-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06.12.2024 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06.12.2024 at 13:30 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3586/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रतियोगिता में अव्वल छात्रों को मेडल से सम्मानित किया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

करछना प्रयागराज। रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में बीते दिनों हुई जूनियर कक्षाओं के बच्चों की दौड़ प्रतियोगिता में अव्वल रहे छात्र छात्राओं को प्रधानाचार्य मनीष तिवारी एवं शिक्षकों ने प्रार्थना सभा के उपरांत मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रवक्ता प्रदीप कुमार, मोहम्मद परवेज सिद्दीकी एवं जगत पाल के संयोजन में कई छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।इस दौरान उन्होंने कहा कि बच्चों में पठन-पाठन के साथ साथ खेल कूद एवं सांस्कृतिक एवं अभिरुचि बढ़ाने के लिए समय समय पर इस तरह की प्रतियोगिताएं जरूरी हैं। इसके लिए प्रबन्धक जी की प्रेरणा से विद्यालय के बच्चों को चार दलों में बांटा गया है। प्रत्येक शनिवार को दूसरी पाली में दल वार क्विज,सामान्य ज्ञान,अन्त्याक्षरी, रंगोली,भाषण आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।इस मौके पर प्रवक्ता जितेंद्र कुमार,के.के.त्रिपाठी,सुरेश कुमार, रमेश चंद्र तिवारी,विजय सिंह,हरिशंकर तिवारी,मालती शर्मा,सुधा सिंह,विश्वेस ओझा,कमलाशंकर त्रिपाठी,कंचन पाण्डेय सहित विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

नेता जी का जन्मदिन करछना के बबुरा में धूमधाम से मनाया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

करछना प्रयागराज। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बबुरा में पूर्व रक्षा मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय मुलायम सिंह जी का 85वां जन्मदिन एस एन पब्लिक स्कूल बबुरा में धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष करछना ननकेश बाबू ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जयशंकर भारती जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी जमुनापार तथा विशिष्ट अतिथिगण के रूप में मंगला प्रसाद पाल, जिला सचिव मान सिंह पटेल एवं विधानसभा मेजा के अध्यक्ष विजय राज सिंह रहे। इसके अतिरिक्त मोहनलाल यादव, डॉ. डॉ विजय बाबू यादव जिला पंचायत सदस्य,उमेश यादव, डॉ. धर्मेंद्र यादव सहित क्षेत्र की गणमान्य नागरिक विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा अध्ययनरत बालक बालिकाएं उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए श्री जयशंकर भारती ने कहा कि कि यदि देश में बाबा साहब अंबेडकर के बाद समाज का कोई मसीहा पैदा हुआ तो वह आदरणीय मुलायम सिंह यादव हैं, उनके मुख्यमंत्रित्व काल में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू हुई जिसमें समाज का हर वर्ग दलित से लेकर महिला तक सबको प्रतिनिधित्व मिल रहा है। विधानसभा अध्यक्ष ननकेश बाबू ने तरहार की ऐतिहासिक धरती को नमन करते हुए कहा कि नेताजी का क्रांति रथ इसी बबुरा गांव में आया था जहां हजारों की तादात में नौजवानों ने क्रांति का बिल्कुल फूंका था तथा क्षेत्र के खुशहाली का मार्ग प्रशस्त हुआ था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमेश यादव तथा संयोजन विद्यालय के प्रबंधक रिंकू सिंह ने किया। आये हुए गणमान्य नागरिकों ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समारोह में प्रमुख रूप से अखिलेश यादव, अशोक यादव, अरुण यादव, सूरज, अंकित, डॉ. हरिहर देव सिंह, सीताराम यादव, सत्येंद्र सिंह, प्रदीप विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

पुलिस दंपती सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा और रीना पाण्डेय को मिला सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजिनीनगर, लखनऊ। माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफ़ेयर फाउंडेशन द्वारा लखनऊ के कानपुर रोड, आशियाना क्षेत्र के स्मृति उपवन में आयोजित हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव के दूसरे दिन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस दंपती सीनियर सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व (प्रभारी पुलिस कंट्रोल रूम ,112 आर ओ आई पी, उन्नाव) और सीनियर सब इंस्पेक्टर रीना पाण्डेय को महोत्सव आयोजक अरुण प्रताप सिंह एवं गुंजन वर्मा द्वारा अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ और प्रतीक चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया साथ ही उनके पर्यावरण संरक्षण सरोकार और लोक कल्याण के लिए किये जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की गई। स्तुति नृत्यम की संयोजिका गीता सक्सेना द्वारा भी संस्था की ओर से पुलिस दंपती को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनूप मिश्रा अपूर्व ने महोत्सव आयोजक अरुण प्रताप सिंह और गुंजन वर्मा सहित आयोजक मण्डल को बधाई देते हुए कहा कि विगत तीन वर्षों से हिंदुस्तान हस्त शिल्प महोत्सव अपार सफलता की ओर बढ़ता जा रहा है, इसके जरिये एक ओर जहाँ हिंदुस्तान की अनोखी संस्कृति और कलाएं देखने को मिल रही हैं वहीं दूसरी ओर देश व प्रदेश के हस्तशिल्प कारीगरों, बुनकरों को अपना व्यवसाय बढ़ाने का बेहतर अवसर प्राप्त हो रहा है। हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव के दूसरे दिन सुप्रसिद्ध एंकर प्रदीप शुक्ला के कुशल संचालन में स्तुति नृत्यम की संयोजिका गीता सक्सेना द्वारा आयोजित सांस्कृतिक संध्या में संध्या श्रीवास्तव, पूजा श्रीवास्तव, आभा सिन्हा, रश्मि, नीति शुक्ला,अर्चना श्रीवास्तव, अपर्णा सक्सेना , किरण श्रीवास्तव, कमला, रोली आदि कलाकारों ने लोकगीत और सांस्कृतिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। महोत्सव आयोजक अरुण प्रताप सिंह और गुंजन वर्मा ने बताया कि हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विलुप्त हो रही लोक कला एवं हस्तशिल्प कारीगरों , बुनकरों को बढ़ावा देना है।

बीकेटी में युवक की पीट-पीट कर हत्या,जांच में जुटी पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी, लखनऊ। बख्शी का तालाब थानांतर्गत बीती रात अज्ञात युवकों ने बृहस्पतिवार की रात घर से किराना का सामान लेने के लिए निकले एक विकलांग युवक की लाठी डंडों से पीट पीटकर हत्या कर दी और मौक़े से फरार हो गए।वहीं पास के गांव में आयोजित शादी समारोह से लौट रहे कुछ युवकों ने रास्ते पर खून से लथपथ पड़े एक युवक को देखा तो जिसकी सूचना पुलिस को दिया,वही मौक़े पर पहुंची पुलिस ने फैरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित कर मृतक का पंचनामा करवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई थी।सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी ऋषभ रूणवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि थानांतर्गत देवरी रुखारा निवासी युवक अर्जुन लोधी (45)गुरुवार शाम को लगभग 6 बजे घर से नजदीकी गांव लोहारनपुरवा किराना का सामान लेने गया था,वहीं से वह अपने घर देवरी रुखारा वापस आ रहा था,तभी गांव के बाहर अज्ञात युवकों ने लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर मौक़े से फरार हो गए,वहीं रास्ते से निकल रहे कुछ युवकों ने अर्जुन को खून से लथपथ पड़ा देख इसकी सूचना पुलिस को दी,सूचना पर पहुंची बीकेटी पुलिस ने घटना का स्थलीय निरीक्षण कर फॉरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य एकत्रित करवाकर मृतक के शव का पंचनामा करवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम कारवाई में जुटी हुई थी,सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी ने कहा कि घटना की जांच में टीमें लगी हुई है जल्द घटना का अनावरण कर आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

जालसाजों ने युवक के बैंक खाते से नगदी उड़ाई

मोहनलालगंज लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र एक बैंक से जालसाजों ने एक युवक के खाते से हजारों रुपए ऑनलाइन निकाल लिए पीड़ित युवक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगराम थाना क्षेत्र के आदमपुर मितौली निवासी मोहित कुमार ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि बीते 17 नवंबर को मेरे भारतीय स्टेट बैंक स्थित मोहनलालगंज शाखा में से अज्ञात जालसाजों ने बगैर मेरी जानकारी के मेरे अकाउंट में से दिन में 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच ऑनलाइन लगभग 85000 रुपए निकाल लिए। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया कि पीड़ित के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती पर सपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व विधायक अमरीश सिंह पुष्कर ने गरीबों में बांटीं साड़ियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। शुक्रवार को विधान सभा क्षेत्र मोहनलाल गंज लखनऊ के समाजवादी पार्टी कार्यालय बिन्दौवा में पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने श्रद्धेय नेताजी की 22 नवम्बर 2024 धरतीपुत्र पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती समारोह पर श्रृद्धा सुमन अर्पित किया और साथ ही गरीब महिलाओं को साड़ी वितरण किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय कार्यालय विन्दौंवा में राष्ट्रीय सचिव अधिवक्ता सभा श्रवण यादव, विधान सभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा, जिला उपाध्यक्ष नवनीत सिंह, अशर्फी लाल धीमान, ज्ञानेन्द्र बहादुर सिंह, विजय यादव, उमेश यादव, राम किशोर रावत, ओमकार लोधी, पूर्व प्रधान श्याम लाल रावत, शैलेन्द्र सिंह दीपू , हरीशंकर रावत, मोध हनीफ, रामप्रताप रावत, शनि यादव, संतराम रावत, भोला लोधी समेत कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

ऐतिहासिक ईमारत पर हो रहे अवैध निर्माण को तोड़ा गया

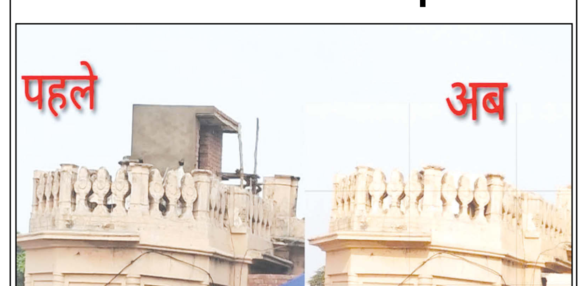

खबर का असर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हेरिटेज जोन के हुसैनाबाद इलाकों में घंटाघर पिक्चर गैलरी के सामने स्थित शाही तालाब के पास एक ऐतिहासिक ईमारत पर कुछ लोगों द्वारा मनमाने तरीके से निर्माण कर उस पर अतिक्रमण कर उसके मूलस्वरूप को बिगाड़ने की ख़बर को कैनविज़ टाइम्स ने ''अवैध निर्माण कर ऐतिहासिक धरोहर का मूलस्वरूप बिगाड़ने की तैयारी'' नामक शीर्षक के साथ प्रमुखता से छापा था। जिसका संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा हुसैनाबाद की उस ऐतिहासिक इमारत पर हो रहे अवैध निर्माण को तोड़कर हटा दिया गया।

बीकेटी में मिट्टी खनन विवाद पर फायरिंग, एक घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी,लखनऊ। बख्शी का तालाब थानांतर्गत मिट्टी खनन में हुए विवाद को बढ़ता देख एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी,जिससे युवक घायल हो गया और फायरिंग करने वाला युवक मौक़े से फरार हो गया वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाकर घटना की जांच में जुटी हुई थी।प्राप्त जानकारी के अनुसार बीकेटी थाना अंतर्गत कठवारा चौकी के शिवपुरी गांव के पास देर रात खनन को लेकर हुए विवाद में कुलदीप सिंह (27) पुत्र अंबर सिंह निवासी दिगोई थाना बीकेटी पर असलहे से फायरिंग की गई जिससे वह घायल हो गया।गोली लगने के बाद घायल युवक को तत्काल ईलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया,जहां उसका इलाज जारी है।वहीं सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी ऋषभ रूणवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को शुक्रवार सुबह लगभग 8 बजे सूचना मिली कि बीकेटी थानांतर्गत दिगोई निवासी कुलदीप सिंह पुत्र अंबर सिंह के साथ शिवपुरी गांव के पास महेंद्र सिंह पुत्र रुद्र प्रताप सिंह निवासी कठवारा ने मारपीट किया तथा फायरिंग की जिससे कुलदीप सिंह का बाया हाथ चोटिल हो गया,सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को ईलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जहां ईलाज जारी है और बीकेटी पुलिस भी अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई थी।

नगर निगम द्वारा 27 जोड़ो का कराया गया विवाह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उ.प्र. सरकार की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत नगर निगम लखनऊ द्वारा समाज कल्याण विभाग के सहयोग एवं नगर आयुक्त डॉ इन्द्रजीत सिंह के प्रयासो से सभी जाति व धर्म के 27 जोड़ो का विवाह शुक्रवार को पूर्ण विधि-विधान से सम्पन्न कराया गया। योजना के अंतर्गत जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालक विद्यालय, मोहान रोड में विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। योजना में निर्धारित निर्देशो का अनुपालन करते हुए प्राप्त आवेदनों की जाँच कर विवाह योग्य जोड़ो को चयन किया गया था। योजना में अनुसूचित जाति के 17, सामान्य के 3, पिछड़ी जाति के 4 व अल्पसंख्यक 3 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ। सभी जोड़े विवाह के लिए अपने परिवारीजनो के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उ.प्र. अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत के करकमलो द्वारा नवविवाहित जोड़ो को बिछिया-पायल की भेंट सहित प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए आशीर्वाद दिया गया तथा उनके सुखमय व उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इसके अलावा आयोजन में नगर निगम के समस्त सम्बन्धित कर अधीक्षक व राजस्व निरीक्षक व लिपिक सहयोग हेतु उपस्थित रहे। वैवाहिक कार्यक्रम में योजना के निर्देशो के अनुरूप विवाहितों को उपहार तथा समस्त अतिथियों को भोजन कराकर कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया।

कक्षा 8 की छात्रा बनी खंड शिक्षा अधिकारी गोसाईगंज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की कक्षा आठ की छात्रा अंशिका एक दिन के लिए बी ई ओ मिशन नारी शक्ति के तहत एक दिन के लिए बी ई ओ बनी।उसने कुर्सी संभालते ही अपने कार्यालय की कार्य पद्धति को समझा।एक दिन की इन खंड शिक्षा अधिकारी मैम ने समस्त ए आर पी बैठक ली।उसी दौरान अंशिका ने कस्तूरबा विद्यालय के अनुभवों और वहां पढ़ने वाली छात्राओं के विषय बताया।अंशिका (एक दिन की खंड शिक्षा अधिकारी) ने ए आर पी धर्मेंद्र सिंह, अनुपमा मंडल, तथा अंजना भारती के साथ प्राथमिक विद्यालय 1 का निरीक्षण भी किया जिसमें बच्चों को सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल किए।इसी समय उन्होंने नेट परीक्षा के विषय में जानकारी दी। एक दिन की खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षण में शिक्षकों से एस एम सी व पी टी एम की बैठक नेट परीक्षा के पहले करने की बात कही गई। एक दिन की खंड शिक्षा अधिकारी ने अध्यापकों से वार्ता की और आग्रह किया कि वे भी विद्यालय की किसी बालिका को एक दिन का प्रधानाध्यापक बनाए।अंत में बी ई ओ रामराज ने अंशिका से पूछा कि आज आपको सबसे अच्छा क्या लगा?उत्तर में अंशिका ने कहा - आपकी कुर्सी पर बैठना! गोसाईगंज बनी छात्रा अंशिका कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 8 की छात्रा है। ब्लॉक संसाधन केंद्र गोसाईगंज में खंड शिक्षा अधिकारी की कुर्सी पर बैठकर अंशिका ने कार्यालय के कार्य पद्धति को समझा। इसी के साथ एक दिन की खंड शिक्षा अधिकारी मैम द्वारा समस्त ए आर पी की बैठक ली गई। अंशिका द्वारा कस्तूरबा के अनुभवों तथा वहां पढ़ रही छात्राओं के विषय में बताया गया। अंशिका द्वारा एआरपी धर्मेंद्र सिंह, अनुपमा मंडल तथा अंजना भारती द्वारा प्राथमिक विद्यालय गोसाईगंज - 1 का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण में अंशिका ने बच्चों से सामान्य ज्ञान के विषय में पूछा तथा नेट परीक्षा के विषय में बताया। अंशिका द्वारा निरीक्षण में शिक्षकों से SMC व PTM बैठक नैट की परीक्षा के पहले करने के लिए भी कहा गया। इसके उपरांत अंशिका द्वारा शिक्षकों से वार्ता कर उनसे आग्रह किया गया कि वह भी अपने विद्यालय की किसी बालिका को एक दिन का प्रधानाध्यापक बनाएं।बीईओ श्री रामराज सर ने अंशिका से पूछा आज सबसे अच्छा क्या लगा? अंशिका ने कहा - आपकी कुर्सी पर बैठना।

शराब के नशे में धुत्त बेटों ने मां के साथ मिलकर महिला को पीटा, मुकदमा दर्ज

नगराम, लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगराम थाना क्षेत्र के भोरा कला गांव में शराबी भाइयों ने मां के साथ मिलकर घरेलू विवाद को लेकर महिला को पीट दिया , इससे महिला को काफी चोटें आई हैं। भोरा कला गांव की रहने वाली युवती चांदनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि शुक्रवार दोपहर घरेलू विवाद में विपक्षी राधा अपने दो बेटे जो नशे में धुत्त थें बउवा व अंकित के साथ मिलकर गाली-गलौज करने के साथ लात-घूसों व डंडे से मारा-पीटा है, और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए आरोप है कि इसी दौरान गले से सोने का माला कहीं गिर गया , काफी खोजबीन करने पर भी नहीं मिला है। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि युवती की तहरीर पर महिला समेत दो बेटों पर सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, मामले की जांच की जा रही है।

दो अलग-अलग गांव में हुई मारपीट

मोहनलालगंज लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के दो अलग अलग गांव में हुई मारपीट में महिला समेत आधा दर्जन लोग चोटिल हो गए दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी है। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के मनोहरापुर सिसेंडी निवासी सूरज ने पुलिस को दी गई तहसील बताया कि मामूली विवाद को लेकर बुधवार को मेरे गांव के ही कन्हई व उनके लड़के विजय कुमार, नीरज,पिंटू, व उनकी पत्नी व बेटी ने मेरे माता-पिता व मेरी पत्नी के साथ गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारा पीटा और जान माल के धमकी दी। वहीं दूसरी घटना में कनकहा निवासी अजीत कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि शुक्रवार सुबह मैं अपनी दुकान पर बैठा था तभी विपक्षी योगेंद्र, जगदीश कुमार, व मोहित अपने आधा दर्जन साथियों के साथ मेरे दरवाजे पर आए और गाली गलौज करते हुए मुझे मारा पीटा वही शोरगुल सुनकर जब मेरे परिजन मुझे छुड़ाने लगे तो विपक्षियों ने मेरी मां, बहन व मेरे भाई को भी बुरी तरह मारा पीटा और जान माल के धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया कि दोनों मारपीट की घटनाओं में तहरीर के आधार पर नामजद मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है ।

गलती से दूल्हा पहुंच गया उन्नाव, सचिव व प्रधान ने लाकर संपन्न कराया विवाह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सामूहिक विवाह के कार्यक्रम में शुक्रवार को एक बड़ा ही रोचक मामला सामने आया। यहां बड़ी संख्या में जोड़ों का सामूहिक विवाह मोहान रोड स्थित विद्यालय में संपन्न होना था। वहां विवाह की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई थी। सरकारी ताम झाम के मुताबिक विवाह शुरू होना था। लेकिन पता चला कि फरीदपुर निवासी काजल तो पहुंच गई है लेकिन उनका दूल्हा अभी तक आया ही नहीं। जबकि सुबह 9 बजे दूल्हे को पहुंच जाना चाहिए था। दूल्हे गोविंद को फोन किया गया तो पता चला वह कहीं और पहुंच गया है। पूरी जानकारी करने पर पता चला कि दूल्हा गोविंद मोहान रोड की बजाय उन्नाव जनपद के मोहान इलाके में पहुंच गया है। सचिव वा प्रधान को इसकी जानकारी हुई तो पूरी व्यवस्था संभाली गई। पंचायत सचिव भूपेंद्र सिंह व प्रधान प्रतिनिधि उमेश यादव अपने निजी वाहन से उन्नाव जनपद के मोहान इलाके में पहुंचे और वहां से दूल्हे को अपनी गाड़ी में लेकर विवाह स्थल पर पहुंचे। इसके बाद सारे रीति रिवाज का पालन करते हुए विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस नेक कार्य के लिए सभी ने पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। गोसाईगंज के वीडियो समाज कल्याण रिद्धिम द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले भर के कुल 308 जोड़ों का विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें 41 जोड़े गोसाईगंज ब्लॉक के गांव के शामिल थे। सभी जोड़ों के आवेदन प्राप्त होने के बाद उनका सत्यापन करते हुए पूरी प्रक्रिया रिद्धिम द्विवेदी ने संपन्न कराई।

बीकेटी में अलग-अलग सड़क हादसों में एक वृद्ध की मौत, दो घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी,लखनऊ। बीकेटी थाना अंतर्गत शुक्रवार को अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में एक वृद्ध युवक की मौके पर ही मौत हो गई तथा दो बाइक सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलचंद निवासी डेरवा (60) थाना इटौंजा किसी काम से शुक्रवार की सुबह सीतापुर रोड़ के किनारे पैदल जा रहे थे तभी बेहड़ा चक्की के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे मौके पर ही वृद्ध मूलचंद्र की मौत हो गई।सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।मृतक की बेटी लकी ने बताया की उसकी मां की पहले ही मौत हो चुकी है,वहीं पिता की मौत के बाद बेटी का रो-रो कर बुरा हाल है।वही अन्य घटना शिवपुरी गाँव के बाहर सुबह आठ बजे अज्ञात पिकप ने बाइक सवार सुजीत व पवन कुमार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी,जिससे दोनों युवक बुरी तरह चोटिल हो गए।वहीं उनके परिजन दोनों घायलों को ईलाज के लिए एम्बुलेंस से रामसगार मिश्र शौ शैय्याअस्पताल ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालात ज्यादा गंभीर होने पर उन्हें ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया गया।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह का लखनऊ में 24 नवंबर को होगा उद्घाटनः समारोह समिति

लखनऊ। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति के संयोजक राज किशोर और सह संयोजक प्रशांत भाटिया ने बताया कि पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन एवं आदर्श की जानकारी नई पीढ़ी के बीच में हो, इसके लिए अवध प्रांत में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह का भव्य शुभारंभ लखनऊ में होना सुनिश्चित हुआ है। समारोह का उद्घाटन 24 नवंबर(रविवार) को अपराह्न तीन बजे सीएमएस विद्यालय, गोमती नगर विस्तार में होगा। इस समारोह के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह केंद्रीय समिति की सचिव डॉक्टर माला ठाकुर एवं बावन मंदिर अयोध्या धाम के पीठाधीश्वर पूज्य महंत बैदेही वल्लभ शरण जी महाराज उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अहिल्याबाई होलकर के वंशज उदय राज होलकर करेंगे।

हरे पेड़ों पर चला रहे हैं ठेकेदार आरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर।वन विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों की मिली भगत से हरियाली को नष्ट करने वाले लकडकट्टे हरे पेड़ों पर भी चला रहे हैं आरा मामला थाना रामकोट अंतर्गत ग्राम मधवापुर दारानगर में आठ पेड़ आम के पांच पेड़ कटहल (छूट वाले) थे उन्हें 21-11-24 को काट लिया गया और एक पेड़ गूलर व पकरिया का लहरपुर के एक ठेकेदार द्वारा आज 2 दिन से कटवाए जा रहे है बन विभाग के उच्च अधिकारियों से शिकायत करने पर वन विभाग के

अधिकारी द्वारा बताया गया की आम के आठ पेड़ों का परमिट जारी किया है कटहल के पेड़ छूट के होते हैं परंतु ठेकेदार द्वारा गूलर एवं पकरिया का पेड़ भी साथ में काट लिया गया है जबकि गूलर एवं पकरिया के पेड़ पर कटवाने का कोई भी परमिट जारी नहीं किया जाता है वन विभाग को गूलर एवं पकरिया के पेड़ के काटने की जानकारी दी गई तो उनके द्वारा अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं की गई थी ठेकेदार द्वारा निरंतर हरियाली वाले पेड़ों पर आरा चलाया जा रहा है आम की पेड़ों में जो भी रिपोर्ट लगा करके उनका परमिट जारी किया गया है वह संदेह वाला गांव के लोगों का कहना है आम के पेड़ में अभी फल आते थे गांव के कई लोगों ने बताया कि वन विभाग के अधिकारी ऐसे ही पेड़ों का परमिट जारी कर देते हैं और हरे पेड़ भी कटवा देते हैं।

भ्रष्टाचार के मकड़जाल में सिसकती ग्राम पंचायत गढ़ी

मछरेहटा/सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के नाम पर जमकर प्रधान व सचिव भ्रष्टाचार कर रहे हैं। जिम्मेदार इस पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। मामला विकास खंड मछरेहटा की ग्राम पंचायत गढ़ी का है, जहां गांव में प्रधान, सचिव और रोजगार सेवक की चलती तिगड़ी के भ्रष्टाचार का खेला हो रहा है। न ही अधिकारियों का डर है न ही जाँच का। पंचायत राज व्यवस्था पर लगातार भ्रष्टाचार हावी होता जा रहा है लगभग सभी विकास कार्यों पर घोटाले का ग्रहण लग चुका है जिसका प्रमुख कारण कमीशन बाजी व घोटाले बाजी बताया जा रहा है। विकास कार्यो में हुआ भ्रष्टाचार चर्चा का विषय बन चुका है खाऊ कमाऊ नीति पर सन्चालित विकास कार्यों में पंचायत से लेकर ब्लॉक तक जमकर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। प्रधान व सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की दशा बहुत ही दयनीय है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्रीवाल मरम्मत व रंगाई पुताई व पुट्टी कार्य के नाम पर दो बार मे लगभग 459000 रुपयो का भुगतान कराया गया है। जिसमे काफी भारी अनिमिताये बर्ती गयी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में हैंडपम्प मरम्मत व रिबोर के नाम पर सात बार मे लगभग 405000 रुपयो का भुगतान कराया गया है। ग्राम पंचायत में ह्यूम पाइप के नाम पर लगभग 84000 रुपयो का भुगतान कराया गया। ग्राम पंचायत में व्हील चेयर , शौचालय मरम्मत , लाइब्रेरी स्थापना आदि के नाम पर लाखों रूपयो का भुगतान कराया गया है।

आधुनिक युग में विज्ञान का बहुत महत्व है हमें अपने बच्चों को विज्ञान की तरफ ले जाना होगा और उनकी रुचि पैदा करना होगा : खंड शिक्षा अधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद सीतापुर । आज के आधुनिक युग में विज्ञान का बहुत महत्व है बच्चों को नए-नए आविष्कारों तथा नई खोज के बारे में बताना और नए-नए प्रयोग करने से बच्चों के शैक्षिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को स्वास्थ्य पर्यावरण सामाजिक और वैज्ञानिक शिक्षा प्रदान करना बहुत आवश्यक है उक्त उद्गार खैराबाद ब्लॉक के बेसिक स्कूलों के बच्चे एक्सपोजर विजिट के लिए विज्ञान आंचलिक केंद्र लखनऊ में उपस्थित थे जिन्हें संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद संतोष कुमार मिश्रा ने कहीं इस अवसर पर ब्लॉक खैराबाद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं समस्त ए आर पी तथा शिक्षक गण उपस्थित थे ज्ञात रहे की अक्टूबर माह में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान क्विज का आयोजन किया गया था जिसमें 105 बच्चों को चयनित किया गया था चयन प्रक्रिया में जिन बच्चों के 12 अंक तक आए थे उन्हें विजिट में ले जाने के लिए चयनित किया गया उसी क्रम में महानिदेशक बेसिक शिक्षा के आदेशानुसार संपूर्ण जनपद के ब्लॉकों से बच्चे विजिट के लिए भेजे गए खैराबाद से 98 छात्र छात्राओं ने विजिट में प्रतिभाग किया और विज्ञान संबंधी जानकारी को प्राप्त किया खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद संतोष कुमार मिश्रा ने सभी बच्चों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी बच्चों के साथ टीम में जाने वाले आरपी अनुपम दीक्षित, कुमार विवेक, राकेश कुमार वर्मा ,अरविंद कुमार वर्मा, आरती श्रीवास्तव ,जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ प्रांतीय प्रवक्ता मनीष पांडेय, ब्लॉक अध्यक्ष नरेश मिश्रा, मंत्री जहीर आलम अंसारी, प्राथमिक जिला उपाध्यक्ष महिला वंदना दीक्षित तथा रामबालक पटेल, विनीता शुक्ला, नीता वर्मा, अवधेश कुमार गौतम, अनुभूत सिंह, मोहित पांडे ,शुभम अवस्थी, अमन द्विवेदी, फ़ैज़ुल हसन,शशांक शेखर,शशि बाला ,सुशील कुमार, प्रमोद कुमार, रमेश रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।अंत में खण्ड शिक्षाअधिकारी संतोष कुमार मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लाखों के घोटालेबाज प्रधान सचिव की जांच के आगे घुटने टेकते अधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरगांव सीतापुर । विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत राजेपुर में प्रधान

बीडीओ साहब की जांच अधर में ऐसी क्या मजबूरी कि भ्रष्टाचारियों को दिया जा रहा बढावा

नटवर लाल बने सचिव,प्रधान,बिना कार्य करवाये निकाल लिए लाखों रुपये

सचिव ने विकास कार्य के नाम पर फर्जी फर्मों के सहारे क़रीब बीस लाख रुपए निकाल कर बंदर बांट कर लिया वहीं जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को हुईं कि इतने बड़े पैमाने पर हुऐ भ्रष्टाचार का नाम सुनते ही इसकी जानकारी कैनविज टाइम्स को दी वहीं दबी जुबान से कुछ ग्रामीणों ने नाम छापने की शर्त पर ग्रामीणों द्वारा बताया गया हैण्ड पम्प रिबोर व मरम्मत के कार्य में 19 बार में क़रीब 634980 रोड़ा डलवाई तीन बार मे 108250 वहीं

नाली निर्माण कार्य मे प्रमोद श्रीवास्तव के मकान से श्रीपाल के मकान तक 561694 रू वहीं विद्यालय में टायलीकरण के नाम पर 2022 से 2024 तक क़रीब 1892156 रू निकाले गए जबकि हकीकत कुछ और ही है वहीं उप चुनाव में प्रधान द्वारा 43500रू खर्च कर दिए गए यंटीलार्वा छिड़काव 33460रू खर्च किए गए वहीं उजागर पुरवा में

ग्राम पंचायत राजेपुर में हुऐ भ्रष्टाचार की एक माह पूर्व जांच के आदेश पर एक बार पुनः हरगांव खण्ड विकास अधिकारी आत्म प्रकाश रस्तोगी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जांच की जा रही है

खण्ड विकास अधिकारी

बाउंड्रीवाल निर्माण 125827रू खर्च किए गए जबकि मौके पर विद्यालय की बाउंड्री जगह जगह से टूटी पड़ी है वहीं ==सेंटर 268900 रू सेनिटाइजर छिड़काव कार्य के नाम पर 176268 रू निकाले गए वहीं इतने बड़े पैमाने हुऐ भ्रष्टाचार पर लगातार अख़बारों की सुर्खियां बन रही देख बीडीओ साहब ने जांच के आदेश तो दे दिया लेकिन करीब एक महीने से ज्यादा समय बीत गया लेकिन जांच अभी भी अधर में लटकी है इससे तो यही लगता है बीडीओ साहब भी जांच की आंच में फसकर भ्रष्टाचारियों की नाव पर सवार होकर चार चांद लगाते है।

विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत परसदा में सरकारी धन की बन्दर बांट

सचिव व प्रधान की जोड़ी लिख रही विकास की नई गाथा

गौ शाला में कोई न पहुचे इस लिए लगा रहता ताला

टाइलीकरण व खेल मैदान के कार्यो में हुई लाखो की कमीशन बाजी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर/मछरेहटा - सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं को पलीता लगाने में अधिकारियों की लापरवाही अहम भूमिका निभाती है. जिसके चलते पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पाता है। योगी सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के पूरे प्रयाश कर रही है , पर वह कही न कही फ़ेल नजर आ रही है । जनपद की विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत परसदा में खेल मैदान में आए हुए धन का जबरदस्त तरीके से बंदर बाँट किया गया सिर्फ गेट लगा कर सारे रूपये निकाल लिए गए और खेल मैदान के नाम पर सरकार और जनता को ठेंगा दिखाया जा रहा है ग्रामीणों का आरोप है की खेल मैदान को आउट ऑफ़ बॉर्डर बनाया गया है।

जिससे ग्राम सभा के बच्चों को खेल मैदान का कोई लाभ भी नहीं मिल पा रहा है वहीं गौशाला परसदा में अनिमितिता का भंडार है गौशाला में बराबर ताला जड़ा रहता है जबकि गाय को कुत्तो द्वारा नोचता हुआ देखा गया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय में टाइलीकरण के नाम पर नौ बार मे लगभग 998000 रुपयो का भुगतान कराया गया है। यही नही बाजपेयी कर मकान से भोला के मकान तक नाली निर्माण कार्य के नाम पर सात बार मे लगभग 804000 रूपयो का भुगतान कराया गया है जिसमे काफी भारी अनिमिताये बरती गयी है ।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का किया गया प्रारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति प्रदान करते हुए इन उद्योगों को प्रोत्साहित करने, अधिक से अधिक रोजगार सृजित किये जाने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से तथा प्रतिवर्ष 1 लाख नई सूक्ष्म इकाईयों को स्थापित किये जाने के लक्ष्य के साथ मिशन मोड़ में आगामी 10 वर्षो की समयावधि में 10 लाख नई सूक्ष्म इकाईयॉ स्थापित किये जाने के महत्वपूर्ण उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा एक महत्वाकांक्षी योजना ''मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान'' का प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान'' योजना हेतु आवेदन किये जाने हेतु पात्रता/शर्ते के अनुसार आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी हो, आवेदक की आयु 21 वर्ष से 40 वर्ष होनी चाहिए, शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा आठ होनी चाहिए। इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अथवा समकक्ष को वरीयता दी जायेगी। आवेदक सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे-विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल डवलपमेन्ट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षित हो अथवा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय/शैक्षणिक संस्थान से कौशल संबंधी सर्टिफिकेट कोर्स/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त हो, पूर्व में पी0एम0 स्वनिधि योजना के अतिरिक्त राज्य अथवा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य योजना में ब्याज अथवा पूंजी उपादान का लाभ प्राप्त न किया हो। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत वित्त पोषण हेतु उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रू0 5.00 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण परपरियोजना लागत का शत-प्रतिशत ब्याज उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले 4 वर्षो के लिए दिया जायेगा। कुल परियोजना लागत का न्यूनतम 10 प्रतिषत टर्मलोन के रूप में होना अनिवार्य होगा। परियोजना में भूमि-भवन का क्रय सम्मिलित नहीं होगा। सामान्य वर्ग के लाभार्थी को परियोजना लागत का 15 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थी को 12.5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति/दिव्यांगजन के लाभार्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। लाभार्थी को परियोजना लागत अथवा अधिकतम रू0 5.00लाख जो भी कम हो, का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दिया जायेगा।

बिजली से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान आज

रामकोट-सीतापुर। बिजली से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए शनिवार को रामकोट के विद्युत उपकेंद्र पर विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में उपभोक्ता खराब मीटर, गलत बिल, नए संयोजन, नाम परिवर्तन, विद्या परिवर्तन, भार वृद्धि, या अन्य किसी भी प्रकार की बिजली से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आ सकते हैं। विद्युत विभाग की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार बिजली बिल में त्रुटि हो, लोड शेडिंग की समस्या हो, या फिर ट्रांसफॉर्मर संबंधित मामले हो, इन सभी का त्वरित समाधान किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। विभाग की टीम मौके पर ही उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण करने का प्रयास करेगी। जिन मामलों में स्थल निरीक्षण या मीटर बदलने की आवश्यकता होगी, उन्हें एक सप्ताह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। उपखंड अधिकारी संजय कुमार यादव ने बताया कि हम अपने उपभोक्ताओं को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस शिविर का उद्देश्य उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है। उपभोक्ताओं की भागीदारी से ही विश्वसनीय और पारदर्शी विद्युत व्यवस्था की ओर बढ़ सकेंगे। उपभोक्ताओं से निवेदन है कि वे अधिक से अधिक संख्या में लगने वाले शिविर में आएं और विद्युत समस्याओं का समाधान कराएं।

सड़क हादसे में पत्रकार की गई जान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला श्याम नाथ निवासी मदन यादव एक टीवी चैनल में पत्रकार थे। शुक्रवार को वे बाइक से खबर की कवरेज करने के लिए निकले थे। रास्ते में खैराबाद थाना क्षेत्र में आईटीआई तिराहे के निकट एक रोडवेज बेस ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पत्रकार मदर यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उन्हें लेकर जिला अस्पताल भागी। रास्ते में घायल पत्रकार ने दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पत्रकार के निधन की खबर मिलते ही पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई।उपजा के जिलाध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, सचिव नवनीत दीक्षित,

वरिष्ठ पत्रकार राहुल मिश्रा, अनिल विश्वकर्मा, अशोक यादव, हिमांशु सिंह मोनू, रविंद्र तिवारी, आनन्द तिवारी, अमित शुक्ला, संदीप श्रीवास्तव, अवनीश मिश्रा, श्याम प्रकाश शुक्ला, सुनील शर्मा, पुलकित शर्मा, अनुज सक्सेना, महेश कश्यप, विनीत पांडेय, अर्पित सिंह आदि पत्रकारों ने शोक जताया है।

30 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सीतापुर के सांसद राकेश राठौर को दिया ज्ञापन

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। आजाद अधिकार सेना के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा द्वारा जनपद सीतापुर के गांव गरीब सहारा इंडिया से पीड़ित जमाकर्ताओं के भुगतान के लिए आज सांसद राकेश राठौर 30 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सीतापुर को एक 6 सूत्रीय मांग पत्र ज्ञापन सौंपा जिसमें उन्होंने मांग की है की सहारा की सोसाइटियों का जो भुगतान पोर्टल द्वारा किया जा रहा है उसमे मात्र एक प्रतिशत लोगों को?10000 का भुगतान मिला है बाकी 99% डिफिशिएंसी दिखा रहा है तथा सहारा इंडिया द्वारा अपने आफिसों को बन्द कर दिया गया है जिससे जमाकर्ताओं की डिफ़ेसेशी नहीं हट पा रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद में संचालित समस्त परियोजनाओं एवं सड़कों के निर्माण तथा अनुरक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सीतापुर । जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित 50 लाख रूपये से अधिक लागत की समस्त परियोजनाओं एवं सड़कों के निर्माण तथा अनुरक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जिन निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिजों में रेलवे के स्तर से कार्य लंबित हैं, उन्हें संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र पूर्ण कराया जाये। पूर्ण परियोजनाओं को निर्धारित प्रक्रिया का पालन कराते हुए शीघ्र हस्तांतरित कराए जाने के भी निर्देश दिये। धीमी प्रगाति वाली संस्थाओं को कार्य की प्रगाति में सुधार के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लापरवाही करने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को सी0एम0आई0एस0 पोर्टल पर समय से फीडिंग कराए जाने हेतु निर्देश भी दिये तथा धीमी प्रगति वाली योजनाओं में सुधार हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद-सीतापुर

संख्या-1114/न0पा0परि0सी0 / 2024-2025 दिनांक 21.11.2024

अति अल्पकालिन ई-निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पलिका परिषद सीतापुर की सीमान्तर्गत कॉलम के सम्मुख अंकित कार्य को राज्य वित्त आयोग /बोर्ड फन्ड से कराये जाने हेतु ई-टेण्डर के माध्यम से अति अल्पकालिन ई-निविदाऐं दिनांक 23.11. 24 से दिनांक 29.11.24 को समय 05:00 बजे तक ऑनलाईन डाउनलोड एवं अपलोड की जाएगी, वेबसाईट पर ई-निविदा प्रकाशन दिनांक 23.11. 24 को समय 11:00 बजे एवं उक्त निविदाऐं दिनांक 29/11/24 को समय 11:00 बजे खोली जाएगी। संबंधित निविदाएँ वेबसाईट http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है, निविदा प्रपत्र शुल्क आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से नगर पालिका परिषद सीतापुर के पंजाब नेशनल बैंक सीतापुर के खाता संख्या 01591010000660 आई0एफ0एस0सी0 कोड PUNB 0015910 में ऑनलाईन जमा किया जा सकेगा अथवा चेक / डी0डी0आर0 जमा की जा सकेंगी तथा प्रत्येक निविदा के साथ धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र / किसान विकास पत्र / एफ0डी0आर0/ टी0डी0आर0 जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सीतापुर के नाम बन्धक हो, स्वीकार किया जायेगा। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकारी अध्यक्ष महोदय नगर पालिका परिषद सीतापुर में निहित होगा। अन्य शर्ते / जानकारी किसी भी कार्य दिवस में पालिका कार्यालय में संबंधित अनुभाग से की जा सकती है, किसी भी कार्य दिवस में अवकाश होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया अगले कार्य दिवस में पूर्ण की जायेगी।

क्रम सं0 1	कार्य का नाम	अनुमानित मात्रा	दर / क्विंटल	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा मूल्य + टैक्स
1	2	3	4	5	6	7
	राज्य वित्त आयोग / बोर्ड फन्ड					
1	अलाव जलाने हेतु सूखी जलौनी लकड़ी की आपूर्ति	3800 क्विंटल	रु. 652. 00/ प्रति क्विंटल	2477600.00	49552.00	1200.00+ जी0एस0टी0

नियम व शर्ते :-

1. आपूर्तिकर्ता / निविदादाता निविदा प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व कार्य एवं कार्य के बारे में भली-भाँति परिचित हो ले।
2. ई-निविदा स्वीकृति होने की दशा में संबंधित ठेकेदार को कार्य के पूर्व अनुबंध करना होगा।
3. उपरोक्त कार्य का भुगतान कार्य संतोषजनक होने के उपरान्त ही किया जाएगा।
4. आपूर्तिकर्ता फर्म / प्रतिष्ठान को जी0एस0टी0, आयकर, निविदा प्रपत्र के साथ स्वप्रमाणित छायाप्रति लगाना अनिवार्य होगा।
5. अन्य विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में पालिका कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
6. अंतिम तिथि से एक दिन पूर्व लोड करना।
7. निविदा स्वीकृति / अस्वीकृति करने का अधिकार अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सीतापुर में निहित रहेगा।
8. धन की उपलब्धता पर वाहन प्रभारी / अलाव इन्चार्ज के सम्यापन उपरान्त भुगतान किया जायेगा।
9. कार्य पूर्णतः उपरान्त आपूर्ति सामग्री को 3-3 फोटोग्राफ।
10. किसी निकाय में आपर्ति सामग्री का कार्यादेश / अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
11. अपर मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन लखनऊ के पत्र सं0-1319/ नौ-9-21-45ज / दिनांक 30 जून 2021 अन्तर्गत ई-निविदा सम्बन्धी समस्त औचारिकताएं पूर्ण करनी होगी।

(वैभव त्रिपाठी)
अधिशासी अधिकारी श्रेणी-1
नगर पालिका परिषद सीतापुर

(नेहा अवस्थी)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सीतापुर

भारद्वाज जी महाराज ने किया राम वनवास का मार्मिक चित्रण, श्रोता भावुक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के अमवा श्री दूबे में आयोजित श्री रुद्र महायज्ञ में श्रीधाम वृंदावन से पधारे श्रीधाम मानस मर्मज्ञ अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने श्रीराम कथा का रसपान कराते हुए राम वनवास का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा सुनकर श्रोता भावुक हो गए।

महाराज जी ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने कुल की मर्यादा और पिता के वचन की रक्षा के लिए राजपाट त्यागकर वनवास स्वीकार किया। राजा दशरथ का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने उम्र व कर्तव्यों को समझते हुए राजपाट श्रीराम को सौंपने का निर्णय लिया।

कथा में लक्ष्मण और माता कौशल्या के त्याग और आदर्श का भी वर्णन हुआ। महाराज जी ने कहा, भाई हो तो लक्ष्मण जैसा, जिन्होंने अपने माता-पिता के स्थान पर राम-सीता को ही अपना सब कुछ मान लिया। माता कौशल्या ने पति की वचनबद्धता का सम्मान करते हुए राम के वनगमन को स्वीकार किया।

महाराज जी ने यह भी बताया कि यदि माता कैकेयी राम को वनवास नहीं भेजतीं, तो रामकथा अधूरी रह जाती। उनके कठोर प्रेम और त्याग ने राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर पूजन-अर्चन के साथ कथा का शुभारंभ भाजपा के जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, शिक्षक अखिलेश मिश्रा, हृषीकेश द्विवेदी, पारसनाथ द्विवेदी और नागेंद्र उपाध्याय ने किया। इस दौरान रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी,समाजसेवी प्रदीप तिवारी, अनिल जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला,साधन सहकारी समिति अध्यक्ष नीलेश उपाध्याय, सुरेश राय,काशी से पधारे यज्ञाचार्य पंडित त्रिभुवन पांडेय, मुख्य यजमान सोनी देवी, हिरण्यगर्भ द्विवेदी पंकज, ज्ञानेश्वर द्विवेदी दीपक, चित्रसेन द्विवेदी, ग्राम प्रधान राकेश द्विवेदी, जीतन गौड़, शैलेश गौड़, गुड्डू द्विवेदी,मनोज द्विवेदी, अखिलेश द्विवेदी, उपेंद्र द्विवेदी समेत सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बीज के लिए किसानों का हंगामा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। सूबे की योगी सरकार किसानों के हर संभव मदद करने का दावा आज फ़ेल साबित हो रहा है विगत 7,8, दिनों से किसान बीज के लिए कार्यालय का चक्कर काट रहे है राजकीय कृषि बीज भंडारों में गेहूं के बीज खत्म होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बीज की किल्लत से बोआई का समय किसानों के अनुसार लगभग 17 दिन पिछड़ रही है। किसान नई रैक आने का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए वह कृषि बीज भंडारों के चक्कर लगा रहे हैं। बीज न मिलने से उन्हें मायूस होकर डेली घर लौटना पड़ रहा है। वहीं, शासन के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 10% ही बोआई हो पाई है ऐसे में किसान डेली बीज न मिलने के कार्यालय का चक्कर काटने के बाद मायूस होकर घर वापस चले जाते है

जी हम बात करेंगे जनपद कुशीनगर के पड़रौना, कसया, हाटा,सहित जिले के सभी राजकीय बीज गोदामों का जहां विगत दो सप्ताह से किसान गेहूं के बीज के लिए कार्यालय का चक्कर काट रहे है और अधिकारियों के लापरवाही से फसल बोआई का समय भी बीतता जा रहा है ऐसे में जिले के किसान परेशान है और जिम्मेदार अधिकारियों से जैसे इससे कोई वास्ता न हो ।

इस मामले में पड़रौना कृषि खाद बीज भंडार पर पहुंचे किसान रामजी पुत्र मोती ग्राम बिंदवलिया निवासी ने कहा कि अधिकारियों के लापरवाही के कारण आज किसान बीज के लिए कार्यालय का चक्कर काट रहे है समय से बीज नहीं मिलने के कारण आज लगभग अपना जिला गेहूं की बोवाई में 17 दिन पीछे है । वही बीज के लिए खाद बीज के राजकीय बीज भंडार केंद्र पर पहुंचे मुलाजिम पुत्र रोजादिन ग्राम जंगल वनवीरपुर पड़रौना निवासी ने कहा कि इसमें सरकार का कोई दोष नहीं जो जिम्मेदार अधिकारी है कही न कही सरकार को बदनाम करने के लिए साजिश कर रहे है क्यों कि डिमांड के अनुसार बीज समय से आचूका था लेकिन किस तरह वितरण किया गया की किसान आज बीज के लिए परेशान है । वही राजकीय खाद बीज भंडार केंद्र पड़रौना कार्यालय पर पहुंचे डेवा प्रसाद पुत्र जयश्री प्रसाद ग्रामसभा साढ़ी बुजुर्ग ब्लाक पड़रौना निवासी ने कहा कि विगत 15 दिनों से आज कल बीज देने का वादा कर दौड़ाया जा रहा है समय बीतता जा रहा है इसमें सरकार का कोई दोष नहीं अधिकारियों के लापरवाही का नतीजा है बीज डिमांड के अनुसार जिला को मिला हुआ था बीज कहा वितरण हुआ अगर जांच हो तक सामने आएगा की इसका खपत कहां हुआ ।

तेरह दिन से धरने पर बैठा कुनबा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

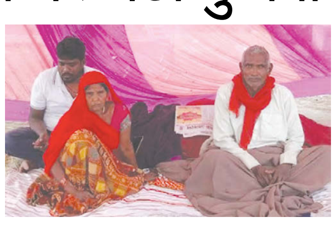

कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के सौरहा खुर्द गांव में खेत और भूमि पर किये गये कब्जे को हटवाने और दरवाजे पर बलपूर्वक चलायें गये दीवार को गिराने के लिए हर चौखट पर फरियाद करने के बाद न्याय न मिलने से निराश पीड़ित परिवार अपने पुरे परिवार के साथ इस ठंढ के मौसम में 13 दिनों से धरने पर बैठी है। एक सप्ताह बीतने के बाद भी किसी सक्षम अधिकारी द्वारा उसकी सुधी न लेने के चलते न्याय की उम्मीद बुझने लगी है।

सौरहा खुर्द गांव के दुबरहा टोला निवासी भुनगी देवी ने अपने पट्टीदारों पर घर में जबरदस्ती दीवार खड़ा करने और खेत में मेंड़ बांधने का आरोप लगा पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग कि थी। एसडीएम के निर्देश पर 6 नवम्बर को मौके की नवैयत जांचने पहुंचे लेखपाल की मौजूदगी में मार पीट कर आरोपियों ने घायल कर दिया था। मार-पीट के मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है। पीड़िता ने दरवाज़े पर चलाएं गये दीवार और खेत में बांधे गए मेंड़ को तोड़वाने की मांग को लेकर 9 नवम्बर से चरिघरवा चौराहे पर स्थित शिव मंदिर परिसर में पुरे परिवार के साथ धरना दे रही है। पीड़िता ने बताया कि सभी अभिलेख मेरे नाम से है उसे के बाद भी हमारे खेतों में मेंड़ बाध दिया गया है। बगैर किसी भूलेख में नाम दर्ज कराएं ही दबंगई के बल पर जबरन कब्जा कर न्यायालय को ठेंगा दिखा रहे हैं। कानून के तहत विपक्षी अपनी लड़ाई लड़े। उनके नाम से कोई अभिलेख हो तो कानून प्रक्रिया से आएं। पीड़िता के पति गुलाब साहनी ने अमर उजाला को बताया कि गरीब आदमी हैं एक चाय की दूकान चला कर किसी तरह से जीवन यापन करते हैं। धरना देने के चलते दुकान भी बंद हो गई है।अब भोजन के भी संकट खड़ा हो गया है। बाबा की सरकार से बड़ी उम्मीद थी कि हमें न्याय मिलेगा लेकिन अब धीरे धीरे नाउम्मीद हो गया हूं।

सीआरएम टीम ने जाना स्वास्थ्य केन्द्र का हाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र अंतर्गत बोदरवार ग्राम सभा में स्थित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंची सीआरएम की टीम ने केंद्र की व्यवस्थाओं सहित स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न पहलुओं पर पूछ-ताछ करते हुए केंन्द्र का हाल जाना। इस दौरान कर्मचारियों से संतोषजनक उत्तर पाकर टीम के लोग संतुष्ट दिखे।ज्ञात हो। 21 नवंबर दिन गुरुवार के दिन भारत सरकार नई दिल्ली से आई हुई कामन रेब्यू मिशन (सीआरएम) की टीम विकास खंड कप्तानगंज के बोदरवार में स्थित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर शाम को लगभग 6 बजे के दौरान केंद्र का हाल जानने के लिए पहुंची।केंद्र पर सभी कर्मचारीगणों के साथ प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 संजय भारद्वाज उपस्थित रहे।टीम द्वारा मरीजों को सरकार से मिल रही सुबिधाओं के क्रम में सर्व प्रथम केंद्र के अंदर स्थित पैथालाजी विभाग से मरीजों की जांच के विषय में पूछ - ताछ किया गया।और टीवी के मरीजों की संख्या सहित उनके उपचार के विषय की जानकारी ली गई। तथा ओपीडी में मरीजों की संख्या सहित केंद्र के अंदर दवा के स्टोर का भी निरीक्षण करते हुए स्टोर के अंदर उपलब्ध दवाइयों का भी जायजा लिया गया। इसके साथ ही साथ लेबर रुम में पहुंच कर टीम द्वारा प्रसव सुविधाओं की जांच किया गया।तथा परिवार नियोजन संबंधित सामग्रियों की उपलब्धता के विषय का भी जायजा लिया गया।स्वास्थ्य केंद्र बोदरवार के कर्मचारियों द्वारा मिली जानकारी से टीम में शामिल लोग संतुष्ट दिखे।इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज के प्रभारी चिकित्साधिकारी डाध सूर्यभान कुशवाहा, केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डाध संजय भारद्वाज, फार्मासिस्ट शैलेष पाण्डेय, वार्ड ब्वाय इंतयाज अहमद, एसटीएस राकेश राव, एलए शक्ति प्रकाश सिंह, संविदा पर कार्यरत एलटी समीउलहक, स्टाप नर्स रंजना राय, अनीता आर्या, स्वीपर कम चौकीदार सुरेंद्र प्रसाद व गिरधारी उपस्थित रहे।

सीआरएम टीम ने सीएचसी, आयुष्मान अस्पताल, वेलनेश सेंटर का किया जांच

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार की सीआरएम टीम ने शुक्रवार को जांच के अंतिम दिन कसया सीएचसी, एक निजी अस्पताल, एक वेलनेश सेंटर की जांच की।

शुक्रवार को सीआरएम टीम ने सबसे पहले आयुष्मान हॉस्पिटल गोपालगढ़ की जांच की और संचालक और वहां के स्टाफ से आयुष्मान योजना की जानकारी ली। ऑपरेशन, इलाज, खर्च आदि की जानकारी ली। गोपालगढ़ में ही हेल्थ वेलनेश सेंटर को देखा। टीम के सीएचसी कसया पहुंचने पर फूल बरसा कर स्वागत किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी ने बुके देकर सदस्यों का स्वागत किया। टीम ने सबसे पहले इमरजेंसी कक्ष का निरीक्षण किया और तैनात चिकित्सक से मरीजों को दी जा रही सुबिधा की जानकारी ली तथा दवाओं की जानकारी ली। एक्सरे कक्ष, लैब, डेंटल कक्ष, बच्चों के वार्ड में जानकर स्टाफ व मरीजों से जानकारी ली। सीएचसी प्रभारी डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवा की हकीकत जानने टीम आयी थी। सभी स्टाफ यूनिफॉर्म में मुस्तैद रहे और सफाई व्यवस्था बेहतर दिखी। करीब एक घण्टे रहने के बाद टीम वापस कुशीनगर के लिए निकल गयी। इस दौरान अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/ जिला क्षय रोग अधिकारी एसएन त्रिपाठी, डीसीपीएम आनन्द पति त्रिपाठी, डीएच आईएमएस अजय प्रकाश त्रिपाठी, डॉ नेहा, डॉ आशुतोष पाण्डेय, डॉ जलज गुप्ता, डॉ सौनक श्रीवास्तव, डॉ युसुफ, डॉ अनामिका, डॉ रीतेश, डॉ आनन्द पाल सिंह, डॉ अमित श्रीवास्तव, लिपिक अमित सिंह, आदि मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गए स्व. राजमंगल पाण्डेय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्व. राजमंगल पाण्डेय की 31 वीं पुण्यतिथि नगर के वार्ड नम्बर 13 राम जानकी नगर स्थित निज आवास राजभवन पर शिद्दत के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया और गणमान्य जनों व पत्रकारों को अंगवस्त्र देकर स्व. पाण्डेय की धर्मपत्नी श्रीमती रमा राज पाण्डेय ने सम्मानित किया। शुक्रवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पीसीसी सदस्य नागेंद्र सिंह, सूचना आयोग अध्यक्ष पंचानंद मिश्रा, ओबीसी प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष तारा यादव, कांग्रेस किसान मोर्चा उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, कांग्रेस महिला मोर्चा जिलाअध्यक्ष वृंदा प्रजापति, नगर अध्यक्ष सीमा भारती, एबीपीएसएस प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह, ब्लाक अध्यक्ष रिंकू देवी आदि ने स्व. पाण्डेय के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने स्व. पाण्डेय के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महान राजनेता, कुशल शासक, विकास पुरुष बताया और कहा कि पूर्वांचल के विकास में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रमा राज पाण्डेय ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि अपने पति के पद चिन्हों पर चलते हुए कुशीनगर की जनता की सेवा के लिए समर्पित हूँ। इस दौरान केडी सिंह, पारस नाथ मिश्रा, पूर्व जिपंस आनन्द सिंह, सदा शिव मणि त्रिपाठी, गोंविन्द सिंह पटेल, प्रमिला देवी, लक्ष्मी देवी, संजू देवी, प्रभावती, ज्ञानती, लालमति सहित सैकड़ों लोगों ने स्व पाण्डेय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।

एलयू में ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ज्ञानू को किया गया याद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष,वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता अतुल कुमार अंजान एवं पूर्व जूला सुभाष मौर्य के निधन पर छात्रों ने शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी

लखनऊ। लविवि स्थित छात्रसंघ भवन पर पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष स्मृतिशेष श्रद्धेय ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह''ज्ञानू ''की पुण्यतिथि मनाई गई, पुण्यतिथि के अवसर पर पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी /वरिष्ठ और वर्तमान छात्रों व शिक्षकों, कर्मचारियों व डिग्री कालेजों के छात्रों/शिक्षकों ने पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी और अपने विचार । संस्मरण साझा किए। पुण्यतिथि के अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष एवं देश के वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता स्वर्गीय अतुल अंजान, एवं विश्वविद्यालय छात्रसंघ के जूनियर लाइब्रियन (जू.ला.) रहे स्व .सुभाष मौर्य जी को निधन पर श्रद्धांजलि दी गई, और 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई । कार्यक्रम का आयोजन पूर्व महामंत्री ल.वि.वि. छात्रसंघ अनिल सिंह बीरू ने किया और संचालन वरिष्ठ छात्रनेता एवं प्रदेश प्रवक्ता कांग्रेस अंशू अवस्थी ने किया, कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापित कर छात्रसंघ समन्वयक ल.वि.वि. के प्रो. महेंद्र अग्निहोत्री ने किया।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचालक अंशू अवस्थी ने बताया कि स्व.ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ज्ञानू लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ के उपाध्यक्ष रहे और हमेशा छात्रहितों के लिए संघर्षशील रहे, आज विश्वविद्यालय ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह''ज्ञानू'' को उनकी 33वीं पुण्यतिथि पर, लखनऊ विश्वविद्यालय एलुमनाई व हबीबुल्लाह छात्रावास एलुमनाई फाउंडेशन श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है, और उनके द्वारा छात्रहितों के लिए गए कामों को याद कर रहा है और स्व.'' ज्ञानू '' के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है,इस अवसर विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के छात्रसंघ पदाधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों, पुरातन/वर्तमान छात्रों एवं छात्र नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर अपनी श्रद्धांजलि दी और अपने विचार रखे व वरिष्ठ छात्रों और उनके समकालीन साथियों ने अपने संस्मरण सुनाये,और छात्रसंघ के महत्व पर बल दिया और छात्रसंघ चुनाव कराने को लेकर भी अपनी चिंता और प्रतिबद्धता दोहराई । संज्ञान रहे कि ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ''ज्ञानू '' वर्ष 1990-91में लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ के उपाध्यक्ष रहे और शिक्षा ग्रहण करने के दौरान हबीबुल्लाह छात्रावास के अंतावासी रहे थे। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ प्रांगण में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व अध्यक्ष छात्रसंघ(1965),पूर्व मंत्री श्री सत्यदेव त्रिपाठी ने छात्रसंघ के गौरवशाली इतिहास को बताते हुए नए छात्रों को प्रेरणा लेने के लिए कहा और अपने समय के संस्कारों को याद करते हुए उन्होंने छात्रसंघ के महत्वता के बारे में अवगत कराया , और छात्रसंघ चुनाव के लिए अपना सहयोग देने का वादा किया। शिया कालेज के छात्रसंघ अध्यक्ष(1957)रहे और विश्वद्यालय की छात्र राजनीति में सक्रिय रहे वरिष्ठ नेता अमीर हैदर चचा ने भी अपने अनुभव सुनाए। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष नीरज जैन, मनोज तिवारी, व उपाध्यक्ष अल्पना बाजपेई, ने ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू के समय के छात्रहितों में किए गए आंदोलनों एवं कार्यों को विस्तार पूर्वक साझा किया।

75वें संविधान दिवस पर दो दिवसीय आयोजन की रूपरेखा तय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ में 75 वें संविधान दिवस के अवसर पर 26 एवं 27 नवम्बर 2024 को दो दिवसीय कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया है । इस आयोजन में देश-विदेश के प्रख्यात विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे ।

उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ के संस्थापक निदेशक डॉ0 जी0के0 गोस्वामी ने आज प्रेस को सम्बोधित करते हुए बताया कि 75वें संविधान दिवस के अवसर पर 26 एवं 27 नवम्बर 2024 को दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन संस्थान द्वारा किया गया है जिसमें देश विदेश से फॉरेंसिक साईंस से सम्बन्धित विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे, उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय आयोजन का शुभारम्भ मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 के कर कमलों से किया जायेगा । इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी संस्थान में निर्मित 800 सीटर भव्य आडिटोरियम का उदघाटन एवं यूपीएसआईएफएस, लखनऊ की वेबसाइट की लांचिग भी करेंगे ।

डॉ0 जी0के0 गोस्वामी ने कहा कि यह संस्थान 50 एकड़ के विस्तार में निर्मित है इस संस्थान की नींव मा0 गृहमंत्री, भारत सरकार, अमित शाह जी के द्वारा मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ जी के गरिमामय उपस्थिति में रखी गयी थी । संस्थान वर्ष 2023-24 में अपने प्रथम शैक्षणिक सत्र को पूर्ण किया है । उन्होंने कहा कि इस अवसर पर संस्थान में वर्ष 2023-24 की प्रथम शैक्षणिक सत्र पूर्ण होने के उपरान्त सत्र में उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किया जायेगा । डॉ0 जी0के0 गोस्वामी ने यह भी बताया कि वर्तमान में संस्थान का द्वितीय शैक्षणिक सत्र 21.08.2024 से प्रारम्भ हो गया है, और इसमें कुल 05 पाठ्यक्रम प्रचलित हैं, एम0एस0सी0 (फॉरेंसिक साईंस- 02 वर्षीय), एल0एल0एम0, बी0टेक0-एम0टेक0, कम्प्यूटर साईंस एण्ड इंजीनियरिंग (05 वर्षीय), एवं बी0एस0सी0 एल0एल0बी0 (05 वर्षीय), इसके अतिरिक्त बी0एस0सी0-एम0सी0 फॉरेंसिक साईंस (05 वर्षीय) पाठ्यक्रम जिसका आरम्भ शैक्षणिक सत्र 2023-24 में किया गया था वर्तमान में प्रचलित है, और पिछले वर्ष में चयनित इस पाठ्यक्रम में 37 छात्र/छात्राएं अपने तृतीय सेमेस्टर में अध्यनरत हैं ।

गोस्वामी ने बताया कि कान्फ्रेंस के प्रथम सत्र में रवि शर्मा, नई दिल्ली, प्रो0 जी0एस0 बाजपेयी, कुलपति, एन0एल0यू0 नई दिल्ली, प्रो0 अमरपाल, कुलपति, प्रो0 जे0पी0 पाण्डेय, कुलपति, अमित शर्मा, एडीजी, डीआरडीओ, बृजेश सिंह, एडीजी, महाराष्ट्र, अरूण मोहन शेरी, आईआईआईटी, लखनऊ, प्रो0 मुकुल शरद, आईआईआईटी0 इलाहाबाद, मिलिन्द राज एवं डॉ0 मधुसूदन रेड्डी, सीडीएफडी, हैदराबाद प्रमुख रूप से विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग करेंगे । उन्होंने बताया कि 27.11.2024 को दूसरे दिवस के समापन सत्र में न्यायमूर्ति, राजेश सिंह चौहान, इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच एवं न्यायमूर्ति राजीव सिंह, इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेन्च, पूर्व पुलिस महानिदेशक, आर0के0 विश्वकर्मा (मुख्य सूचना आयुक्त) एवं उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री, स्वतन्त्र प्रभार असीम अरूण संस्थान के मुख्य अतिथि होंगे ।

युवा प्रतिभा संगम अभिमुख कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज में युवा प्रतिभा संगम द्विदिवसीय कार्यक्रम अभिमुख का शुभारंभ अत्यंत हर्षोल्लास के साथ हुआ अभिमुख कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वर्तमान उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक

का आगमन हुआ। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ0 सुरभि गर्ग कार्यक्रम संयोजिका डॉक्टर रंजीत कौर एवं सहसंयोजीका डॉ0 अंबिका यादव, डॉ0 प्रियंका पांडेय तथा डॉ0 शिवानी शुक्ला उपस्थिति रहीं । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 सुरभि गर्ग द्वारा सरस्वती जी के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन ,माल्या अर्पण व दैनिक प्रार्थना 'देहि शिवा वर मोहै' से हुआ साथ ही प्राचार्या ने सभी सम्मानित अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेट स्वरूप देकर उनका स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने वार्षिकोत्सव के शुभ अवसर पर प्राचार्या ,समस्त शिक्षकगण एवं छात्राओं को को बधाई देते हुए कहा कि गुरु नानक जी के नाम पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यह महाविद्यालय विगत कई दशकों से शिक्षा का समुचित केंद्र बना है। बच्चियों की शिक्षा के लिए आसपास इससे बेहतर कोई शिक्षा का केंद्र नहीं है मैनेजमेंट के साथ र्प्राचार्या एवं शिक्षकों को बहुत-बहुत साधुवाद तथा बधाई भी प्रेषित की । छात्राओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मन लगाकर पढ़ो आपको आगे बढ़ाना है कोई भी चुनौती हो स्वीकार करो परंतु अपने लक्ष्य को ना छोड़ो आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी। इस प्रकार कार्यक्रम को गतिशीलता देते हुए स्टेज पर वाद विवाद प्रतिय?गिता प्रारंभ हुई जिसमें जज के रूप में अर्चना त्रिपाठी डिपार्मेंट आफ वेस्टर्न हिस्ट्री लखनऊ यूनिवर्सिटी उपस्थित रहीं इसके साथ ही ऑफ स्टेज प्रतियोगिताएं शुरू हुई जिनमें निर्णायक मंडली के रूप में डॉ रश्मि चौधरी दिन स्टूडेंट वेलफ़ेयर जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट डॉ किरण लता डंगवाल दिन का एजुकेशन यूनिवर्सिटी ऑफ़ लखनऊ प्रोफ़ेसर विभावरी सिंह कॉलेज ऑफ़ फाइन आर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ़ लखनऊ उपस्थित हुई । सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया ।

उपजाऊ खेत को तालाब बनाते जा रहे खनन माफिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। तहसील व कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र में खनन माफिया के हौंसले काफी बुलंद हैं।यहां स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से दिनों रात जमकर बड़े पैमाने पर अवैध खनन लगातार जारी है।क्षेत्र में खनन माफिया का बोलबाला होने के साथ ही अवैध खनन का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है।खनन माफिया में प्रशासन का कोई भय नहीं दिख रहा है और डीएम के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।इस संबंध में सोशल मीडिया पर आये दिन वीडियो,फोटो भी वायरल हो रहे हैं।आपको बता दें कि तहसील कर्नलगंज क्षेत्र में रेलवे के नाम पर तेजी से बड़े पैमाने पर अवैध खनन का कारोबार तेजी से फल फूल रहा है।यहां उच्चाधिकारियों के आदेशों को ताख पर रखकर लगातार मिट्टी

खनन किया जा रहा है और इसे क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर बिक्री किया जा रहा है। वहीं? जिम्मेदार आला अधिकारी सब कुछ जानते हुए तमाशबीन बने हुए है।यही नहीं इसमें कारोबारी विभाग की मिलीभगत से ना सिर्फ रायल्टी की चोरी कर रहे है बल्कि सरकारी राजस्व को भी काफी नुक़सान पहुंचा रहे हैं।ताज़ा मामला कर्नलगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम बसालत पुर में सामने आया है।जहां बड़े पैमाने पर मिट्टी खनन किया गया है।बेखौफ खनन माफिया रात के अंधेरे में जेसीबी मशीन,डंफर समेत अन्य माध्यमों का इस्तेमाल करके जमीनों को तालाब में तब्दील कर रहे हैं,इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि यह मिट्टी खनन का अवैध कारोबार ग्राम बसालतपुर के साथ ही पहाड़ापुर, बसेहिया,हीरापुर, गज्जू पुरवा, सहित कई गांवों में अवैध खनन दिन-रात धड़ल्ले से होता देखा जा सकता है। यही नहीं मिट्टी भरे डंफर व ट्रैक्टर ट्राली विभिन्न सड़कों पर फर्राटा भरते हुए अवैध खनन की खुद बखुद गवाही दे रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो इस तरह के अवैध खनन के खेल में सबसे अहम भूमिका खनन विभाग व स्थानीय प्रशासन की होती है। विभाग की अनुमति या उनके संरक्षण के बिना यह संभव ही नहीं है।इसके लिए बाका यदा सरकारी सिस्टम में जुड़ा एक गिरोह काम करता है। जो पुलिस व राजस्व विभाग से लेकर खनन विभाग तक जिम्मेदार अधिकारियों,कर्मचारियों से सेटिंग गेटिंग का काम करता है। कर्नलगंज क्षेत्र में रात के अंधेरे में कई गांवों में बड़े पैमाने पर मिट्टी खनन कर विभिन्न स्थानों पर मिट्टी बिक्री कर गिराई जा रही है। ऐसे में खनन माफिया खनिज संपदा के साथ-साथ राजस्व को चूना लगा रहे हैं तो वहीं पर्यावरण को भी प्रदूषित करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी जा यही है।बताते चलें कि इस अवैध मिट्टी खनन के कारोबार के चलते रात दिन दौड़ने वाले डंफर व ट्रैक्टर ट्राली से सड़कें भी बर्बाद हो रही हैं। आसपास के ग्रामीण भी इन वाहनों के शोर व धूल से काफी परेशान हो चुके हैं।वही खनन की जानकारी खनन अधिकारी से लेने की कोशिश की गईं तो उनका फोन नहीं मिला।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि लायेगा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सड़के रीढ़ का काम करती है। सड़कों के निर्माण होने से सम्बन्धित क्षेत्र का विकास बड़ी तेजी के साथ होता है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र उत्तर प्रदेश का ऐसा क्षेत्र रहा है, जहाँ त्वरित आवागमन का अभाव रहा है। पथरीला क्षेत्र होने के कारण क्षेत्र वासियों को कई तरह की कठिनाई आती थी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुन्देलखण्ड के विकास के लिए विशेष पैकेज दिये और इस क्षेत्र में सिंचाई के लिए जहाँ बाधों, नलकूपों व तालाबों का निर्माण कराया है. वहीं पेयजल परियोजनायें पूर्ण कर ग्रामवासियों को जल आपूर्ति की जा रही है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सर्वागीण विकास के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराना प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड वासियों को बहुत बड़ा तोहफा दिया गया है, जिसे उस क्षेत्र की आने वाली पीढ़ी सदैव याद रखेगी। यह एक्सप्रेस-वे बुन्देलखण्ड के जनपद चित्रकूट, बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन से गुजरते हुए औरैया व जनपद इटावा में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे में जुड़ जाता है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे विकास का पहियाः- प्रदेश सरकार बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है। बुन्देलखण्ड वासियों की हर क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि और विकास करना सरकार का ध्येय है। इस क्षेत्र के विकास के लिए जितना ध्यान वर्तमान सरकार ने दिया है. उत्तना पूर्व में किसी ने नही दिया। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण का शुभारम्भ एवं लोकार्पण भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। यह एक्सप्रेस-वे 296 किमी लम्बा है। यह जनपद चित्रकूट बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया होते हुए इटावा जनपद में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे में मिलता है। अभी यह फोर लेन का होगा जिसे आगे चलकर 6 लेन भी बनाया जायेगा। इसमें चार रेलवे ओवर ब्रिज, 14 बडेपुल, सात रैम्प प्लाजा, 268 छोटेपुल, 18 फ्लाई ओवर और 214 अन्डरपास बनें है। इस एक्सप्रेस-वे को समयान्तर्गत पूर्ण कर लिया गया है। इस एक्सप्रेस वे के बनने से बुन्देलखण्ड के 138 ग्राम और औरैया व इटावा के 44 ग्रामों का सीधा जुड़ाव हो गया है। किसानों का हो रहा है फायदाः- बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के बनने से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के किसानों को लाभ मिल रहा है। किसानों को उनकी उपज की फसलें मण्डियों तक पहुँचाने में शीघ्रता हो रही है। स्थानीय फसल, फल, फूल, सब्जियों, दूध आदि जल्द खराब होने वाली फसलों को बाजारों, मण्डियों तक पहुँचने में शीघ्रता और ताजी होने पर सही मूल्य भी मिल रहा है। यदि किसान अपनी उपज को बाहर की मण्डियों, शहरों में बेचना चाहेगा तो उसका भी उसे फायदा मिलेगा। किसानों को खेती किसानी करने के लिए आवश्यक बीज, खाद आदि भी समय से मिलते रहेगें। किसानों को उनकी फसल का वाजिब मूल्य मिलने से उनकी आय में बढ़ोत्तरी हो रही है।

सीडीओ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला पर्यावरण समिति की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । बृहस्पतिवार को देर शाम विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण, वृक्षारोपण एवं जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पर्यावरण, वृक्षारोपण एवं जनपद में बहने वाली सरयू नदी के संवर्धन एवं संरक्षण हेतु निर्धारित बिंदुओं पर व्यापक चर्चा की गई। सीडीओ द्वारा सभी विभागों से वर्ष 2024-25 की भांति वर्ष 2025-26 में भी वृक्षारोपण के लक्ष्यो के सापेक्ष स्थल चयन की कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। सीडीओ श्री चन्द्र द्वारा जिला गंगा प्लान, फाइटोरिमेडियेशन प्लान एवं डीपीओ की नियुक्ति से सम्बन्धित कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक का संचालन प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कैसरगंज, डीसी मनरेगा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अधिशासी अभियंता सरयू नहर खंड 5, जिला विद्यालय निरीक्षक, पुलिस, पर्यावरण, नगर विकास, पंचायती राज, ऊर्जा, प्राविधिक शिक्षा सहित अन्य विभागो के जिला स्तरीय अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

निवारक सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । गत दिवस लेज़र रिसोर्ट बहराइच में निवारक सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कॉरपोरेट कार्यालय चेन्नई के मुख्य सतर्कता अधिकारी विशेष कुमार श्रीवास्तव द्वारा इण्डियन बैंक के सभी शाखा प्रबंधक और अंचल कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी को संबोधित किया गया। श्री श्रीवास्तव जी इण्डियन बैंक में मई 2022 से मुख्य सतर्कता अधिकारी है इससे पूर्व वह ग्रुप चीफ कंप्लायंस ऑफिसर थे। उन्होने उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को बैंक में कार्य करते समय सर्तक रहने को बताया। बैंक का धन, लोकधन है और बैंकर की जिम्मेदारी है कि इसकी सुरक्षा

सदैव करें तथा जनता का विश्वास अवश्य बनाए रखें तथा किस-किस तरह की फॉड हो सकता है उस पर चर्चा की और बचने के तरीके बताते हुए सतर्कता से कार्य करने हेतु समझाया। बैंकों में घटने वाली फॉड से बचने के तरीके बताए तथा कार्य का सम्पादन निष्पक्ष एवं नियमानुसार करने का गुण बताया।

इण्डियन बैंक के अंचल प्रमुख कृष्ण कुमार साहू ने भी बैंक में होने वाले फॉड, जो ज्यादातर खाता खुलाना, एटीएम जारी करना, मोबाइल नं. अपडेट करने से संबंधित रहता है आदि पर चर्चा करते हुए सभी को सर्तक रहने के लिए बताया। अन्त में उप अंचल प्रमुख निरंजन कुमार ने मुख्य सतर्कता अधिकारी विशेष कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रमुख कृष्ण कुमार साहू एवं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गोष्ठी में प्राप्त जानकारी का सदुपयोग करने का आहवान किया।

डीएम ने पराली नहीं जलाने की अपील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने किसानों को पराली तथा फसलों के अवशेष जलाने से पर्यावरण को होने वाले नुकसान से अवगत कराते हुए पराली नहीं जलाने की अपील की है।शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट क्र जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सभी किसान भाइयों और बहनों से सोशल मिडिया पर कहाँ है कि पराली जलाना न सिर्फ हमारी मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को कम करता है, बल्कि हमारे पर्यावरण और सेहत पर भी बुरा असर डालता है। पराली जलाने से बचें और इसका बेहतर प्रबंधन करें: पराली से जैविक खाद बनाएं मल्चिंग या बायोगैस निर्माण के लिए इसका उपयोग करें। आधुनिक मशीनों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं आपकी छोटी सी कोशिश बड़ा बदलाव ला सकती है। साफ हवा, उपजाऊ भूमि और स्वस्थ समाज के लिए एक कदम उठाएं।

करुवापारा गाँव में एक साल से ग्रामीणों को नहीं मिल रहा शुद्ध पानी, जिम्मेदार मौन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के इटियाथोक ब्लॉक के करुवापारा गांव में सरकार के जल जीवन मिशन की पोल खुलती नजर आ रही है।करीब 98.17 लाख रुपए की लागत से बनी पानी टंकी पिछले एक साल से बंद पड़ी है।ग्रामीणों का आरोप है कि तेज बिजली आने से पानी टंकी की मोटर जल गई था जिसकी सूचना अधिकारियों को कई बार दी गई थी लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।वही करुवापारा गांव के 341 घरों को इस टंकी से पानी की आपूर्ति होनी थी,लेकिन पिछले साल से बंद पड़ी इस टंकी के चलते ग्रामीण अपने घरों में लगे निजी हैंडपंप और नलों से काम चला रहे हैं।शुद्ध पेयजल के अभाव में लोग डायरिया,पेट दर्द और अन्य बीमारियों से परेशान हैं।वही गांव के लोगों ने जल निगम विभाग और पंचायत अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई

लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया है।पानी टंकी के ऑपरेटर ने भी खराब मोटर को ठीक कराने के लिए लिखित शिकायतें दीं थी लेकिन सभी प्रयास नाकाम रहे।

वर्ष 2016 में बनी थी टंकी,2017 में हुआ था उद्घाटन

तत्कालीन सपा सरकार के कार्यकाल में करुवापारा को गोंडा जिले की पहली ग्राम पंचायत के तौर पर जल जीवन मिशन का लाभ मिला मिला था,98.17 लाख की लागत से बनी यह पानी टंकी 2016 में तैयार हुई और 2017 में योगी सरकार के कार्यकाल में चालू की गई।कई सालों तक गांव वालों को शुद्ध पेयजल मिला,लेकिन अब बीते एक वर्ष से यह सुविधा पूरी तरह ठप है।वही जब जल निगम विभाग के एक्सईएन से मामले पर बात की गई,तो उन्होंने टंकी को ग्राम पंचायत को हैंडओवर करने की बात कही। उन्होंने बताया, कि ''जेई को जांच के लिए भेजा गया है। प्रधान से बात कर पूरे मामले की रिपोर्ट मंगाई जा रही है और जल्द ही खराब मोटर को ठीक करवाकर पानी की आपूर्ति बहाल की जाएगी।

गांव वालों की मांग – जल्द हो समाधान

वही ग्रामीणों का कहना है कि सरकार को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए।शुद्ध पेयजल हर नागरिक का अधिकार है।पानी टंकी को ठीक न करवाने से मिशन का उद्देश्य ही विफल हो रहा है।गांव के लोग अब जिला प्रशासन और जल निगम विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

कॉपी–कलम वाले हाथों में भीख का कटोरा

गोण्डा कैनविज टाइम्स संवाददाता । जिले मोतीगंज थाना क्षेत्र के रेलवे क्रॉसिंग हो या फिर शहर का बाजार,हर जगह छोटे–छोटे बच्चे हाथों में कटोरा लेकर भीख मांगते नजर आ जाएंगे.बच्चों के लिए बहुत सी योजनाएं भी संचालित हो रही हैं,इसके बावजूद उन्हें पढ़ाई लिखाई छोड़कर लोगों के सामने हाथ फैलाना पड़ रहा है।इस पांच साल के बच्चे के हाथ में कटोरे की जगह स्कूल बैग होना चाहिए लेकिन ऐसा हो नहीं रहा, जबकि सरकार ये दावा करती है कि आज के बच्चे कल का भविष्य हैं और उन्हें स्कूल तक पहुंचाने के लिए आंगनबाड़ी में पूरक पोषण आहार से लेकर स्कूलों में मिड डे मील तक दिया जा रहा है इसके बाबजूद भी के इस बच्चे के हाथ में कटोरा है।बच्चों के अधिकार के लिए काम करने वाले एक व समाजसेवी का कहना है कि निश्चित ही ये समाज के लिए चिंता का विषय है और बच्चों को किस वजह से भीख मंगवाई जा रही है, इस पर शोध किया जा सकता है कहीं इसके पीछे कोई गिरोह तो सक्रिय नहीं है या फिर मां–बाप ही बिना मेहनत की कमाई के लोभ में इन बच्चों को इस दलदल में धकेल रहे हैं।वही सरकारी योजनाओं के तहत महिला एवं बाल विकास की जिम्मे दारी है कि वह सबसे पहले आंगनबाड़ी में इन बच्चों का एडमिशन कराए जबकि बाल कल्याण समिति की जवाबदारी है कि भिक्षा मांगने वाले बच्चों का रेस्क्यू करे, उनके पालकों की काउंसलिंग करे और बच्चों के हाथ से कटोरा छीनकर उन्हें कॉपी–किताब और कलम पकड़ाए. साथ ही जिन बच्चों के मां–बाप नहीं हैं,उन बच्चों को किसी ऐसे पालक के सुपुर्द करे और हर माह दो हजार रुपए की मदद करे,ताकि उन बच्चों को सही दिशा मिल सके और वे बच्चे देश का बेहतर भविष्य बन सकें।

15 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए आवेदन की अन्तिम तिथि 29 नवम्बर

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता । उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा ने बताया कि उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय उ.प्र, कानपुर द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार स्थापित करने में उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2024–25 अन्तर्गत उद्यमिता विकास संस्थान, सरोजनी नगर, लखनऊ द्वारा आयोजित 15 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए इच्छुक पुरूष एवं महिला अभ्यर्थी 29 नवम्बर 2024 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि अभ्यर्थी की शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण तथा आयु सीमा 18 से 40 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। प्रशिक्षणार्थियों का चयन साक्षात्कार के आधार पर किया जायेगा। चयन हेतु 30 नवम्बर 2024 को जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, बहराइच में साक्षात्कार आयोजित किया जायेगा। साक्षात्कार हेतु आवेदक को अपनी शैक्षिक योग्यता एवं अन्य प्रपत्रों के साथ पूर्वान्ह 11.00 बजे उपस्थित होना होगा। श्री वर्मा ने बताया कि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को जाति प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर चयन में वरीयता प्रदान की जायेगी। आवेदन पत्र किसी भी दिन कार्यालय कार्य दिवस में प्रस्तुत किये जा सकते है।

राजकीय स्वर्ण जयन्ती पौधशाला, बभनी पर उपलब्ध हैं सब्जी बेहन पौध

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता । जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि जनपद बहराइच के कृषकों को सब्जी बेहन पौध सुगमतापूर्वक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उ.प्र., लखनऊ द्वारा राजकीय स्वर्ण जयन्ती पौधशाला, बभनी, बहराइच स्थित ''मिनी सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स'' पर रोगमुक्त व स्वस्थ्य शाकभाजी पौध उपलब्ध हैं। इच्छुक कृषक उत्पादित बेहन पौध रू. 2/प्रति पौध की दर से प्राप्त कर बेमौसम शाकभाजी उत्पादित कर कृषि को अपनी मुख्य आय का साधन बना सकते हैं। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि क्सीलेन्स नर्सरी में किसान अपना बीज देकर रू.–1/प्रति पौधा शुल्क जमा कर पौध भी उत्पादित करा सकते हैं। यह पौधे राजकीय स्वर्ण जयन्ती पौधशाला, बभनी, बहराइच पर कभी भी प्राप्त किये जा सकते है। किसी प्रकार की जानकारी के लिए पौधशाला प्रभारी, मंजीत सिंह के मो.न. 7388046768 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

28 नवम्बर को महिला महाविद्यालय में आयोजित होगा युवा उत्सव

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय विकास दल अधिकारी प्राची पंवार ने बताया कि युवा कल्याण एंव प्रान्तीय रक्षक दल/विकास दल उ.प्र. के महानिदेशक एवं मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र के निर्देश पर युवा कल्याण विभाग द्वारा 28 नवम्बर 2024 को महिला महाविद्यालय में जनपद स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम (युवा उत्सव) एवं विज्ञान मेले का आयोजन किया जायेगा। जिसमें संस्कृति सत्र अन्तर्गत लोक नृत्य, समूह लोकगीत, एकल लोक नृत्य एवं एकल लोक गीत तथा जीशन कौशल सत्र अन्तर्गत कविता, कहानी लेखन, चित्रकारी एवं भाषण विधाओं में इच्छुक कलाकार जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच है, प्रतिभाग कर सकते हैं। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि 28 नवम्बर 2024 को महिला महाविद्यालय में आयोजित जनपद स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम (युवा उत्सव) के अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार विषय पर विज्ञान मेले का आयोजन किया गया है। सुश्री पंवार ने बताया कि युवा उत्सव में प्रतिभाग करने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक तथा शैक्षणिक संस्थाओं एवं विद्यालयों से पत्राचार किया गया है।

सीडीओ मैम झंझरी ब्लॉक के गाँव छाछपारा मुतवल्ली और छाछपारा कानूनगो में मनरेगा में गड़बड़ झाला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। मोदी और योगी सरकार एक तरफ भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और जिरोटालरेंस की निति पर काम करने की बात कर रहे वहीं दूसरी तरफ गोण्डा जिले में कार्यरत जिम्मेदार अधिकारियों के चलते केंद्र सरकार की महत्वा कांक्षी मनरेगा योजना जमीनी धरातल पर उतरने से पहले ही भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ रही है।गांव के मजदूरों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कर मजदूरों को दूसरे प्रदेश में पलायन से रोकने के लिए चलाई जा रही मनरेगा योजना

झंझरी ब्लॉक के ग्राम पंचायत छाछपारा मुतवल्ली और छाछपारा कानूनगो में जिम्मेदारों के चलते भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ गई है।ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक,तकनीकी सहायक, पंचायत सचिव ह्लब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसरङ्क (खंड विकास अधिकारी)जिनके द्वारा इस योजना में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।झंझरी ब्लॉक के गांवों में मनरेगा योजना में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है जब इसकी जमीन स्तर पर पड़ताल की गई तो मनरेगा

फर्जीवाड़ा : मनरेगा में लूट की मिली छूट,रोजगार सेवक लगा रहें मजदूरों की फर्जी हाजिरी,जिम्मेदार अधिकारियों की के जानकारी में किया जा रहा भ्रष्टाचार

योजना में हो रही भ्रष्टाचार की कलई परत दर परत खुलकर सामने आने लगी है जो गांव में कभी साइड पर नहीं जाते हैं उनके नाम से साइड पर कार्य करते हुए आनलाइन मास्टरोल में हाजिरी लगा दी जाती है और छाछपारा मुतवल्ली में तो नाबालिक के हाथ में फायदा थमा दिया जाता है मनरेगा का वही ग्राम पंचायत में नियुक्त तकनीकी सहायक द्वारा बिना साइड पर गए एमबी कर दी जाती हैं, सूत्र बता रहे है कहीं - कहीं तो मजदूरों के खाते में पैसे भेज कर निकलवा लिया जाता है जिसमें दो चार सौ रुपए उन मजदूरों को पैसे दे दिए जाते है,जिनको मनरेगा मजदूर बनाया गया और वो कभी साइड पर नहीं जाते हैं।सूत्र बता रहे है कि मनरेगा योजना से हो रहें कार्यों में कहीं भी

कार्य स्थल कार्य शुरू होने और समाप्ति तक डिस्पले बोर्ड नहीं लगता है डिस्पले बोर्ड तब लगाया जाता जब उस परियोजना का कागज़ी आंकड़ों में काम होकर पेमेंट हो जाता है ताकि ग्रामीणों को इसकी जानकारी न होने पाएं की इस सड़क पर मिट्टी कार्य कार्य हो रहा और कितने मजदूर काम कर रहें हैं और कितने मजदूरों का फर्जी हाजिरी लगाकर पेमेंट कराया जा रहा है इसमें सबसे बड़ी समस्या उन मजदूरों को हो रही जो वास्तविक मजदूर हैं और उनको रोजगार नहीं मिल पा रहा है इस समय मनरेगा योजना में सरकारी धन का बंदरबाट खूब हो रहा है।

मनरेगा योजना में हो रहे भ्रष्टाचार का जिम्मेदार कौन..?

इसमें सबसे बड़ा जिम्मेदार ग्राम पंचायत में नियुक्त तकनीकी सहायक हैं,जो पहले ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तावित कार्य पर स्टीमेट बनाता हैं उसके बाद रोजगार सेवक की जिम्मेदारी होती हैं वह स्टीमेट बने कार्य के साइड पर कार्य कराकर हाजिरी लगाने की है,उसमें रोजगार सेवक द्वारा कागजों में प्रस्तावित कार्य पर बिना कार्य कराए फर्जी मनरेगा मजदूरों की हाजिरी लगाना शुरू करता है,जो कभी भी मनरेगा योजना से हो रहें साइड पर कार्य करने नहीं जाते केवल वह कागज़ी आंकड़ों में मजदूरी करते है।ग्राम पंचायत छाछपारा मुतवल्ली में जबकि धरातल पर छाछपारा मुतवल्ली में मौके पर किसी दिन चार मस्टर रोल चल रहा है तो किसी दिन तीन मस्टर रोल चल रहा है कभी 31 तो कभी 21 मौके पर काम करते हुए दिखाया गया है।लेकिन धरातल पर सिर्फ सात मजदूर ही काम करते दिखाई दे रहे हैं।तो वहीं जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों में मस्टर रोल वाली जगह पर मनरेगा कार्य का कोई बोर्ड नहीं लगा हुआ है।यह फर्जीवाड़ा पंचायत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से किया जा रहा है।उन्ही का फोटो भी हर साइडों पर अपलोड रहता जबकि कुछ ग्राम पंचायतों में रोजाना साइडों हर दिन 70 से लेकर 85-90 मजदूरों की हाजिरी लगती है इस तरह सरकारी धन का बंदरबाट मनरेगा योजना में जमकर हो रहा है।

मोबाइल मानरीटिंग सिस्टम से खुल रही भ्रष्टाचार की पोल

अगर उच्च अधिकारी किसी भी मनरेगा योजना से हुए पेमेंट का स्थलीय निरीक्षण कर जांच कर लें तो मनरेगा में हुए भ्रष्टाचार का पोल परत-दर-परत खुल जायेगी मिट्टी कार्य में स्टीमेट के अनुसार कितने फिट मिट्टी की भराई सड़क पर हुई हैं मेजरमेंट कर दिया जाए तो उनके कारनामे सामने आ जाएगा, लेकिन उच्च अधिकारी भी मौन साधे हुए हैं,जिनके जिम्मे सरकार के योजनाओं को जमीनी धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी है. अब देखना यह है की मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार कब तक रूकता हैं या इसी तरह भ्रष्टाचार बेलगाम ब सरकारी खजाने को खाली करता रहता है।

श्रीरामचरित मानस कल्पवृक्ष के समान है : शान्तनु जी महाराज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

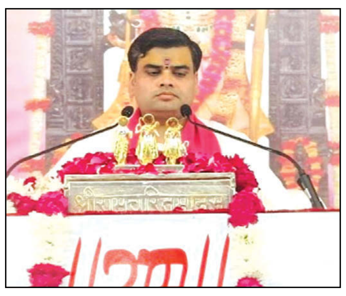

तिलोई अमेठी। क्षेत्र के कस्बा तिलोई स्थित आरबीएस इण्टर कालेज के प्रांगण में आयोजित श्रीराम कथा के प्रथम दिवस पर पूज्य आचार्य शान्तनु जी महाराज ने कहा कि भगवान की असीम कृपा से ही हम सब सन्मार्ग की ओर प्रेरित होते है माता पार्वती के शंका समाधान करते हुये महादेव ने बताया कि देवी ईश्वर सगुण भी है और निर्गुण भी भक्त जिस रूप में चाहता है प्रभु उसी रूप में भक्तों को दर्शन देते है।मानस की महिमा बताते हुये कथा वाचक आचार्य शान्तनु जी महाराज ने कहा कि ये रामायण कल्पबृक्ष के समान है इसको गाने वाला जो चाहता है वो उसको मिलता है परंतु शर्त है कि इसे निर्मल मन से गाया जाय। कथा वाचक आचार्य शान्तनु जी महाराज ने कहा कि शिव और पार्वती श्रद्धा और विश्वास के प्रतीक है इसीलिये रामकथा में पहले शिव और पार्वती की कथा है पूज्य महाराज जी ने भगवान शिव की बारात का दर्शन कराते हुये कहा कि उनकी बारात में भूत प्रेत भी शामिल थे परंतु वे भी बहुत ही संयमित थे परांठे आज की क्या स्थिति है हम सब को इस पर विचार करना चाहिये इसके साथ ही साथ महाराज जी ने समाज मे व्याप्त अनेक कुरीतियो पर कुठाराघात किया। श्रीराम कथा में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने यजमान के साथ आरती पूजन करते हुये कथा वाचक आचार्य शान्तनु जी महाराज और उनकी पूरी टीम का फूल मालाओं से स्वागत कर अंगवस्त्र भेंट किया। कथा वाचक आचार्य शान्तनु जी महाराज ने आयोजन समिति के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र भेंट किया। श्रीराम कथा के प्रथम दिन प्रसाद वितरण की व्यवस्था सिंह फ्रूट कम्पनी के चेयरमैन डब्बू सिंह द्वारा की गई थी।इस मौके पर कुंवर मृगांकेश्वर शरण सिंह,ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, उत्कर्ष शरण सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह,सीएमओ डॉ अंशुमान सिंह, उपजिलाधिकारी अमित सिंह, सीओ अजय कुमार सिंह, डॉ. वीरेन्द्र प्रताप सिंह,वीरेन्द्र तिवारी, राजेन्द्र बहादुर सिंह,धर्मेश कुमार मिश्रा, अवनींद्र सिंह, रमेश सिंह,सत्येन्द्र तिवारी, ओंकार पाण्डेय, विकास सिंह,अनुज शुक्ला, सुरेन्द्र नाथ पाण्डेय, दया शंकर तिवारी, कौशलेंद्र सिंह, शिरीष गुप्ता, डब्बू सिंह, ध्रुवराज पासी, विनोद कुमार मौर्या सहित अन्य तमाम ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ ही अन्य तमाम सम्भ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

सयुस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने अनाथ आश्रम में अपनी टीम के साथ पहुंचकर मनाई जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाल मंदित ग्रह मे बच्चों को गर्म वस्त्र एवं खाद सामग्री वितरण कर मनाई सपा नेता राजू ने अनोखी तरह से सपा सस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जयंती

पूरनपुर। सपा नेता एवं सयुस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार ''राजू'' ने विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर के बड़ी नहर के समीप स्थित आश्रम में पहुंचकर सपा के संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री,रक्षामंत्री रहें स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जन्म जयंती शुक्रवार को बाल मंदित ग्रह मे बच्चों को को गर्म वस्त्र एवं खाद वितरण कर सपा के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति मे मनाई गई।इस अवसर पर नेता जी को याद करते हुए सपा नेता राजकुमार''राजू'' ने कहा ''आज नेता जी मुलायम सिंह यादव जी की जयंती पर हम सबके दिल भारी है। आप केवल एक नाम नहीं हैं।बल्कि संघर्ष, सादगी और समाजवाद का जीता-जागता उदाहरण थे।आपने हमेशा गरीब, किसान,मजदूर, और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। आपके नेतृत्व ने समाज को दिशा दी और राजनीति को इंसानियत के करीब लाने का काम किया।आपकी विचारधारा ने एक ऐसा समाज बनाने का सपना दिखाया,जहां हर किसी को समान अवसर मिले।आपके स्नेहिल व्यक्तित्व ने लाखों दिलों को छुआ और आप हमारे लिए सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि परिवार के मुखिया जैसे थे। पूर्व सपा जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव ने कहा की ''आप भले ही शारीरिक रूप से हमारे साथ नहीं हैं।लेकिन आपकी विचारधारा और संघर्ष हमेशा हमारे साथ रहेंगे।आपके दिखाए रास्ते पर चलकर हम आपके सपनों के भारत को साकार करने की कोशिश करेंगे।पूर्व सभासद बसंत भारती ने कहा की ''आपकी जयंती पर,हम प्रण लेते हैं कि आपके आदर्शों और विचारों को हमेशा जीवित रखेंगे नेता जी,आप हमारे दिलों में हमेशा रहेंगे।पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तौफिक खा ने कहा ''राजनीति एवं जीवन का सिद्धान्त निर्धनों की सहायता करने तथा उनकी हर संभव मदद करने का था। आज भी उनके सिद्धान्तों के अनुरूप वस्त्र प्रदान किये गए'' इस दौरान प्रमुख रूप से साजिद अली रज़वी, नदीम हसन, महेश कुमार,सुखजीत सिंह औलख, बलजीत,कुलविन्द्र,तौहीद खा, भुवनेश सिंह आदि सपा कार्यकर्ता उपस्तिथ रहे।

चोरी की पांच मोटर साइकिलों के साथ दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। थाना गौरीगंज पुलिस एवं स्वाट सर्विलांस टीम द्वारा चोरी की कुल पांच मोटरसाइकिलों के साथ दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये दोनों शातिर वाहन चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना गौरीगंज के उप निरीक्षक रमापति मय हमराही एवं स्वाट/सर्विलांस टीम प्रभारी अनूप कुमार सिंह मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन व तलाश वांछित के दौरान सम्पतपुर मोड़ पर मौजूद थे चेकिंग के दौरान बजार प्लेटिना मोटरसाइकिल संख्या यूपी 33 ए डब्ल्यू 1374 पर सवार दो व्यक्ति को रोककर नाम पता पूंछने पर चालक ने अपना नाम सुनील कुमार पुत्र बाबादीन निवासी ग्राम हनुमानगढी मजरे सराय महेशा थाना जायस व पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम अख्तर हुसैन उर्फ राजू पुत्र शौकत अली निवासी सम्पतपुर मजरे गुवावां थाना गौरीगंज जनपद अमेठी बताया।मोटरसाइकिल के कागज मांगने पर दिखा नही सके। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में दोनो व्यक्तियों ने बताया कि यह मोटर साइकिल हम दोनो लोगों ने रायबरेली रेलवे स्टेशन से चोरी किया था।आगे पूंछतांछ में बताया कि हम लोग मोटरसाइकिल चुराकर उनकी नम्बर प्लेट बदलकर बेंच देतें है जिसमें विभिन्न स्थानो से चोरी की हुई चार मोटर साइकिलें गुवांवा मोड़ के पास जर्जर मकान के पीछे छिपाकर रखे है। दोनो व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनकी निशानदेही पर चार मोटरसाइकिल हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल संख्या यूपी 72 एजेड 8286, स्पेलेण्डर प्लस संख्या यूपी 72 बीएन 3415,टीवीएस अपाचे मोटसाइकिल यूपी 72 एपी 3947,बजाज पल्सर मोटरसाइकिल जी जे 03 सीके 1283 बरामद हुई। इस सम्बंध में थाना गौरीगंज पुलिस ने दोनो व्यक्तियों को मौके से ही गिरफ्तार कर मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है।

चेयरमैन और विद्यायक ने किया सीसी रोड निर्माण कार्य का शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। नगर के पकड़िया चौराहे से घुंघचिहाई चौराहे तक सीसी रोड निर्माण के उद्घाटन समारोह में पूरनपुर चेयरमैन शैलेन्द्र

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने स्वयं जेसीबी चलाकर उखाड़ी पुरानी सड़क नए निर्माण की करी शुरुआत उपस्थित रहे कई नागरिक

गुप्ता और विधायक बाबूराम पासवान ने सम्मिलित रूप से विधि विधान से पूजन करवाकर रोड का निर्माण प्रारम्भ करवाया।पूर्व लोक निर्माण विभाग मंत्री,वर्तमान में केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद पीलीभीत जितिन प्रसाद द्वारा इस रोड निर्माण कार्य को पास किया गया था।जिसमें एमएलसी पीलीभीत -शाहजहाँपुर डॉ.सुधीर गुप्ता व जिला उपाध्यक्ष भाजपा प्रफुल्ल मिश्रा का विशेष योगदान रहा हैं।रोड की मौजूदा स्थिति अति गंभीर थी जिसका जनहित में निर्माण कार्य अतिआवश्यक हो गया था। आये दिन जनता द्वारा और समाजसेवियों द्वारा इस रोड निर्माण के मुद्दे को उठाया जाता रहा है। रोड का निर्माण कार्य प्रारम्भ होने से आम जन मानस ने प्रसन्नता जाहिर की है।इस अवसर पर समाजसेवी संदीप खंडेलवाल,अनुज खंडेलवाल, एई एसपी गौतम, जेई संतोष कुमार मौर्या व जमुना प्रसाद,विवेक तिवारी, दुर्वेश कुमार प्रजापति,अमित गुप्ता व अन्य क़ई सम्मानित जन उपस्थित रहे हैं।

नेताजी की जयंती पर वृद्ध आश्रम पहुंचे सपा नेता आनंद सिंह यादव

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी पीलीभीत के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव आनंद सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष,पूर्व मुख्यमंत्री,पूर्व रक्षा मंत्री श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती के अवसर पर पीलीभीत स्थित वृद्धा सेवा आश्रम में वृद्ध जनों को फल बिस्किट सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरित कर आदरणीय नेताजी के जन्म दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया तथा आनंद सिंह यादव ने अपने सबोंधन में आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रचंड बहुमत की सरकार बनाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने व संविधान को बचाने का संकल्प दिलाया।उपरोक्त संकल्प दिवस में समाजवादी पार्टी के जिला सचिव कमलेश कुमार पाल''केके''एड. ,आशीष सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष लोहिया वाहिनी,सुरेश कश्यप पूर्व जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग एवं राजकुमार भोजवाल पूर्व जिला अध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड सहित दर्जन भर कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे हैं।

गन्ना कमिश्नर और जिला गन्ना अधिकारी ने मिलकर गन्ना क्रय केन्द्रो का किया निरीक्षण

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजेश कुमार उप चीनी आयुक्त बरेली द्वारा एलएच चीनी मिल पीलीभीत के गेट एवं वाह्य क्रय केन्द्रो का निरिक्षण किया हैं।क्रय केंद्र पर उपस्थित किसानो से गन्ना तौल एवं गन्ना यातायात के बारे फीडबैक लिया है।निरिक्षण के दौरान ट्रैक्टर ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर भी लगाये गए है।उपचीनी आयुक्त ने कहा कि कोहरे मे दुर्घटना से बचाव हेतु गन्ना दुलाई मे लगे सभी वाहनों पर रिफ्लेक्टर अनिवार्य रूप से लगाए जाये हैं।बिना रिफ्लेक्टर लगे कोई भी वाहन न चलने दिये जाये।निरिक्षण के समय ख़ुशी राम भार्गव जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत,सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति व अन्य लोग उपस्थित रहे हैं।

अवैध खनन रूकने का नहीं ले रहा हैं नाम अधिकारी खनन रोकने में नाकाम, अवैध खनन करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार खनन माफिया प्रशासन को चुनौती देकर मिट्टी खनन करने में जुटे हैं। तहसील प्रशासन की छापेमार कार्रवाई के बाद भी खनन माफिया के होसले बुलंद हैं और वेंधड़क होकर दिन रात मिट्टी खनन कर रहे हैं। मिट्टी चोर प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए अवैध मिट्टी खनन का वीडियो वायरल होने के बाद भी लगातार खनन का कार्य जारी है।मिट्टी खनन करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो लालपुर सिमरिया का बताया जा रहा है।

प्रधान ने कैंप लगवाकर लोगों की निशुल्क आंखों की कराई जांचें

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकासखंड की ग्राम पंचायत पूरनपुर देहात प्रधान प्रतिनिधि मास्टर फैयाज हुसैन ने शुक्रवार को अपने आवास व कार्यालय पर निशुल्क आंखों की जांच कैंप का आयोजन कराया। इस दौरान अपनी ग्राम पंचायत में अनाउंसमेंट कराकर लोगों को जानकारी दी।जिसके चलते 100 से ज्यादा लोगों ने अपनी आंखों की जांच निशुल्क कराई। जिसमे कुछ लोगों की आंखों का ऑपरेशन होने वाला था। उनके ऑपरेशन की व्यवस्था करने के लिए टोकन दिया गया हैं।जिससे उनकी आंखों का निशुल्क आपरेशन किया जाएगा और बाकी लोगों की आंखों की जांच कर उनको निशुल्क दवाइयां का वितरण किया गया है।

तीन प्राथमिक विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिये धनराशि जारी

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षारत बच्चों के पठन पाठन के लिये शासन द्वारा तीन परिषदीय विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिये धनराशि भेज दी गई है।इन तीनों विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण से बच्चों को काफी राहत मिलेगी।बीएसए ने निर्माण प्रभारियों को जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारम्भ किये जाने का निर्देश दिया है। विकास क्षेत्र सिंहपुर के खण्ड शिक्षा अधिकारी हरिओम तिवारी ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय मैंझार, पूरे मोहनलाल व अचलगढ में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिये विद्यालय प्रबंध समिति के खाते में नौ लाख पैंतीस हजार रुपया भेज दिया गया है।इन प्राथमिक विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिये सीमांकन हो गया है और प्रधानाध्यापकों को निर्माण कार्य प्रारम्भ किये जाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखा जायेगा इसमें मनमानी करने वाले लोगों को कतई बख्शा नही जायेगा।

ट्रक की टक्कर से खाई में गिरी टेम्पो चालक की मौत छह सवारियां गंभीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर । पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए एक हादसे में एक ट्रक ने टेम्पो में टक्कर मार दी हादसे में चालक की मौत हो गई व छह सवारी घायल हो गई। जयसिंहपुर कोतवाली के पीढ़ी बिझुरी मार्ग पर परसा गांव के पास ट्रक ने टेम्पो को टक्कर मार दी इसमें चालक समेत सात लोग घायल हो गए राजकीय मेडिकल कॉलेज में चालक को मृत घोषित कर दिया छह लोगो की हालत गंभीर है। जानकारी के मुताबिक कुड़वार थाना के राजापुर गांव निवासी नीतू दूबे शक्ति दूबे आंचल दुबे व जयसिंहपुर कोतवाली के नारायणपुर गांव निवासी अनिल कुमार उज्ज्वल ज्योति जयसिंहपुर कोतवाली के बिझुरी महमूद्पुर गांव में तिलक समारोह में आए थे। शुक्रवार कि सुबह 11बजे एक टेम्पो से सभी घर वापस जा रहे थे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिंक रोड पर परसा गांव के पास पीढ़ी बिझुरी मार्ग पर टेम्पो को सेमरी की ओर से आ रही एक ट्रक ने टक्कर मार दी ट्रक की टक्कर से टेम्पो सड़क किनारे नीचे खाई में जा गिरी टेम्पो में सवार चालक समेत सभी लोग गंभीर घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से डायल 112 पुलिस ने सभी घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गई यहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया। चालक की पहचान गोसाईगंज थाना के पांडेयपुर गांव निवासी शशिकांत पाण्डेय के रूप में हुई?। घायलों की हालत गंभीर है हादसे के बाद ग्रामीणों की भारी भीड़ ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिंक रोड को जाम कर दिया। सूचना पर जयसिंहपुर कोतवाली व मोतिगरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची कोतवाल अनिरुद्ध सिंह ने जाम खुलवाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण नहीं माने, जयसिंहपुर एसडीएम संतोष ओझा व जयसिंहपुर क्षेत्राधिकारी रमेश मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिंक रोड और पीढ़ी बिझुरी मार्ग पर ब्रेकर बनाने की मांग की एसडीएम के आश्वाशन पर ग्रामीण माने और जाम को खुलवाया गया।

यादव की मनाई जयंती खिचड़ी भोज का किया आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के सस्थापक सदस्य,पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की जयंती पर उन्हे जिला कार्यालय पर याद किया वह जनता के बीच अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे।उनकी जयंती पर समाजवादी पार्टी द्वारा जिला कार्यालय पर आयोजित खिचड़ी भोज में दर्जनों समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुटे रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजकुमार ''राजू''राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-समाजवादी युवजन सभा संभावित प्रत्याशी विधानसभा पूरनपुर, जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह, सपा जिला उपाध्यक्ष नरेश मिश्रा कट्टर, पूर्व विधायक अरशद खान, इमरान खान, संजय यादव, दीपक कुमार, सुरेश कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

नवविवाहिता ने पति समेत आधा दर्जन ससुरालीजनों के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के गांव पण्डूरा मजरे खरांवा की एक नवविवाहिता ने दहेज के लिये ससुरालीजनों द्वारा प्रताड़ित किये जाने से तंग आकर पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति समेत आधा दर्जन नामजद ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया है लेकिन किसी भी नामजद आरोपी को गिरफ्तार नही कर सकी है। थाना क्षेत्र के गांव पण्डूरा मजरे खरांवा निवासी दीपक मिश्रा की सुपुत्री कीर्ति मिश्रा का विवाह बीती सत्रह फरवरी को अंकित शुक्ला पुत्र निर्मल कुमार शुक्ला निवासी ग्राम बेलहरी पोस्ट अलियाबाद जिला बाराबंकी वर्तमान निवास ग्रांउड फ्लोर मकान संख्या 3372 नियर बेस्ट बाक्स स्लम सेक्टर पच्चीस डी चण्डीगढ के साथ हुआ था।विवाह के उपरांत से ही दहेजलोभी ससुरालीजनों द्वारा युवती को शारीरिक व मानसिक स्तर पर प्रताड़ित करते रहते थे तथा दहेज कम लाने की वजह से आये दिन मारपीट करते रहते है। युवती की मानें तो वह छह माह की गर्भवती है। युवती कीर्ति मिश्रा ने बताया कि वर पक्ष द्वारा पिता से तथ्यो को छिपाकर धोखाधड़ी की गयी उन्हे बताया गया कि मेरे पति नौकरी करते हैं परंतु जब से मैं गयी हूं वह कोई काम नही करते है और जेवरात गिरवी रखकर आनलाइन जुआं व सट्टेबाजी करते हैं।उसके बावजूद अभी हाल ही में वर पक्ष ने रात में मेरे पिता को फोन करके मुझे ले जाने को कहा जिसके चलते मेरे पिता ने मुझे अपने घर लिवा लाये परंतु फिर भी वर पक्ष द्वारा हमारे परिजनों को विभिन्न प्रकार के फोन काल व मैसेज के द्वारा धमकी व गाली गलौज की जा रही है कि यदि उनकी मांग पूरी न हुयी तो पूरे खानदान को मारुंगा जिससे भय का माहौल व्याप्त है। पुलिस ने पीड़िता कीर्ति मिश्रा की तहरीर पर पति ।

मानवता की मिसाल है राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के कार्यकर्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के कार्यकर्ता जिले में मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। निःशुल्क रसोई से जरूरतमंदों को सप्ताह में बृहस्पतिवार के दिन शाम को मुक्त भोजन वितरित करते हैं। गुरुवार की रात को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय व रेलवे स्टेशन पर मरीजों, तीमारदारों यात्रियों तथा जरूरतमंदों को शुद्ध पौष्टिक गरम ताजा मुफ्त भोजन बाटा। संघ अध्यक्ष मेराज अहमद खान के नेतृत्व में सप्ताह के प्रत्येक बृहस्पतिवार को जरूरतमंदो को संस्था मुफ्त भोजन लगातार उपलब्ध करा रही है। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में कार्यरत डॉ विकास श्रीवास्तव ने भोजन की थाली जरूरतमंदों को देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने सगठन के कार्य की सराहना और प्रशंसा किया और कहा कि भूखों को निःशुल्क और निस्वार्थ भोजन उपलब्ध कराना बहुत बड़ा परोपकार का कार्य है। डा विकास श्रीवास्तव ने संघ की रसोई के लिए 5100 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान किया। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के मार्गदर्शक निजाम खान ने बताया कि भोजन के मेन्यू में अरहर की दाल , सब्जी ,रोटी और चावल शामिल था मेडिकल कालेज में 314 और रेलवे स्टेशन पर 119 कुल 443 जरूरतमंदो की भूख मिटाई गई ।भोजन वितरण में सहयोग करने वाले प्रमुख सहयोगियों में सत्यप्रकाश वर्मा, विनोद यादव , हाजी मुहम्मद मुजतबा अंसारी,राशिद खान,राजकुमार यादव, डॉ शादाब खान, सरदार गुरुप्रीत सिंह,रशीद वर्दी टेलर,आसिफ,सद्दाम खान,सुलतान सलाहुद्दीन खान,माता प्रसाद जायसवाल, बैजनाथ प्रजापती,आदि का रहा।

प्राचार्य मेडिकल कॉलेज ने डॉक्टर के विरुद्ध गठित की जांच समिति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर जिले में कुछ निजी नर्सिंगहोम दलालो के दम पर आमलोगों की जिंदगी से खेल रहे है,और यह तब हो रहा है,जब प्रदेश सरकार द्वारा जिले को मेडिकल कॉलेज की सौगात देकर आम जनता के लिए बेहतरीन सुविधा दी

जांच में दोषी पाए जाने पर होगी कठोर कार्यवाही : प्रिंसपल

है,परंतु जिले वासियों ने जैसी उम्मीद की थी,वैसा बिल्कुल नही रहा। ताजा मामला मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग का है, जहा गरीब मरीजों की नेत्र संबंधित जांच, दवा ईलाज व ऑप्रेशन की सुविधा निशुल्क होने के बावजूद सरकार की योजना को धड़ाम किया जा रहा है। सूत्र बताते है कि ओपीडी में ऑखों का ईलाज करवाने आने वाले मरीजो को एक महिला डाक्टर चुन्हा स्थित एक निजी नर्सिंगहोम में ट्रांसफर करती है, यह वही नर्सिंगहोम है,जिसपर बहुत सारे इल्जाम है। बीते सप्ताह इसी नर्सिंगहोम में जच्चा-बच्चा की ऑप्रेशन के दरम्यान मौंत हो गई थी,आजकल उसी निजी नर्सिंगहोम में उक्त महिला डाक्टर द्वारा ऑखों के ऑप्रेशन के लिए मरीजों को बुलाया जाता है। सूत्र बताते है कि बीते सोमवार को उक्त महिला डाक्टर ने दर्जनों आप्रेशन किया था,शुक्रवार को पुनः उसी नर्सिंगहोम में महिला डाक्टर पहुंचकर गरीब मरीजों के ईलाज के नाम पर लूटने का काम करती दिखाई दी। उक्त प्रकरण की प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ.सलिल श्रीवास्तव को जानकारी हुई तो उनके द्वारा एक समिति गठित की गई है,प्राचार्य डॉ.सलिल श्रीवास्तव ने बताया की जांच समिति की रिपोर्ट आने पर कठोर कार्यवाई की जाएगी,हांलाकि प्राचार्य द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है की मेडिकल कॉलेज में मरीजों को समस्त सुविधाए उपलब्ध हो,परंतु उनके पीठ पीछे भ्रष्टाचार का खेल बड़े पैमाने पर हो रहा है,देखना होगा कि सारे साक्ष्यों होने के बाद भी उक्त महिला डाक्टर के खिलाफ प्राचार्य द्वारा कैसी कार्यवाई होती है। सूत्रों की माने यदि मरीजों का दोहन करने वाले डाक्टरों पर ठोस फैसला आने लगे तो शायद मेडिकल कॉलेज में व्याप्त भ्रष्टाचार समाप्त हो जाएगा या फिर मरीजों के साथ लूटपाट करने वाले सुधर जाएगें अन्यथा की स्थिति में नौकरी छोड़ने को मजबूर हो जाएगें।

महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव पच्चीस नवम्बर को अमेठी में रहेंगी

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव का एक दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम पच्चीस नवम्बर को प्रस्तावित है जिसके तहत उपाध्यक्ष द्वारा पच्चीस नवम्बर को ग्यारह बजे जनपद अमेठी के निरीक्षण भवन पहुंचेंगी तथा साढ़े ग्यारह बजे वन स्टाप सेन्टर, संयुक्त जिला चिकित्सालय व आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया जायेगा। उसके उपरान्त अपरान्ह दो बजे से निरीक्षण भवन में उपाध्यक्ष द्वारा महिला कल्याण विभाग के अधिकारियों व अन्य जनपदीय अधिकारियों के साथ महिला उत्पीड़न की समस्याओं के सम्बन्ध में आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगी तथा बैठक के उपरान्त महिलाओं से संबंधित मामलों की जनसुनवाई करेंगी, तदोपरान्त सायंकाल साढ़े चार बजे जनपद लखनऊ के लिये प्रस्थान करेंगी।

विचाराधीन कैदियों का संत्रास

यह तथ्य चिंताजनक है कि भारतीय जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखा जा रहा है। इन कैदियों में 75 प्रतिशत उन कैदियों का है जो विचाराधीन हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री की वह घोषणा उम्मीद जगाती है जिसमें कहा गया है कि 26 नवंबर को संविधान दिवस तक अपनी अधिकतम सजा की एक तिहाई अवधि काट चुके कैदियों के लिये न्याय सुनिश्चित करने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। निस्संदेह, इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह न्याय सुनिश्चित करने के मार्ग में चुनौतियां बहुत अधिक हैं। विडंबना यह है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 479 जैसे हालिया विधायी सुधारों के बावजूद प्रणालीगत विसंगतियां बनी हुई हैं। विचाराधीन कैदियों की रिहाई में तेजी लाने के सुप्रीम कोर्ट के रुख ने एक जटिल समस्या के निराकरण की जरूरत को बताया है। दरअसल, नौकरशाही की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते जेल में बंद विचाराधीन कैदियों की रिहाई में देरी होती रही है। यही वजह है कि गरीब कैदियों के लिये वित्तीय सहायता के प्रावधान जैसी सहायक योजनाओं के बावजूद क्रियान्वयन असंगत बना हुआ है। जिसके चलते बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी जेलों में बंद हैं। दरअसल, समस्या की जड़ आपराधिक न्याय प्रणाली में निहित रही है। जो सुधारात्मक और पुनर्वास की प्राथमिकताओं वाले न्याय की बजाय दंडात्मक उपायों को प्राथमिकता देती है। वहीं जमानत की शर्तों को उदार बनाने में न्यायिक हिचकिचाहट, पात्र कैदियों की पहचान करने में प्रणालीगत देरी के चलते इस मुद्दे को जटिलता में उलझा देती है। वहीं दूसरी ओर कानूनी सेवा प्राधिकरणों के बजाय जिला कलेक्टरों पर इस योजना की निर्भरता ने इस प्राथमिकता को गौण बना दिया है। दरअसल, जेलों में कैदियों की भीड़ कम करने के लिये देश को प्रतीकात्मक समय सीमा से आगे जाने की जरूरत है। न्याय सुनिश्चित करने के लिये हमें समीक्षा समितियों के माध्यम से पहचान और रिहाई की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना होगा, वहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी इस पहल में शामिल करना आवश्यक है। यद्यपि प्रौद्योगिकी एकीकरण और सुधारों के गृहमंत्री अमित शाह के आश्वासन उम्मीद जगाते हैं, लेकिन क्रियान्वयन में तेजी लाने की जरूरत है। निस्संदेह, प्रणालीगत बाधाओं को दूर करने के लिये न्यायपालिका, कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना चाहिये। हमें याद रखना जरूरी है कि न्याय मिलने में देरी का होना न केवल कैदियों को न्याय से वंचित करना है बल्कि यह संविधान में निहित व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का भी अतिक्रमण है। निस्संदेह, विचाराधीन कैदियों की दशा में सुधार करना मानवीय गरिमा के प्रति देश की प्रतिबद्धता की परीक्षा भी है। ऐसे में सलाखों के पीछे कैद करीब पांच लाख कैदियों की आवाज को अनसुना नहीं किया जाना चाहिए। यह तार्किक व ठोस कार्रवाई करने का वक्त भी है। तभी विचाराधीन कैदियों को खुली हवा में सांस लेने का मौका मिल सकेगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलों में जो जरूरत से ज्यादा कैदी भरे हुए हैं उनमें अधिकांश गरीब व वंचित तबके के लोग हैं। उनमें ऐसे गरीब लोगों की संख्या अधिक है जिनकी जमानत लेने वाला भी कोई नहीं है। नीति नियंताओं को याद रखना चाहिए कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार होता है न कि सिर्फ दंडित करना। दुर्दांत व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें तो विषम हालात या आवेश में अपराध कर बैठे कैदियों की सोच बदलकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना जेलों का पहला मकसद होना चाहिए। विगत में सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्देश दिया था कि विचाराधीन कैदियों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों पर रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि रिहाई की शर्तों में ढील दी जा सके। ऐसे में खचाखच भरी जेलों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिये विचाराधीन कैदियों को समय रहते न्याय दिलाने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायिक व्यवस्था का चेहरा मानवीय होना चाहिए। यह नजरिया न केवल प्रगतिशील है बल्कि न्यायपूर्ण भी है।

उदास लोगों का देश बनना भारत की एक त्रासदी

हर साल जारी होने वाली वर्ल्ड हैपिनेस रिपोर्ट, जो संयुक्त राष्ट्र सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क की प्रस्तुति है, बताती है कि कौन देश सबसे ज्यादा खुश और कौन से देश सबसे ज्यादा दुखी हैं? वैश्विक स्तर पर खुशी का स्तर तय करने के कई पैमाने है, जिनमें लोगों की आजादी, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, आय जैसी बातें शामिल होती हैं। सबसे अधिक दुखी देशों की लिस्ट में पहला नाम अफगानिस्तान का आता है। इस लिस्ट में भारत की रैंकिंग भी बेहद निराश करने वाली है। भारत में उदास एवं निराश लोगों की स्थिति के कई कारण हो सकते हैं–जनसंख्या वृद्धि दर ज्यादा होना, कृषि पर ज्यादा निर्भरता, आर्थिक विकास की दर कम होना, बेरोज़गारी, अशिक्षा, आय में असमानता, भ्रष्टाचार, आंतरिक द्वेष, कमज़ोर आर्थिक नीतियां एवं जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया।

भारत उदास, निराश एवं थके हुए लोगों का देश बनता जा रहा है। हम प्रसन्न समाजों की सूची में अव्वल नहीं आ पा रहे हैं। आज अक्सर लोग थके हुए, उदास, निराश नज़र आते हैं, बहुत से लोग हैं जो रोज़मर्रा के काम करने में ही थक जाते हैं। उनका कुछ करने का ही मन नहीं होता। छोटे-मोटे काम भी थकाऊ और उबाऊ लगते हैं। विडम्बना तो यह है कि लम्बे विश्राम एवं लम्बी छुट्टियों के बाद भी हम खुद को तरोताजा नहीं बना पा रहे हैं। भारत में ऐसे लोगों का प्रतिशत लगभग 48 तक पहुंच गया है, जो चिन्ता का बड़ा सबब है। ऐसे थके एवं निराश लोगों के बल पर हम कैसे विकसित भारत एवं नये भारत का सपना साकार कर पायेंगे? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार थके हुए लोगों के देश के रूप में पहचाने जा रहे है। खुशहाल देशों की सूची में भी हम सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। हर साल जारी होने वाली वर्ल्ड हैपिनेस रिपोर्ट, जो संयुक्त राष्ट्र सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क की प्रस्तुति है, बताती है कि कौन देश सबसे ज्यादा खुश और कौन से देश सबसे ज्यादा दुखी हैं? वैश्विक स्तर पर खुशी का स्तर तय करने के कई पैमाने है, जिनमें लोगों की आजादी, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, आय जैसी बातें शामिल होती हैं। सबसे अधिक दुखी देशों की लिस्ट में पहला नाम अफगानिस्तान का आता है। इस लिस्ट में भारत की रैंकिंग भी बेहद निराश करने वाली है। भारत में उदास एवं निराश लोगों की स्थिति के कई कारण हो सकते हैं-जनसंख्या वृद्धि दर ज्यादा होना, कृषि पर ज्यादा निर्भरता, आर्थिक विकास की दर कम होना, बेरोज़गारी, अशिक्षा, आय में असमानता, भ्रष्टाचार, आंतरिक द्वेष, कमज़ोर आर्थिक नीतियां एवं जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया। दुःख जीवन के उतार-चढ़ाव का एक अभिन्न अंग है। जिस तरह इंसान ख़ुशी, निराशा, उदासी, गुस्सा, गर्व आदि भावनाओं को महसूस करता है, उसी तरह हर कोई समय-समय पर दुःख महसूस करता है। दुःख कभी-कभी इंसान को मोटीवेट करने में भी मदद कर सकता है, लेकिन यह जिजीविषा, खुशहाली, सक्रियता, जोश को भी कम करता है। दुनिया की खुशहाल देशों की सूची में भारत इस वर्ष 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह रैंक पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल वही रही है। भारत के पड़ोसी देशों में चीन 60वें, नेपाल 93वें, पाकिस्तान 108वें, म्यांमार 118वें, श्रीलंका 128वें और बांग्लादेश 129वें स्थान पर है। भारत दुनिया का सबसे उदास देश है। शोधों के निष्कर्ष बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक गर्मी के कारण 2100 तक भारत में हर साल 15 लाख लोगों की मौत हो सकती है? इसी कारण उदास लोगों की संख्या भी बढ़ सकती है। 2018 की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत सबसे अधिक अवसादग्रस्त देशों की सूची में सबसे ऊपर है। भले ही भारतीयों को स्वभाव से समायोजित और संतुष्ट लोगों के रूप में जाना जाता है, लेकिन यह पता चला है कि वे सबसे अधिक उदास भी हैं। एक तरफ हम खुद को किसी भी चीज़ में आसानी से समायोजित कर लेते हैं, चाहे वह कम पैसा हो, खराब सड़कें हों, बुनियादी ढाँचे की कमी हो या कुछ भी हो। नेशनल केयर ऑफ मेडिकल हेल्थ के एक अध्ययन के अनुसार लगभग 6.5 प्रतिशत भारतीय गंभीर मानसिक स्थितियों से पीड़ित हैं, चाहे वे ग्रामीण हों या शहरी। सरकार जागरूकता कार्यक्रम चला रही है लेकिन मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य डॉक्टरों की भी कमी है। भारत के मानव-स्वभाव में उग्र हो रही उदासी एवं निराशा का बड़ा कारण प्रदूषित हवा एवं पर्यावरण है। शुद्ध वायु में ही जीवन है और उसी में जीवन की सकारात्मकता एवं जीवन-ऊर्जा समाहित है। यही हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। व्यक्ति अपने घर में आहार-विहार को संतुलित करके भी उत्साही एवं प्रसन्न होने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें।

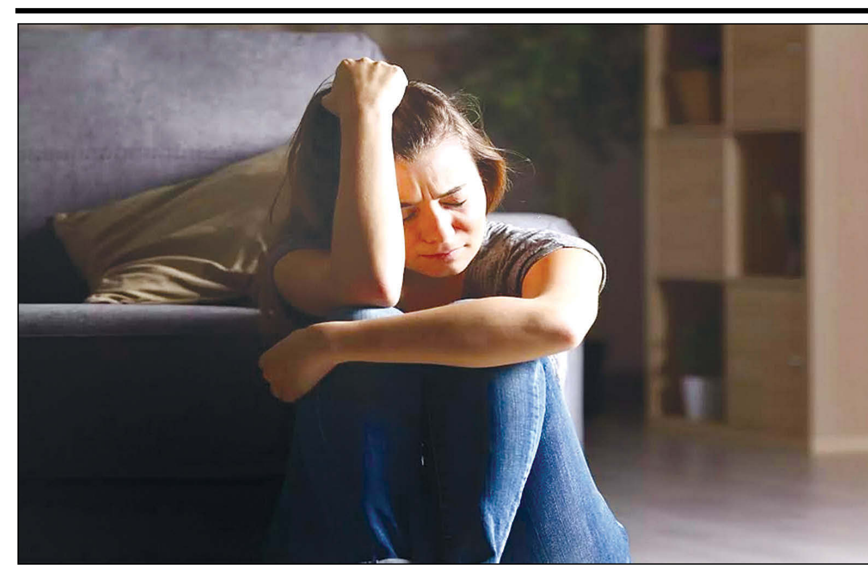

धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में उदासी एवं निराशा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन-डी मिल जाता है। आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान-पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। पारिवारिक जीवन अनेक दबावों से घिरा है, कॉरपोरेट संस्कृति में रिश्ते, स्वास्थ्य एवं खुशहाली बहुत पीछे छूट रही है। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को?भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें। दरअसल हमारा आहार दवा है। देर रात भोजन करना, देर रात तक जगना एवं सुबह देर से उठना शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। इन्हीं जटिल से जटिलतर होती स्थितियों ने हमें उदासी दी है। वैसे उदासी, निराशा, थकावट, दुख या खुशी एक ऐसी अवस्था है, जिस पर किसी सर्वे के जरिये एकमत नहीं हुआ जा सकता। फिर भी, ऐसी सूचियों से सकारात्मक प्रेरणा लेते हुए प्रसन्न, उत्साही, सक्रिय समाज की संरचना के लिये तमाम तरह के प्रयास करने में ही भलाई है। हमारा शीर्ष नेतृत्व आजादी के बाद से ही निरन्तर आदर्शवाद और अच्छाई का झूठ रचते हुए सच्चे आदर्शवाद के प्रकट होने की असंभव कामना करता रहा है, इसी से जीवन की समस्याएं सघन होती गयी है, इसी ने उदासी को बढ़ाया है, नकारात्मकता का व्यूह मजबूत होता गया है, खुशी, उत्साही, जोशीला एवं प्रसन्न जीवन का लक्ष्य अधूरा ही रहा है, इनसे बाहर निकलना असंभव-सा होता जा रहा है। दूषित और दमघोंटू वातावरण में आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। आर्थिक असंतुलन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित कर रहा है। ऐसे जटिल हालातों में इंसान कैसे खुशहाल, जोशीला एवं सकारात्मक जीवन जी सकता है? इन गहन अंधेरों से बाहर निकलते हुए विगत एक दशक में सरकारों के कामकाज एवं नीतियों से एक आशावाद झलका है, लेकिन इंसानों का लगातार निराश एवं उदास होते जाना एक बड़ी चुनौती है। वैसे भी खुशी, जोश एवं उत्साह महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी जोश, तरोताजगी एवं उत्साह का पैमाना क्या हो? विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट, जोशीला, तरोताजा और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह निराशा एवं उदासी को कम कर पायेगा। कृत्रिम बौद्धिकता, डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं कंकाली दी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है। **–ललित गर्ग**

जीवनदायिनी दवाओं का असर 'इसलिए' हो रहा बेअसर

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यह बेहद चिंतनीय है कि आज जीवनदायिनी दवाएं तेजी से बेअसर होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौर-तरीके से अनभिज्ञ होना या फिर जानबूझकर लापरवाही बरतने के साथ ही खानपान से जुड़ी गलतियां भी हैं। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेहसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है। दरअसल कोरोना के बाद जहां एक ओर आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को इलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दोराय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धड़ल्ले से लिखी जा रही हैं। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पहुंचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टीरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है। भारत सरकार बार-बार यह एडवाइजरी जारी करती जा रही है कि एंटीबायोटिक दवाएं अत्यधिक आवश्यकता में ही लिखी जाएं और एंटीबायोटिक दवाएं लिखते समय मरीज को कारण और उपयोग के तरीके से अवश्य बताया जाए। इसी से हालात की गंभीरता को समझा जा सकता है। जहां तक यूरोपीय देशों की बात है वहां सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में एंटीबायोटिक का उपयोग ना के बराबर होता है। दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देश-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडिकल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इमरजेंसी के रूप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरीयता देने लगे हैं। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिशत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रेन, हार्ट आदि पर पड़ता है। इन गंभीर बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होने लगा है। दिल्ली एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. एमसी मिश्रा का कहना है कि एंटीबायोटिक दवाओं को धडल्ले से बिना डॉक्टर की सलाह के भी सहज उपलब्धता एक प्रमुख कारण है। एएमआर के लिए किसी एक को दोष नहीं दिया जा सकता है। इसके लिए चिकित्सक, केमिस्ट, आम आदमी और सरकार सभी कमोबेश जिम्मेदार हैं। यूरोपीय देशों व अमेरिका में बिना डॉक्टर के निदान के केमिस्ट या अन्य स्थान से दवा उपलब्ध ही नहीं हो सकती। हमारे यहां हालात विपरीत हैं। ऐसे में दवाओं के बेअसर होने के खतरे को टालने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। डॉक्टर, दवा विक्रेता, आम नागरिकों और सरकार को समन्वित प्रयास करने होंगे। आवश्यकता नहीं होने पर एंटीबायोटिक का प्रयोग नहीं करने, दवा विक्रेताओं द्वारा मौखिक रूप से मांगने पर दवा नहीं देने, आम नागरिकों को सजग और स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होना होगा। इसके साथ ही सरकार को भी थोड़ी सख्ती करनी ही होगी ताकि सेहत के लिए जरूरी दवाएं अपना असर खोने से बच सके। नहीं तो हालात जिस तरह के आएंगे उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। केवल कहने से कि एंटीबायोटिक बेअसर होती जा रही है उससे कोई सकारात्मक समाधान नहीं हो सकेगा। अधिकांश लोग इन हालातों से अनजान है ऐसे में सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं को जागरुकता अभियान चलाना होगा और इस पूरे चक्र को लाइन पर लाने के लिए डॉक्टरों, दवा विक्रेताओं, सरकार और आम नागरिकों को समन्वित प्रयास करने होंगे।

सेहत मंत्र

दिल के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है हरा धनिया

जब भी आप बाजार सब्जी लेने जाते हैं तो सब्जी वाले से धनिया मुफ्त में ले आते हैं और सब्जी के साथ मुफ्त में मिलने वाले धनिए पत्ते को अपनी सब्जी में डालकर अपने भोजन की शोभा बढ़ाते हैं। इस धनिए के पत्तों के कारण आपके हाथ का बनाया गया भोजन देखने में काफी लजीजदार लगता है। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि यह हरा धनिया सिर्फ भोजन की प्रेजेंटेशन को बेहतरीन बनाने का काम करता है तो आप गलत हैं। तो चलिए आज हम आपको इससे मिलने वाले कुछ बेहतरीन लाभों के बारे में बताते हैं- धनिए से आपको बहुत से पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। इन पोषक तत्वों में थयमीन, जिंक, फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन के, विटामिन बी6, फोलेट, कैल्शियम, आयरन, मैग्नशियम, फास्फोरस, पोटेशियम, कापर और मैगनीज आदि मुख्य हैं। धनिए में मिलने वाले इन पोषक तत्वों के कारण ही इसका सेवन आपको बहुत सी बीमारियों में राहत दिलाता है। कुछ लोग अक्सर अपनी कमजोर याद्दाश्त का रोना रोते हैं। अगर आप भी अपनी कमजोर याद्दाश्त से परेशान हैं तो आपको धनिए को अपने आहार का मुख्य हिस्सा बनाना चाहिए। आप अपनी मेमोरी को बेहतर बनाने के लिए धनिया पाउडर को शहद में मिलाकर इसका सेवन करें। इससे आपकी स्मरण शक्ति अच्छी होती है। साथ ही अगर आप चाहें तो धनिए की चटनी बनाकर भी उसका सेवन कर सकते हैं। अगर आप अक्सर अपने पेट को लेकर परेशान रहते हैं। मसलन, आपको पेट में दर्द, कब्ज, पेट फूलना, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम आदि समस्या हैं तो आपको धनिए का सेवन करना चाहिए। दरअसल, यह एक एंटीस्पास्मोडिक दवा की तरह काम करता है और लिवर के फंक्शन और बाउल मूवमेंट को बेहतर बनाने का काम करता है। धनिए को हृदय के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, इसमें कुछ एसिड जैसे लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पॉलीमिक एसिड, स्टेरिक एसिड और एस्कॉर्बिक एसिड आदि पाए जाते हैं जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में बहुत प्रभावी होते हैं।

धर्म मंत्र

कामाख्या मंदिर में स्थापित देवी से विवाह करने की इच्छा में मारा गया नरकासुर

कामाख्या मंदिर असम की राजधानी दिसपुर के पास गुवाहाटी से 8 किलोमीटर दूर कामाख्या में है। कामाख्या से भी 10 किलोमीटर दूर नीलाचल पवत पर स्थित है। यह मंदिर शक्ति की देवी सती का मंदिर है। मंदिर एक पहाड़ी पर बना है, और इसका तांत्रिक महत्व भी है। प्राचीन काल से कामाख्या तंत्र सिद्धि का सर्वोच्च स्थल माना जाता है। असम राज्य की नीलांचल या नीलशैल पर्वतमालाओं पर स्थित मां भगवती कामाख्या का सिद्ध शक्तिपीठ सती के इक्यावन शक्तिपीठों में सर्वोच्च स्थान रखता है। इसी स्थान पर भगवती की महामुद्रा अर्थत योनि-कुण्ड स्थित है। यहां देवी के गर्भ और योनि को मंदिर के गर्भगृह में रखा गया है। ऐसा कहा जाता है कि जून के महीने में इससे रक्त का प्रवाह होता है। मान्यता है की इस समय देवी रजस्वला होती है और इस दौरान यहां स्थित ब्रह्मपुत्र नदी लाल हो जाती है। इस अवधि में मंदिर 3 दिन तक बंद रहता है और इस लाल पानी को देवी के रज के रूप में भक्तों के बीच बांटा जाता है। कामाख्या के बारे में एक कथा प्रसिद्ध है कि घमंड में चूर असुरराज नरकासुर एक दिन मां भगवती कामाख्या को अपनी पत्नी के रूप में पाने का दुराग्रह कर बैठा था। कामाख्या महामाया ने नरकासुर की मृत्यु को निकट मानकर उससे कहा कि यदि तुम एक ही रात में नील पर्वत पर चारों तरफ पत्थरों के चार सोपान पथों का निर्माण कर दो और कामाख्या मंदिर के साथ एक विश्राम-गृह बनवा दो, तो मैं तुम्हारी इच्छानुसार पत्नी बन जाऊंगी और यदि तुम ऐसा न कर पाये तो तुम्हारी मृत्यु निश्चित है।

पर्यटन

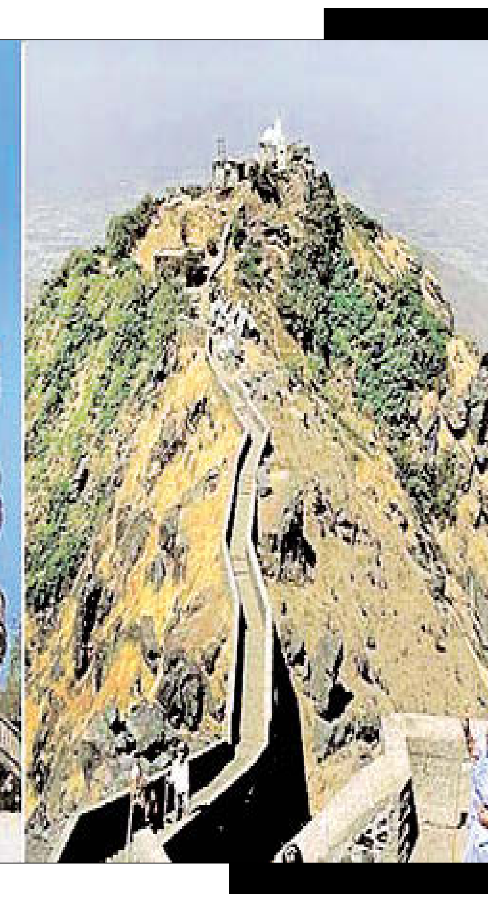

जूनागढ़ में देखने को मिलती है देश की बहुमूल्य संस्कृति की झलक

गुजरात का जूनागढ़ शहर गिरनार पहाड़ियों के निचले हिस्से पर स्थित है। मंदिरों की भूमि जूनागढ़ गिरनार हिल की गोद में बसा हुआ है। यह मुस्लिम शासक बाबी नवाब के राज्य जूनागढ़ की राजधानी था। गुजराती भाषा में जूनागढ़ का अर्थ होता है प्राचीन किला। इस पर कई वंशों ने शासन किया। यहां समय-समय पर हिंदू, बौद्ध, जैन और मुस्लिम, इन चार प्रमुख धर्मों का प्रभाव रहा है। विभिन्न राजनीतिक और धार्मिक शाक्तियों के समन्वय के कारण जूनागढ़ बहुमूल्य संस्कृति का धनी रहा है। जूनागढ़ दो भागों में विभक?त है। एक मुख?य शहर है जिसके चारों ओर दीवारों से किलेबन?दी की गई है। दूसरा पश्चिम में है जिसे अपरकोट कहा जाता है। अपरकोट एक प्राचीन दुर्ग है जो शहर से बहुत ऊपर स्थित है। यह किला मौर्य और गुप्त शासकों के लिए बहुत मजबूत साबित हुआ क्योंकि इस किले ने विशिष्ट स्थान पर स्थित होने और दुर्गम राह के कारण पिछले 1000 वर्षों से लगभग 16 आक्रमणों का सफलतापूर्वक सामना किया। अपरकोट का प्रवेशद्वार हिंदू तोरण स्थापत्य कला का अच्छा नमूना है। बौद्ध गुफा और बाबा प्यारा की गुफा (दूसरी शताब्दी), अड़ी-काड़ी वाव, नवघन कुआं और जामी मस्जिद यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। गिरनार जाने के रास्ते पर सम्राट अशोक द्वारा लगवाए गए शिलालेखों को देखा जा सकता है। ये शिलालेख विशाल पत?थरों पर उत?कीर्ण हैं। अशोक ने कुल चौदह शिलालेख लगवाए थे। इन शिलालेखों में राजकीय आदेश खुदे हुए हैं। इसके अतिरिक?त इसमें नैतिक नियम भी लिखे हुए हैं। ये आदेशपत्र राजा के परोपकारी व्यवहार और कार्यों का प्रमाणपत्र है। अशोक के शिलालेखों पर ही शक राजा रुद्रदाम के खुदवाये अभिलेखों को देखा जा सकता है। रुद्रदाम ने 150 ई. में तथा स्कंदगुप्त ने 450 ई. में ये अभिलेख खुदवाये थे। माना जाता है कि इस किले का निर्माण यादवों ने द्वारिका आने पर करवाया था (जो कृष्ण भगवान से संबंधित थे)।

मेयो हास्पिटल परिसर में आयोजित हुआ नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशानुरूप शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान एवं मिशन शक्ति के अन्तर्गत मादक पदार्थों का सेवन करने से रोकने एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन डॉ.केएनएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग(मेयो हास्पिटल परिसर) निकट सफ़ेदाबाद कासिंग, बाराबंकी में आयोजित किया गया जो कि आर.जगत सांई (आईएएस)ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नवाबगंज बाराबंकी, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में सुमित त्रिपाठी, पुलिस उपाधीक्षक नगर, सुषमा वर्मा,जिला समाज कल्याण अधिकारी,डा.आफताब अंसारी एवं डा.सुरेन्द्र कुमार, डिप्टी सीएमओ,नीतू वर्मा जिला मद्यनिषेध अधिकारी,राधे श्याम,(प्रतिनिधि) जिला विद्यालय निरीक्षक,मुन्नी सिंह महिला थानाध्यक्ष,सीमा सिंह, औषधि निरीक्षक, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुरूषोत्तम विश्वकर्मा उप निरीक्षक एएनटीएफ, डा एनके मोहेन्दू, डीन एवं रंजीत कुमार, रजिस्ट्रार डा केएनएस कालेज ऑफ नर्सिंग, डा. शिवांगीअग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफ़ेसर, प्रदीप सारंग समाज सेवी,नागेश कुमार, अध्यक्ष बंशगोपाल राष्ट्रीय पुनर्वास ट्रस्ट, समाज कल्याण के समस्त कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सभी अतिथियों का तुलसी के पौधे देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत चित्रकला प्रतियोगिता में विजयी 12 छात्र/छात्राओं को शील्ड एवं प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए परिसर में उपस्थित छात्र/छात्राओं एवं अन्य अतिथियों को नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत शपथ दिलायी गयी। अन्त में जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षण संस्थान एवं हास्पिटल के समस्त शिक्षकों तथा अन्य स्टाफ का आभार व्यक्त किया गया।

अयोध्या के बाद भगवान श्री राम से जुड़ी एक और नगरी को भव्य स्वरूप दे रही योगी सरकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

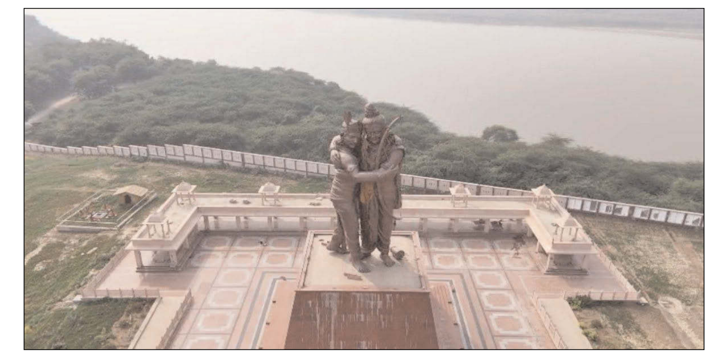

प्रयागराज। योगी सरकार प्रयागराज महाकुम्भ को दिव्य और भव्य स्वरूप प्रदान कर रही है। प्रयागराज नगरी के साथ ही जिले में गंगा किनारे स्थित निषादराज गुह्य की राजधानी रहे श्रृंगवेरपुर धाम का भी कायाकल्प सरकार कर रही है। श्रृंगवेरपुर धाम में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के साथ रूरल टूरिज्म की भी सम्भावनाएं विकसित हो रही हैं।

रामनगरी अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर के भव्य निर्माण और गर्भग्रह में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब प्रभु राम के अनन्य भक्त निषादराज की राजधानी श्रृंगवेरपुर को भी भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। यूपी की पूर्व की सरकारों में उपेक्षित रहे प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई पहचान दी है। सामाजिक समरसता के प्रतीक इस स्थान को धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के साथ अब रूरल टूरिज्म के साथ भी जोड़ कर विकसित किया जा रहा है।

प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि श्रृंगवेरपुर धाम के कायाकल्प का कार्य समापन पर है। इसके अंतर्गत यहां 3732.90 लाख रुपये की लागत से निषादराज पर्यटन पार्क स्थल का निर्माण कार्य दो फ़ेज में किया गया है। निषादराज पार्क (फ़ेज-1) के निर्माण हेतु 1963.01 लाख रुपये के बजट से निषादराज एवं भगवान श्रीराम मिलन की मूर्ति की स्थापना व मूर्ति के पैडेस्टल का कार्य, पोडियम का कार्य, ओवर हेड टैंक, बाउण्ड्रीवाल, प्रवेश द्वार का निर्माण, गार्ड रूम आदि कार्य कराया गया। इसी तरह श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क (फ़ेज-2) के 1818.90 लाख रुपये के बजट से भगवान श्रीराम के निषादराज मिलन से सम्बन्धित गैलरी, चित्रांकन, ध्यान केन्द्र, केयर टेकर रूम, कैफ़ेटेरिया, पॉथ-वे, पेयजल व टॉयलेट ब्लॉक, कियास्क, पार्किंग, लैंड स्केपिंग, हॉर्टिकल्चर, आउटर रोड, सोलर पैनल, मुक्ताकाशी मंच आदि कार्य कराए गए हैं। 6 हेक्टेयर में बनाए गए इस भव्य पार्क का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

धार्मिक और आध्यत्मिक पर्यटन के साथ श्रृंगवेरपुर धाम को ग्रामीण पर्यटन के साथ जोड़कर विकसित करने का रोड मैप तैयार किया गया है। अपराजिता सिंह के मुताबिक रूरल टूरिज्म के अन्तर्गत श्रृंगवेरपुर धाम को विकसित किये जाने के लिए सबसे पहले यहां ग्रामीण क्षेत्र में होम स्टे की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए यहां स्थानीय लोगों को अपने यहां मड हाउस या हट बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि पर्यटकों को कुछ अलग अनुभव हो सके। इन सभी स्थानों पर थीमेटिक पेंटिंग होगी, स्थानीय खानपान और स्थानीय संस्कृति को भी यहां संरक्षित किया जाएगा। पर्यटक भी यहां स्टे करने के दौरान स्थानीय ग्रामीण क्राफ्ट का हिस्सा बन सके, ऐसी उनकी कोशिश है।

देश की शिक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की जरूरत : गोपाल राय

एजेंसी

वाराणसी। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अध्यक्ष गोपाल राय ने देश की शिक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की मांग की है।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने अखिल भारतीय गुरुकुल परिषद बनाने की मांग की

उन्होंने मदरसा बोर्ड, ईसाई मिशनरी के स्कूलों, आईसीएसई, सीबीएसई और सभी राज्य शिक्षा बोर्डों की मान्यता समाप्त कर अखिल भारतीय गुरुकुल परिषद की स्थापना की बात कही। शुक्रवार को शहर में आए गोपाल राय पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। परिषद के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि विदेशी शिक्षा प्रणाली के प्रभाव को खत्म करना और गुरुकुल आधारित शिक्षा को पुनर्जीवित करना समय की आवश्यकता है। इसलिए मदरसा बोर्ड और ईसाई मिशनरी स्कूलों की मान्यता समाप्त की जाए। इन संस्थानों के माध्यम से समाज में धार्मिक असंतुलन और धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। गोपाल राय ने कहा कि आईसीएसई, सीबीएसई सहित तमाम स्टेट बोर्ड्स की मान्यता रद्द किया जाना चाहिए। ये सारे बोर्ड भारतीय शिक्षा प्रणाली के मूल्यों के बजाय पाश्चात्य प्रभाव को बढ़ावा देते हैं। यह देश की संस्कृति के लिए हानिकारक है। उन्होंने बताया कि अपनी मांगों के समर्थन के लिए वह पदयात्रा भी करेंगे। उन्होंने दावा किया कि अखिल भारतीय गुरुकुल परिषद की स्थापना से विद्यालयों में वेद, उपनिषद, विज्ञान सहित भारतीय परंपराओं पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सनातन धर्म का गठन भारत सरकार करे। अगर सरकार को अपने गठबंधन के सहयोगियों से दिक्कत हो रही है तो हिंदू इतने एकजुट हो जाएं कि हिंदुत्व की सरकार बना दें। उन्होंने बताया कि दिसम्बर 2025 तक हम लोगों ने एक लाख लोगों के हिंदू धर्म में वापसी का लक्ष्य रखा है। जिन लोगों ने ईसाई धर्म या मुस्लिम धर्म स्वीकार किया है। उन्हें हम वापस अपने घर (सनातन धर्म) में लाएंगे।

श्रीराम वन कुटीर आश्रम की रोड जर्जर, सेवादार ने उठाई आवाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी।श्री राम वनकुटीर आश्रम हड़ियाकोल की जर्जर सड़क को दुरुस्त कराने हेतु आश्रम के ट्रस्टी सेवादार मनीष मेहरोत्रा ने जिलाधिकारी महोदय को प्रार्थना पत्र के माध्यम से आवाज उठाई है।जिलाधिकारी महोदय को दिए गए प्रार्थना पत्र में दर्शाया है कि श्रीराम वन कुटीर ट्रस्ट समिति हड़ियाकोल जंगल बाराबंकी विगत 44 वर्षों से विशाल निःशुल्क नेत्र, हार्निया, हाइड्रोशील, पाइल्स, बाल रोग, महिलाओं की यूट्रेश (बच्चेदानी) के निःशुल्क आपरेशन के शिविर को आयोजित करती चली आ रही है। इस शिविर में आपरेशन करवाने के लिए जनपद के दूरस्थ अंचलों से व पड़ोसी राज्यों के हर जगह से निराश सभी धर्मों, जातियों के गरीब भाई बहनें पधारते हैं। इन आपरेशनों को करने के लिये देश-विदेश के सेवाभावी डॉक्टर निःशुल्क सेवायें देने के लिये पधारते हैं व इस प्रदेश के मरीजों को रोग मुक्त करते हैं इस शिविर में प्रति वर्ष देश-विदेश के डॉक्टर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, प्रदेश सरकार के मंत्री शासन-प्रशासन के अधिकारी आते रहते हैं। प्रत्येक गुरूवार को 2000 मरीजों की निःशुल्क ओ0पी0डी0 होती है एक विद्यालय भी आश्रम पर संचालित होता है खराब सड़क होने की वजह से सभी को कष्टों का सामना करना पड़ता है एवं जिले कि बदनामी भी होती है आश्रम को जोड़ने के लिए दो लिंक रोड है एक बंकी से होते हुए चिलहटा पुल के दाहिनें दो किलोमीटर की रोड पी डब्ल्यू डी निर्माण खण्ड-3 की है जो कि हर तीन वर्ष में बन जाती है एक रोड़ शुगर मिल से ग्वारी तक प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क की है उस रोड से चौधरी पुरवा से आश्रम तक की 2 किलोमीटर तक की रोड जिला पंचायत की है जो कि 4 वर्षों से नही बनी है। यदि जिला पंचायत रोड का निर्माण करता भी है तो मानक विहिन बनाता है। इस रोड पर बड़ी संख्या में सरकारी जमीनों से अवैध मिट्टी खनन भी होता रहता है जिसके कारण भी रोड ज्यादा समय तक सुरक्षित नही रह पाती है।जब कि अगले वर्ष 10 जनवरी से 26 जनवरी 2025 तक का आपरेशन शिविर आयोजित है। शिविर के पूर्व जिला पंचायत की रोड को लोकनिर्माण विभाग की रोड घोषित कर उसे दुरुस्त कराने की मांग की है।

पछुआ हवाओं के आने से कार्डियोलॉजी में बढ़ने लगे हृदय के मरीज

एजेंसी

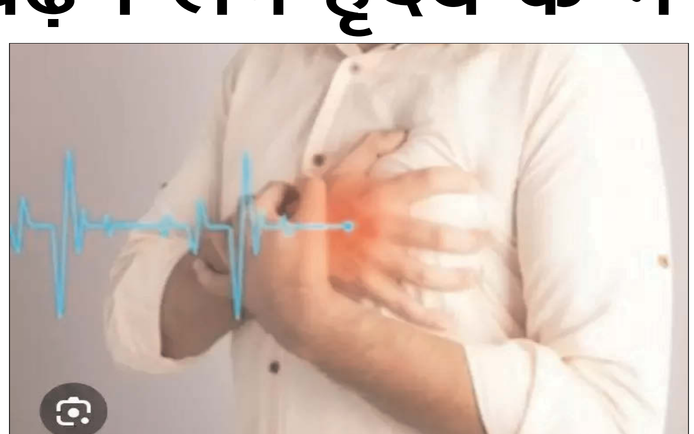

कानपुर। पहाड़ों पर भले ही अभी पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है लेकिन पछुआ हवाएं गंगा के मैदानी एरिया में आना शुरू हो गई है। ऐसे में ठंड के बढ़ते ही हार्ट और सांस के मरीजों की समस्या भी बढ़ने लगी है। इसका असर कार्डियोलॉजी और मेडिसिन विभाग में शुक्रवार को देखने को मिला। यही हाल हैलट के मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भी देखने को मिला। हालांकि मौसम के बदलाव को देखते हुए इन अस्पतालों में तैयारी पूरी कर बेड भी आरक्षित कर लिए गए हैं।

जीटी रोड स्थित हृदय रोग संस्थान कार्डियोलॉजी के निदेशक डॉ. राकेश वर्मा ने शुक्रवार को बताया कि अब मौसम में बदलाव होने लगा है और सर्द हवाओं के चलने से हृदय के रोगियों को दिक्कत आना स्वाभाविक है। इसको देखते हुए अस्पताल में पूरी तैयारी कर ली गई है। पिछले दो दिनों से अस्पताल में मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आने वाली ठंड को देखते हुए पूरे स्टाफ को तत्परता से तैयार रहने को कहा गया है। फिलहाल अभी सर्दी कम है। इन दिनों वही मरीज आ रहे हैं जो ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। ऐसे मरीजों को खून पतला करने की दवा बंद कर दी गई है। कुछ मरीज ऐसे आ रहे हैं जिनको पता ही नहीं कि उन्हें ब्लड प्रेशर की शिकायत है। उन्होंने बताया कि ओपीडी और इमरजेंसी दोनों में मरीज बढ़े हैं। गंभीर हालत वाले रोगियों को भर्ती कर लिया जा रहा है। उन्होंने मरीजों से भी अपील की कि दवा लेने में लापरवाही न करें। यह लापरवाही सर्दी के दिनों में खतरनाक साबित हो सकती है। वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ अवधेश कुमार शर्मा ने बताया कि आने वाले दिनों में हृदय के रोगियों की संख्या में इजाफा होगा। जलवायु परिवर्तन या अन्य कारणों से अब यह देखा जा रहा है कि हृदय रोग से पीड़ित युवाओं की भी काफी संख्या बढ़ रही है। पिछले वर्ष के मुताबिक युवाओं की संख्या 40 फ़ीसदी रही वहीं 60 फ़ीसदी ऐसे रोगी रहे जो 50 वर्ष से ऊपर की उम्र के थे।

उत्तर प्रदेश की राजनीति की तरूणाई थे मुलायम सिंह यादव: राजनाथ शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गांधी भवन में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती पर समाजवादियों ने किया याद

बाराबंकी। मुलायम सिंह यादव ने समाजवाद को अपने जीवन में उतारा था। उन्होंने सही मायनो में लोहिया के ग़ैर कॉग्रेसवाद को अमली जामा पहनाया। 1989 में मुलायम सिंह यादव ने जिस कॉग्रेस को उत्तर प्रदेश से उखाड़ा वह आज तक देश में जड़ें नहीं जमा सकी। उनसे सहमत और असहमत हुआ जा सकता है पर उत्तर प्रदेश की राजनीति के वे नेता नहीं एक तरूणाई थे। उनके विरासत के उत्तराधिकारी और समाजवाद की मुखर आवाज़ उनके भाई शिवपाल सिंह यादव और पुत्र अखिलेश यादव ही हैं। यह बात गांधी भवन में पूर्व मुख्यमंत्री एवं रक्षा मंत्री रहे स्व. मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती पर आयोजित स्मृति सभा की अध्यक्षता कर रहे समाजवादी चिंतक राजनाथ शर्मा ने कही। श्री शर्मा ने कहा कि मुलायम सिंह यादव संसद में समाजवाद की मुखर आवाज़ थे। वह हमेशा पाकिस्तान को मित्र और चीन को दुश्मन देश मानते थे। भारत पाक महासंघ के हिमायती थे। उनकी नज़रों में समाजवाद सिर्फ विचार या सिद्धांत नहीं था। बल्कि एक आचरण था। उनका मानना था कि उसे जीवन में उतारकर ही समाज, देश, आदमी एवं उसकी समास्याओं को देखा जा सकता है। वह शोषणमुक्त समाज के लिए संघर्ष करना ही समाजवाद मानते थे।

सभा के मुख्य वक्ता पूर्व विधायक सरवर अली खान ने बताया कि डॉ राम मनोहर लोहिया के समाजवाद के सपनों और उनकी विरासत को शिखर तक पहुंचाने में मुलायम सिंह यादव ने एक नायक की भूमिका निभाई। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर, साथ चलने की खासियत के कारण ही इन्हें 'नेताजी' के नाम की उपाधि दी गई। मुलायम सिंह यादव वास्तव में जननेता थे। वह ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने समाजवादी पार्टी को जोड़कर रखा है। इस देश की राजनीति जब भी ऐसी कोई करवट लेगी, नेताजी बहुत याद आएंगे। इस मौके पर वाससिक रफीक वारसी, मृत्युंजय शर्मा, सत्यवान वर्मा, पाटेश्वरी प्रसाद, उमानाथ यादव, ज्ञान सिंह यादव, नीरज दूबे, अशोक जायसवाल, विजय कुमार सिंह मुन्ना, साकेत संत मौर्य, विनोद भारती, रणंजय शर्मा, तौफीक अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

एमडीए के अधिकारी और कर्मचारी फरवरी में आशियाना कालोनी से नया मुरादाबाद में होंगे शिफ्ट

मुरादाबाद। दिल्ली रोड स्थित नया मुरादाबाद के सेक्टर-छह में मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के अफसरों और कर्मचारियों की कालोनी के आवासों की मरम्मत व रंगाई पुताई का काम शुरू हो गया है। ढाई मह बाद फरवरी में मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष समेत अन्य अधकारी और कर्मचारी वर्तमान आवास आशियाना कालोनी से नया मुरादाबाद में शिफ्ट हो जाएंगे। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष मधुसूदन हुल्गी ने अपने कार्यकाल में एमडीए कार्यालय दिल्ली रोड स्थित नया मुरादाबाद में कार्यालय शिफ्ट करा दिया था। करीब 16 साल पहले नया मुरादाबाद में एमडीए कार्यालय के साथ ही वहां एमडीए कर्मियों के लिए आवासीय कालोनी भी बनी थी। लेकिन मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व अन्य अधकिारी और कर्मचारी उसमें शिफ्ट नहीं हुए।

यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सपा बनायेगी अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार: शिवशंकर सिंह

एजेंसी

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का 86वां जन्मदिन चित्रकूट में बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव के नेतृत्व में सपाईयों ने 86किलो का केक काटकर यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव के विचारों को आत्मसात कर 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में यूपी में पूर्ण बहुमत के साथ सपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का 86वां जन्मदिन समाजवादी पार्टी चित्रकूट कार्यालय में बडे ही धूमधाम से मनाया गया। पार्टी जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव के नेतृत्व में जिला महासचिव सत्यनारायण पटेल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष मो0गुलाब खां, पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल,वरिष्ठ नेता डॉ निर्भय सिंह पटेल,गौरी शंकर मिश्रा,अनुज सिंह यादव,सूरज सिंह पटेल,बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मान सिंह पटेल,हरिमोहन सिंह यादव,अफजल अली,रामबाई वर्मा आदि सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में 86 किलो का केट काटकर नेता जी के विचारों पर चलने का संकल्प लिया गया।इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव ने कहा कि देश की सियासत में समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता। नेताजी ने हमेशा सर्व समाज को जोडकर देश के लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया। उन्होंने सपाइयों से 2027 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया। वहीं सपा के वरिष्ठ महासचिव सत्यनारायण सिंह पटेल ने कहा कि नेता जी को देश के एक कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में पूजा जायेगा। बताया कि मुलायम सिंह यादव का जन्म सैफई में 21 नवंबर, 1939 को हुआ था। वो यूपी के तीन बार मुख्यमंत्री रहे। इसके साथ ही केंद्र में रक्षा मंत्री भी रह चुके हैं। इसके अलावा सात बार सांसद और आठ बार विधायक रहे। पूर्व मुख्यमंत्री श्री यादव का जीवन हमेशा समाजवादियों को संघर्ष की प्रेरणा देता रहेगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मो0 गुलाब खां एवं बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मान सिंह पटेल ने कहा कि नेता जी मुलायम सिंह यादव दलितों,पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के मसीहा रहे है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही देश में समतामूलक समाज की स्थापना की जा सकती है। वहीं वरिष्ठ नेता सूरज सिंह पटेल ने कहा कि नेताजी का सम्पूर्ण जीवन पीडीए को एकजुट और मजबूत करने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रदेश की खुशहाली के लिए 2027 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने से उत्तर प्रदेश भय और भ्रष्टाचार से मुक्त हो सकेगा।

राकेश सिंह बने एडीएम

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। शासन ने शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी(वि/रा.)के पद पर अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती लखनऊ रहे राकेश सिंह को भेजा है। इनसे पहले अपर जिलाधिकारी(वि./रा.) अरुण कुमार सिंह को एसडीएम रहते लखीमपुर खीरी के एक प्रकरण मे शासन ने कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया था इसके बाद इस पद पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक इंद्रसेन को प्रभार था और न्यायिक से वित्त एवं राजस्व का कार्य भी निपटा रहे थे।पूर्व मे अपर जिलाधिकारी डॉ.अरुण कुमार सिंह को जिलाधिकारी का सबसे करीबी अधिकारी कहा जा सकता है जो राकेश सिंह के पदभार ग्रहण करने के बाद से आसान हो जाएगा।

पीयू क्रिकेट टीम के चार खिलाड़ियों का वर्ल्ड यूनिवर्सिटी कम्पटीशन के लिए चयन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पुरुष क्रिकेट टीम के चार खिलाड़ियों अमर चौधरी, त्रिपुरेश सिंह, जमशेद अहमद एवं अभिषेक कौशल का चयन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी कम्पटीशन के लिए तथा एक खिलाड़ी त्रिपुरेश सिंह का चयन मध्य प्रदेश की टीम में सैयद मुश्ताक अली ट्राफी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो ओपी सिंह ने शुक्रवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह को विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में जीतीं गईं ट्राफियों को सौंपते हुए बताया कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने शुक्रवार को राजस्थान जेजेटी विश्वविद्यालय झुंझुनू में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी पुरुष के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने के साथ ही कबड्डी की टीम नें खेलो इंडिया प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। विश्वविद्यालय की पुरुष हॉकी टीम ने संभलपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में आज हेमचंद दुर्ग विश्वविद्यालय को 9-0 से पराजित कर दिया है। उन्होंने बताया कि पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय कबड्डी पुरूष प्रतियोगिता जो कि 6 सितम्बर से 9 सितम्बर तक पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित थी ।

बुमराह और सिराज ने कराई भारत की मैच में वापसी

भारत के 150 रन के जवाब में आस्ट्रेलिया के सात विकेट पर 67 रन

एजेंसी

पर्थ। जसप्रीत बुमराह (चार विकेट), मोहम्मद सिराज (दो विकेट) और हर्षित राणा (एकविकेट) की शानदार गेंदबाजी ने भारत को पहले टेस्ट मैच में वापसी करा दी। इन तीनों गेंदबाजों ने दिन का खेल समाप्त होने के तक ऑस्ट्रेलिया के 67 रन सात विकेट गिरा दिये है और वह अभी भी भारत के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 83 रन पीछे है। मैच के तीसरे सत्र में चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बुमराह ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के तीन शीर्ष बल्लेबाजों को 19 के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। नेथन मैकस्वीनी (10), उस्मान ख्वाजा (आठ) और स्टीव स्मिथ (शून्य) बुमराह का शिकार बने। मार्नस लाबुशेन (दो) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। लाबुशेन ने टेस्ट इतिहास की सबसे धीमी पारी खेलते हुए 52 गेंदों में मात्र दो रन बनाये। ट्रैविस हेड (11) को हर्षित राणा ने बोल्ड आउट किया। मिचेल मार्श (छह) और पैट कमिंस (तीन) रन बनाकर आउट हुये। 25वें ओवर भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कप्तान पैट कमिंस को पंत के हाथों कैच आउट करा कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने 27 ओवर में सात विकेट पर 67 रन बना लिये है और एलेक्स कैरी (नाबाद 16) और मिचेल स्टार्क (नाबाद छह) क्रीज पर मौजद है। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह (चार विकेट), मोहम्मद सिराज (दो विकेट) और हर्षित राणा (एक विकेट) लिया। इससे पहले जॉश हेजलवुड (चार विकेट) सहित अन्य गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय पारी को 150 के स्कोर पर समेट दिया था। आज यहां ऑप्टस स्टेडियम में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही उसने तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (शून्य) का विकेट गवां दिया। जायसवाल को मिचेल स्टार्क ने नेथन मैकस्वीनी के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल, के एल राहुल के साथ संघर्ष करते दिखे। 11वें ओवर में जॉश हेजलवुड ने देवदत्त पडिक्कल (शून्य) को पेवलियन भेज दिया। पडिक्कल ने 24 गेंदे खेली और वे अपना खाता भी नहीं खोल सके। विराट कोहली (पांच) भी जॉश हेजलवुड का शिकार बने। भोजनकाल से पहले 23वें ओवर में मिचेल स्टार्क ने के एल राहुल (26) को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया।

आईपीएल 2025 की शुरुआत 14 मार्च से, 25 मई को खेला जाएगा फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए अगले तीन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन की तारीखों की घोषणा कर दी है। सबसे ज़्यादा दिलचस्पी 2025 सीजन पर है, जो 14 मार्च (शुक्रवार) से 25 मई (रविवार) तक चलेगा। इसके अलावा 2026 सीजन 15 मार्च (रविवार) से 31 मई (रविवार) तक और 2027 का सीजन 14 मार्च (रविवार) से 30 मई (रविवार) तक आयोजित किया जाएगा। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, गुरुवार को फ्रेंचाइजी को भेजे गए ईमेल में, आईपीएल ने टूर्नामेंट की तारीखों को विंडो बताया, लेकिन संभावना है कि ये अंतिम तिथियां हो सकती हैं। 2025 के सीजन में 74 मैच होंगे, जो पिछले तीन सीजन के बराबर है। हालांकि, यह संख्या आईपीएल द्वारा 2022 में सूचीबद्ध 84 मैचों से दस कम है, जब 2023-27 चक्र के लिए मीडिया अधिकार बेचे गए थे। नए अधिकार चक्र के लिए निविदा दस्तावेज में, आईपीएल ने प्रति सत्र अलग-अलग मैचों की संख्या सूचीबद्ध की थीः 2023 और 2024 में 74-74 मैच, 2025 और 2026 में 84-84 मैच और 2027 में सौदे के अंतिम वर्ष के लिए अधिकतम 94 मैच। फ्रेंचाइज़ी को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, अधिकांश पूर्ण सदस्य देशों के विदेशी खिलाड़ियों को आईपीएल में अगले तीन वर्षों तक खेलने के लिए अपने-अपने बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। इसमें पाकिस्तान शामिल नहीं है, जिसके खिलाड़ी दोनों देशों की सरकारों के बीच राजनीतिक गतिरोध के कारण 2008 में उद्घाटन सत्र के बाद से आईपीएल में नहीं खेले हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व खिलाड़ियों ने केएल राहुल को आउट देने के तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाये

पर्थ। आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल को विकेट के पीछे कैच आउट दिये जाने के फैसले से विवाद खड़ा हो गया है और दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों ने मैदानी अंपायर के 'नॉट आउट' के फैसले को बदलने वाले तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाये हैं। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबरो ने राहुल के पक्ष में फैसला दिया था लेकिन मेजबान टीम ने डीआरएस लिया। तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने 'स्प्लिट स्क्रीन व्यू' देखे बिना यह फैसला बदल दिया। लंच से ठीक दस मिनट पहले यह सब हुआ और भारत ने चार विकेट 51 रन पर गंवा दिये। राहुल ने 74 गेंद में 26 रन बनाये और यह संकेत भी दिया कि गेंद के किनारे से गुजरने के समय उनका बल्ला पैड पर लगा था। राहुल हताशा में सिर हिलाते हुए मैदान से चले गए। फॉक्स क्रिकेट के लिये कमेंट्री कर रहे भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि मैदानी अंपायर का फैसला बदलने के लिये तीसरे अंपायर के पास पर्याप्त सबूत नहीं थे। उन्होंने कहा ,'' मेरी शुरूआती प्रतिक्रिया थी कि क्या तीसरे अंपायर के पास पर्याप्त सबूत थे जो उन्होंने मैदानी अंपायर का फैसला बदल दिया। मैदानी अंपायर ने उसे नॉट आउट दिया था। मुझे नहीं लगता कि यह फैसला बदलने के लिये पर्याप्त कारण थे। आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल हस्सी ने स्वीकार किया कि तीसरे अंपायर का फैसला विवादास्पद है। उन्होंने कहा ,'' यह विवादास्पद है। स्निकोमीटर पर स्पाइक था लेकिन यह नहीं पता कि वह बल्ले से गेंद टकराने का था या बल्ले से पैड टकराने का। आप देख सकते हैं कि बल्ला पैड पर लग रहा है। मेरे दिमाग में इसे लेकर संदेह है। इस फैसले को सौ फीसदी सही नहीं ठहराया जा सकता। निराशाजनक तो यह है कि तकनीक सही फैसले लेने के लिये है। आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने कहा ,'' राहुल का पैड और बल्ला गेंद के गुजरने के समय साथ में नहीं है। गेंद के किनारे से गुजरने के बाद बल्ला पैड से टकराया है। स्निको ने शायद वही आवाज पकड़ी है। हमें लग रहा है कि स्निको ने बल्ले से गेंद के टकराने की आवाज पकड़ी है लेकिन शायद ऐसा नहीं है। आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मार्क वॉ ने कहा कि यह काफी साहसिक फैसला है चूंकि हमने देखा है कि क्या हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि केएल राहुल को इसे स्वीकार करना होगा हालांकि वह खुश नहीं होगा। भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने ट्वीट किया ,'' तीसरे अंपायर ने एक और एंगल मांगा था जो नहीं दिया गया। अगर उन्हें यकीन नहीं था तो उन्होंने मैदानी अंपायर का फैसला क्यो बदला। उन्होंने कहा ,''तकनीक का खराब इस्तेमाल और सही प्रोटोकॉल का अनुसरण नहीं किया गया। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा कि अगर यकीन नहीं है तो आउट क्यो दिया। आईसीसी की एलीट पेनल के पूर्व अंपायर साइमन टोफ़ेल ने '7 क्रिकेट' से कहा कि हमने देखा कि स्निको पर स्पाइक था लेकिन वह बल्ले के पैड से टकराने का था।

पीवीआर आईनॉक्स अगले साल करीब 200 करोड़ रुपये के निवेश से 100 स्क्रीन जोड़ेगी

नयी दिल्ली। सिनेमा प्रदर्शक कंपनी पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड ने अगले साल करीब 100 स्क्रीन जोड़ने की योजना बनाई है, जिसमें करीब 200 करोड़ रुपये का निवेश होगा। कंपनी के कार्यकारी निदेशक संजीव कुमार बिजली ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने फिल्म खोजने और बुकिंग अनुभव के लिए कृत्रिम मेधा (एआई)संचालित व्हाट्सएप चैटबॉट, मूवी जॉकी (एमजे) पेश किया है। कंपनी की योजना भविष्य में हर साल 100 स्क्रीन जोड़ने की है। बिजली ने यहां कार्यक्रम में कहा, इस साल अब तक हमने करीब 70 स्क्रीन खोली हैं और करीब 45-50 स्क्रीन बंद कर दी हैं। हम इस साल करीब 40 और स्क्रीन जोड़ेंगे और 10-15 स्क्रीन बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि इस साल करीब 75 स्क्रीन बंद करने और करीब 120 स्क्रीन जोड़ने का विचार है। 'इसलिए हम सही रास्ते पर हैं। भविष्य की विस्तार योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर बिजली ने कहा, ़़अगले साल हम प्रति वर्ष करीब 100 स्क्रीन जोड़ने की सोच रहे हैं। निवेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगले साल 100 स्क्रीन के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय होगा। वर्तमान में, पीवीआर आईनॉक्स के पास भारतभर के 111 शहरों में 355 संपत्तियों में 1,744 स्क्रीन हैं।

बीएमडब्ल्यू इंडिया जनवरी से अपने मॉडलों की कीमत तीन प्रतिशत तक बढ़ाएगी

नयी दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू की भारतीय इकाई बीएमडब्ल्यू इंडिया अपने सभी मॉडलों की कीमत अगले साल जनवरी से तीन प्रतिशत तक बढ़ाएगी। कंपनी ने कहा कि नई दरें एक जनवरी, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी की स्थानीय रूप से निर्मित कारों की रेंज में 2-सीरीज ग्रैन कूप, 3-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 5-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 7-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, एक्स1, एक्स3, एक्स5, एक्स7 और एम340आई शामिल हैं। बीएमडब्ल्यू पूर्ण निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आई4, आई5, आई7, आई7 एम70, आईएक्स1, बीएमडब्ल्यू आईएक्स, जेड4 एम40आई, एम2 कूप जैसे मॉडल भी बेचती है। पिछले हफ्ते, मर्सिडीज-बेंज ने इनपुट लागत में वृद्धि, मुद्रास्फीति के दबाव और उच्च परिचालन व्यय का हवाला देते हुए एक जनवरी, 2025 से भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमतों में तीन प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की थी।

उत्तर रेलवे

ई ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ०रे०-मण्डल- वाणिज्य/उ०रे०
नीलामी सूची सं०/ लॉट सं०	**PnU-LKO-PFM-WRL-104-24-1** (Pay and Use Lounges/waiting/ Retiring/Cloak Rooms)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	12.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	27.11.2024 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	27.11.2024 at 10:30 hrs.
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	**E- Auction Module of www.ireps.gov.in**

No: Va-Vi/OOH/Publicity/24/KKG Dt. 22.11.2024 **3607/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी पर रहेंगी सभी की नजरें, बड़ौदा के लिए खेलेंगे हार्दिक पांड्या

एजेंसी

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या, मोहम्मद शमी जैसे सितारों की मौजूदगी और आईपीएल मेगा नीलामी के दौरान होने से शनिवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट पर सभी की नजरें रहेंगी। वैसे पांड्या को 24 और 25 नवंबर को सउदी अरब के जेद्दा में होने वाली आईपीएल नीलामी को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि मुंबई इंडियंस ने उन्हें टीम में बरकरार रखा है। शीर्ष क्रिकेटरों के व्यस्त नहीं होने पर घरेलू क्रिकेट खेलने की अनिवार्यता संबंधी बीसीसीआई की नीति के तहत पांड्या बड़ौदा के लिए खेलेंगे। उनका लक्ष्य फॉर्म में बने रहना और बड़ौदा को जीत दिलाने का होगा। वहीं बंगाल के लिये खेल रहे शमी अपनी मैच फिटनेस साबित करना चाहेंगे जिन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में सात विकेट लिये थे। उनकी नजरें ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाकी मैचों के लिये टीम में जगह बनाने पर लगी होंगी। इसके साथ ही आईपीएल नीलामी पर भी फोकस होगा चूंकि 34 वर्ष के शमी को गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया था। कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर (मुंबई) और युजवेंद्र चहल (हरियाणा) भी आईपीएल फ्रेंचाइजी को और प्रभावित करना चाहेंगे। नीलामी से ठीक पहले का असाधारण प्रदर्शन टीम प्रबंधन को अधिक प्रभावित करता है। कुछ सत्र पहले तमिलनाडु के शाहरूख खान ने कर्नाटक के खिलाफ आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खिताबी जीत दिलाकर अपने दमा बढा लिये थे। इस बार भी कई युवा खिलाड़ी अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ना चाहेंगे जिनमें बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल, कर्नाटक के अभिनव मनोहर , राजस्थान के मानव सुतार शामिल हैं।

पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर और अंपायर मोहम्मद नजीर का निधन

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर और अंपायर मोहम्मद नजीर का निधन हो गया है। नजीर जूनियर के नाम से मशहूर नजीर का लंबी बीमारी के बाद लाहौर में निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 14 टेस्ट और चार वनडे मैच खेले। उन्हें सबसे ज्यादा याद अक्टूबर 1969 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में की गई शानदार पारी के लिए किया जाता है। कराची में एक ऐसी पिच पर खेलते हुए जो शुरू से ही स्पिन लेती थी, नजीर ने अपनी पहली पारी में 99 रन देकर 7 विकेट चटकाए। इसके अलावा, उन्होंने बल्ले से नाबाद 29 रन बनाए और दूसरी पारी में भी 17 रन बनाकर नाबाद रहे। टेस्ट मैच ड्रॉ रहा, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मैच साबित हुआ, क्योंकि यह महान हनीफ मोहम्मद का आखिरी टेस्ट था, और उनके छोटे भाई सादिक का पहला।

भारत के खिलाफ मैच के लिए प्रधानमंत्री एकादश टीम में शामिल हुए बोलैंड, कोंस्टास, रेनशॉ

एजेंसी

मेलबर्न। स्कॉट बोलैंड कैनबरा में भारत के खिलाफ दो दिवसीय गुलाबी गेंद मैच में प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलेंगे, ताकि टेस्ट श्रृंखला के दौरान जरूरत पड़ने पर वह खुद को मैच के लिए तैयार रख सकें। सैम कोंस्टास, जिन्होंने भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला था, मैट रेनशॉ के साथ खेलेंगे, जिन्हें इस साल की शुरुआत में रिजर्व टेस्ट बल्लेबाज होने के बावजूद उस सीरीज के लिए नजरअंदाज कर दिया गया था। न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स टीम का नेतृत्व करेंगे। 30 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले मैच के लिए राज्य टीम के साथी ओली डेविस उनके साथ होंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, प्रधानमंत्री एकादश का मैच बेहद प्रतिभाशाली टीम के लिए दूसरे टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले एकमात्र मैच में मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ प्रभावित करने का अवसर प्रदान करता है। हम टेस्ट टीम के हिस्से के रूप में स्कॉट बोलैंड की मैच फिटनेस को बनाए रखने के अवसर का उपयोग कर रहे हैं। कोंस्टास ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के चार सदस्यों में से एक हैं, जिसने इस साल की शुरुआत में विश्व कप जीता था, जो तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन, चार्ली एंडरसन और एडेन ओ'कॉनर के साथ प्रधानमंत्री एकादश का हिस्सा होंगे। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने कहा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों वाली विश्व क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक भारत के खिलाफ खेलना टीम के लिए एक अद्‌भुत अनुभव होगा, खासकर यह जानते हुए कि दुनिया भर में लाखों प्रशंसक इस मैच को देखेंगे। यह मैच रोहित शर्मा के दौरे का पहला मैच होने की उम्मीद है, क्योंकि भारतीय कप्तान अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद पर्थ टेस्ट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। प्रधानमंत्री एकादश की टीम इस प्रकार है- जैक एडवर्ड्स (कप्तान), चार्ली एंडरसन, महली बियर्डमैन, स्कॉट बोलैंड, जैक क्लेटन, ऐडन ओ'कॉनर, ओली डेविस, जेडन गुडविन, सैम हार्पर, हैनो जैकब्स, सैम कोंस्टास, लॉयड पोप, मैट रेनशॉ मैथ्यू रेनशॉ, जेम रयान।

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ ने डब्ल्यूएसकेएल 2025 को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने आधिकारिक तौर पर विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) 2025 के आयोजन की अनुमति दे दी है। लीग का आयोजन दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी महासंघ (एसईएकेएफ) और थाईलैंड कबड्डी एसोसिएशन मिलकर करने जा रहा है। आईकेएफ ने डब्ल्यूएसकेएल की आयोजक संस्था एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को एक बधाई देते हुए एक नोट जारी किया, जिसमें कबड्डी के प्रति उनके समर्पण और दृष्टिकोण की सराहना की गई है। उन्होंने कहा, कबड्डी लीग शुरू करना छोटी बात नहीं है, इसके लिए न केवल खेल की गहरी समझ की आवश्यकता है, बल्कि इस पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने के लिए असाधारण कौशल और प्रतिबद्धता भी बेहद जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, आपके प्रयास युवा एथलीटों को प्रेरित करेंगे और कबड्डी के विकास और लोकप्रियता में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डब्लूएसकेएल में आईकेएफ सदस्य देशों के खिलाड़ी शामिल होंगे। मैदान पर आने से पहले खिलाड़ियों की नीलामी की जाएगी, जिससे न केवल खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि उनको प्रोत्साहन मिलने के साथ ही लीग को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट का दर्ज़ा भी प्राप्त होगा। दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी फ़ेडरेशन (एसईएकेएफ) ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को 15 साल की अवधि के लिए डब्लूएसकेएल आयोजित करने का पूर्ण और विशेष अधिकार प्रदान किया है, ताकि लीग के विकास और सफलता के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, थाईलैंड कबड्डी एसोसिएशन ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को लीग के एक मात्र और विशिष्ट निर्माता, संकल्पनाकर्ता और अधिकारधारक'' के रूप में भी समर्थन दिया है। 1एक्स स्पोर्ट्स डब्लूएसकेएल और लीग से संबंधित सभी ऑपरेशन का प्रबंधन करेगा।

गौतम, सात अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट और प्रत्यर्पण की हो सकती है कोशिश: अटॉर्नी

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अरबपति गौतम अदाणी और सात अन्य के खिलाफ करोड़ों डॉलर के रिश्वतखोरी मामले में अमेरिका द्वारा दीवानी और आपराधिक आरोप दायर किए जाने के बाद, यहां के एक प्रमुख वकील ने कहा है कि मामला काफी आगे बढ़ सकता है और इससे गिरफ्तारी वारंट और यहां तक कि प्रत्यर्पण के प्रयास भी हो सकते हैं। अमेरिकी न्याय विभाग ने भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अदाणी तथा उनके भतीजे सागर अदाणी सहित सात अन्य पर महंगी सौर ऊर्ज़ा खरीदने के लिए आंध्र प्रदेश और ओडिशा के अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इसमें अधिकारियों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। इन परियोजनाओं से समूह को 20 साल से अधिक समय में दो अरब डॉलर से अधिक लाभ होने का अनुमान है। हालांकि, अदाणी समूह ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोप 'निराधार' हैं और समूह 'सभी कानूनों का अनुपालन करता है। भारतीय-अमेरिकी वकील रवि बत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा, अमेरिकी अटॉर्नी ब्रायन पीस को अदाणी और सात अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने और उन देशों में उनकी सेवा करने का अधिकार है, जहां वे रहते हैं। उन्होंने कहा, अगर उस देश के पास, जैसा कि भारत के पास है, प्रत्यर्पण संधि है, तो संप्रभु राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय अनुबंध के अनुसार, निवासी राष्ट्र को अमेरिका द्वारा प्रत्यर्पित व्यक्ति को सौंपना चाहिए। एक प्रक्रिया है जिसका निवासी राष्ट्र को अपने कानूनों के अनुरूप पालन करना चाहिए। बत्रा ने कहा कि अंततः प्रत्यर्पण अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों के अभाव में होता है, जैसा कि चिली के पूर्व राष्ट्रपति ऑगस्टो पिनोशे के मामले में हुआ था।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने के भाव में तेजी, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में आज 300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये से लेकर 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये से लेकर 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह आज चांदी के भाव में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नागरिकों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना जरूरी: मुर्मू

एजेंसी

हैदरबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना आवश्यक है।

श्रीमती मुर्मू ने शुक्रवार को हैदराबाद में संस्कृतिक उत्सव लोकमंथन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत में एकता के धागे को मजबूत करने का यह एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी नागरिकों को भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को समझना चाहिए और हमारी अमूल्य परंपराओं को मजबूत करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा विविधता हमारी मौलिक एकता को सुंदरता का इंद्रधनुष प्रदान करती है। चाहे हम वनवासी हों, ग्रामीण हों, नगरवासी हों, हम सभी भारतीय हैं। राष्ट्रीय एकता की यही भावना तमाम चुनौतियों के बावजूद हमें एकजुट रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को बांटने और कमजोर करने की कोशिशें सदियों से होती रही हैं। देश की एकता को तोड़ने के लिए कृत्रिम भेद पैदा किये गये हैं, लेकिन, भारतीयता की भावना से ओत-प्रोत नागरिकों ने राष्ट्रीय एकता की मशाल जला रखी है। राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारतीय विचारधारा का प्रभाव दुनिया में दूर-दूर तक फैला हुआ है। भारत की धार्मिक मान्यताएँ, कला, संगीत, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा प्रणालियाँ, भाषा और साहित्य की सराहना पूरे विश्व में की गई है। भारतीय दार्शनिक प्रणालियाँ सबसे पहले विश्व समुदाय को आदर्श जीवन मूल्यों का उपहार देने वाली थीं। पूर्वजों की उस गौरवशाली परंपरा को मजबूत करना हमारा दायित्व है। राष्ट्रपति ने कहा कि सदियों से साम्राज्यवाद और औपनिवेशिक शक्तियों ने न केवल भारत का आर्थिक शोषण किया, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी नष्ट करने का प्रयास किया। जिन शासकों ने हमारी समृद्ध बौद्धिक परंपरा को हेय दृष्टि से देखा, उन्होंने नागरिकों में सांस्कृतिक हीनता की भावना पैदा की। भारतीयों पर ऐसी परंपराएँ थोप दी गईं, जो हमारी एकता के लिए हानिकारक थीं। सदियों की पराधीनता के कारण नागरिक गुलामी की मानसिकता के शिकार हो गये। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोकमंथन इस भावना को मजबूत बना रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में सिनेमा में महिलाओं के लिए अधिक अवसर : नित्या मेनन

एजेंसी

पणजी। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित अभिनेत्री नित्या मेनन ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में फिल्म उद्योग जगत में अभिनेत्रियों के प्रति अधिक स्वीकार्यता बढ़ी है और सिनेमा में महिलाओं के लिए अधिक अवसर हुए हैं एवं सम्मान भी बढ़ा है।

अभिनेत्री नित्या मेनन ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के 55वें संस्करण में गुरूवार को अभिनय कला के बारे में अपनी गहन अंतर्दृष्टि साझा की। नित्या ने गोवा के पणजी में आयोजित इफ्फी की कला अकादमी में 'चरित्र एवं अभिनेताः सूक्ष्मता की शक्ति' विषय पर एक संवाद सत्र को संबोधित किया। थिरुचित्राम्बलम और ओके कनमनी जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली तथा राष्ट्रीय पुरस्कार की विजेता नित्या मेनन ने सूक्ष्मता की शक्ति, भावनात्मक प्रामाणिकता के महत्व एवं जटिलता एवं वास्तविक दुनिया के चरित्रों को प्रदर्शित करने में आने वाली चुनौतियों के बारे में चर्चा की।

नित्या मेनन ने फिल्मों के चयन की अपनी प्रक्रिया और अतीत में 'हल्के' किरदार निभाने के लिए आलोचना का सामना करने जैसे मुद्दों को सामने रखते हुए चर्चा शुरुआत की। उनके लिए अभिनय भावनात्मक जुड़ाव के बारे में है, जरूरी नहीं कि यह व्यक्तिगत अनुभव के बारे में हो। नित्या ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक मां का किरदार निभाने के लिए सजीव अनुभव की बजाय सहानुभूति और भावनात्मक गुणांक (ईक्यू) की आवश्यकता होती है।

नित्या मेनन ने कहा कि कठोरता और आत्मविश्वास की कमी एक अभिनेता के प्रदर्शन में बाधा डालते हैं। उन्होंने कहा कि लचीलापन और साथ में लोगों तथा अनुभवों के प्रति खुलापन होना बहुत जरूरी है। इसके अलावा आत्मविश्वास का होना भी बड़ा आवश्यक है। नित्या ने शांत वातावरण के महत्व पर भी जोर दिया, जिससे अभिनेता या अभिनेत्री को व्यस्त कार्यक्रम के दबाव के बिना अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में मदद मिल सके। वह अपने हृदय-केंद्रित दृष्टिकोण और भावनात्मक खुलेपन को विभिन्न संस्कृतियों एवं क्षेत्रों के दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ने की अपनी क्षमता का श्रेय देती हैं, जिससे उनका प्रदर्शन सार्वभौमिक रूप से प्रासंगिक बन जाता है। नित्या मेनन ने इस तथ्य का भी उल्लेख किया कि एक अभिनेता की आंतरिक भावनाओं या चरित्र का उसके द्वारा निभाए जाने वाले पात्रों पर अधिक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि पहले मेरे लिए दुःख व्यक्त करना या रोना आसान था, क्योंकि मेरा मानना ??है कि मेरे अंदर बहुत पीड़ा थी। नित्या मेनन ने कहा कि कुछ भावनात्मक दृश्य होते थे, जो मुझे शांत कर देते थे और शॉट या दृश्य खत्म होने के बाद मैं बहुत राहत महसूस करती थी। उन्होंने कहा कि आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे रोना मुश्किल लगता है। हो सकता है कि मैं जैसे-जैसे बड़ी हो रही हूं, वैसे-वैसे एक खुशमिजाज इंसान बन रही हूं।

उत्तर भारत में प्रदूषण के संकट से मिलकर निपटने की जरूरत : राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि प्रदूषण उत्तर भारत के लिए एक बड़ा संकट बन गया है जो बच्चों का भविष्य छीन रहा है और लाखों जिंदगियों को निगल रहा है इसलिए इसके खिलाफ मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

श्री गांधी ने कहा कि अगले सप्ताह से संसद का शीतकालीन सत्र शुरु हो रहा है।इस संकट से निपटने के लिए संसद में इस बारे में विचार करके समस्या के निदान के लिए मिलकर जरूरी कदम उठाने की आवश्यकता है। उनका कहना था कि यह संकट कितना बड़ा है सांसदों की आंखों की जलन और गले में खरास इसकी याद दिलाएगा। उत्तर भारत में वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय आपातकाल बन गया है-एक ऐसा सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट जो हमारे बच्चों का भविष्य छीन रहा है और बुजुर्गों का दम घोंट रहा है। यह एक पर्यावरणीय और आर्थिक आपदा है जिसके कारण अनगिनत जिंदगियां बर्बाद हो रही हैं। हममें से सबसे गरीब लोगों को सबसे अधिक परेशानी होती है, वे अपने चारों ओर फैली जहरीली हवा से बच नहीं पाते हैं। परिवार स्वच्छ हवा के लिए हांफ रहे हैं, बच्चे बीमार पड़ रहे हैं और लाखों जिंदगियां खत्म हो रही हैं।

पर्यटन घट रहा है और हमारी वैश्विक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच रही है। कंग्रेस नेता ने कहा, प्रदूषण का बादल सैकड़ों किलोमीटर तक फैला हुआ है। इसे साफ करने के लिए सरकारों, कंपनियों, विशेषज्ञों और नागरिकों की ओर से बड़े बदलाव और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता होगी। इसको लेकर राजनीतिक दोषारोपण करने की नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक कदम उठाने की जरूरत है।

एनजीटी का एमसीडी-डीजेबी को आदेश, दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में नालों सफाई सुनिश्चित करें

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को राष्ट्रीय राजधानी के ग्रेटर कैलाश कॉलोनी के नाले की दुर्व्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उन्हें व्यवस्था में सुधार के करने का निर्देश दिया है।

एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली प्रधान पीठ ने यह आदेश 'ग्रेटर कैलाश रेजिडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन-1 नॉर्थ ब्लॉक' द्वारा दायर एक हस्तक्षेप याचिका पर सुनवाई के बाद गुरुवार को पारित किया। एनजीटी ने डीजेबी और एमसीडी को सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि दिल्ली के ग्रेटर कैलाश क्षेत्र के संबंधित बरसाती नालों के ढक्कन पूरी तरह से खोल दें, ताकि न केवल सफाई और गाद निकालने में आसानी हो, बल्कि संदिग्ध जहरीली गैस या दुर्गंध को आसानी से बाहर निकलने में भी मदद मिले। ग्रेटर कैलाश रेजिडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन-1 नॉर्थ ब्लॉक ने अपने एक? आवेदन में कहा था कि यहां के निवासी पिछले 25 वर्षों से अवैध और अनधिकृत रूप से वर्षा जल या स्टॉर्म वॉटर ड्रेन में अनुपचारित सीवेज के प्रवाह से पीड़ित हैं। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों ने मकान संख्या बी-159 से बी-187 तक के नाले पर ढक्कन नहीं लगाया है, जबकि नाले के बाकी हिस्से को ढक दिया गया है। खुला हिस्सा चिमनी की तरह काम करता है। जहां से बेहद अप्रिय और जहरीली गैसें निकलती हैं। आवेदकों ने कहा था कि जहरीली और संदिग्ध गैस सीधे घरों के रसोई/शयनकक्षों में प्रवेश करती हैं, जिससे जीवन 24 घंटे सातों दिन नरक बन जाता है। उन्होंने 2004, 2006, 2008 और 2010 में दिल्ली उच्च न्यायालय में रिट याचिकाएँ भी दायर कीं। दिल्ली उच्च न्यायालय में अवमानना और झूठी गवाही की कार्यवाही भी शुरू की गई। एसोसिएशन ने एनजीटी के समक्ष इसने कहा कि पहले पूरा बरसाती नाला खुला हुआ था, जिसमें डीजेबी स्थानीय नालों से अनुपचारित सीवेज के प्रवाह की अनुमति दे रहा था।

पीठ के सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल द्वारा लिखे गए फैसले में प्रतिवादियों को निर्देश दिया गया कि उनके आदेशों का समयबद्ध तरीके से पालन किया जाना चाहिए। एनजीटी ने कहा कि परिणामों और नतीजों की अगले एक महीने में जांच की जाएगी कि क्या यह पूरी समस्या का समाधान करता है या नहीं। यदि समस्या हल हो जाता है, तो किसी अन्य कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है। आदेश में कहा कि यदि इन कदमों से समस्या का समाधान नहीं होता है।

सीबीआई, ईडी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाले के मामलों में जमानत की शर्तों में शामिल जांच अधिकारी के समक्ष हाजिरी लगाने में ढील देने की दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की याचिका पर शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने श्री सिसोदिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी की दलीलें सुनने के बाद दोनों केंद्रीय एजेंसियों को अपना-अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में दो सप्ताह बाद विचार करेगी। साथ ही, यह स्पष्ट किया कि वह अगली सुनवाई की तारीख पर आवेदन पर फैसला करेगी। श्री सिंघवी ने अपनी दलील में कहा कि वह (सिसोदिया) सम्मानित व्यक्ति हैं। अदालती आदेश का पालन करते हुए वह संबंधित जांच अधिकारी के समक्ष लगभग 60 बार पेश हो चुके हैं। उन्होंने मामले में सुनवाई की नजदीकी तारीख मुकर्रर करने की अदालत से गुहार लगाई, क्योंकि उन्हें डर है कि दूसरा पक्ष (ईडी- सीबीआई) मामले में स्थगन की मांग कर सकता है। शीर्ष अदालत ने नौ अगस्त, 2024 को आरोपी सिसोदिया को - सीबीआई और ईडी- दोनों मामलों में जमानत दे दी थी। शीर्ष अदालत ने जमानत मंजूर करते समय पाया था कि मुकदमे में देरी और लंबे समय तक जेल में रहने से संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता के उनके (सिसोदिया) अधिकार पर असर पड़ता है। शीर्ष अदालत ने जमानत की शर्तों में सिसोदिया को हर सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 से 11 बजे के बीच जांच अधिकारी के सामने पेश होने का आदेश दिया था।

पेज एक का शेष

मोदी को कनाडाई धरती...

'हालांकि, कनाडा सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी, मंत्री जयशंकर या एनएसए डोभाल को कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से जोड़ने वाले सबूतों के बारे में कुछ नहीं कहा है और न ही उसे इसकी जानकारी है। इसके विपरीत की जा रही हर बात अटकलबाजी और गलत है। 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस' (आरसीएमपी) आयुक्त माइक डुहेम ने 14 अक्टूबर को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय सरकार के ''एजेंट'' से जुड़े ''सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित खतरे, व्यापक हिंसा और हत्याओं के संबंध में सचेत किया'' था। डुहेम के संवाददाता सम्मेलन के कुछ घंटों बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संवाददाताओं से कहा था, ''मेरा मानना है कि भारत ने कनाडाई लोगों पर हमला करने, उन्हें अपने घर में असुरक्षित महसूस कराने और हिंसा एवं यहां तक कि हत्या की वारदातों को अंजाम देने के लिए अपने राजनयिकों और संगठित अपराध का इस्तेमाल का चुनाव कर एक बड़ी गलती की है। यह अस्वीकार्य है। कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने 26 अक्टूबर को आरोप लगाया था कि गृह मंत्री अमित शाह ने कनाडा में रह रहे सिख अलगाववादियों को निशाना बनाकर हिंसा करने, धमकाने और खुफिया जानकारी जुटाने का अभियान चलाने का आदेश दिया है। नयी दिल्ली में बुधवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'द ग्लोब एंड मेल' की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा था कि ऐसे ''हास्यास्पद बयानों'' को उसी तरह से खारिज किया जाना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा था, ''इस तरह के बदनाम करने वाले अभियान पहले से ही तनावपूर्ण हमारे संबंधों को और नुकसान पहुंचाते हैं। खालिस्तानी अलगाववादियों को कनाडा द्वारा कथित रूप से समर्थन दिए जाने और भारत पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाए जाने के कारण भारत और कनाडा के संबंध काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। निज्जर की पिछले वर्ष जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

महाकुम्भ के लिए...

इंडोनेशिया और मॉरिशस के साथ ही अन्य राष्ट्रों में भी रोड शो होगा। रोड शो का खर्च भी नगर विकास विभाग वहन करेगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शहर में रोड शो पर 20 से 25 लाख का खर्च आएगा। फिक्की और सीआईआई को इस रोड शो में पार्टनर बनाया जाएगा। मंत्री ए के शर्मा ने बताया कि महाकुम्भ के लिए सरकार ने 220 वाहन खरीदने का फैसला लिया है। इसके लिए 27.48 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे। इनमें 40 महिन्द्रा बोलेरो नियो, 160 बोलेरो बी6 बीएसवीआई और 20 बसों की खरीद की जाएगी।

71 महाविद्यालयों में ...

का पत्थर साबित होंगे। बैठक के बाद उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि विभाग के द्वारा वर्तमान में 171 राजकीय महाविद्यालय संचालित हैं। इनमें 71 महाविद्यालय नवनिर्मित अथवा निर्माणाधीन हैं। इनमें से 17 संगठक महाविद्यालय के रूप में चयनित थे। पहले विश्वविद्यालयों द्वारा इनका संचालन किया जाता था। पिछले दिनों कुछ विश्वविद्यालयों द्वारा इनके सुचारू संचालन को लेकर असमर्थता जाहिर की गई थी। जिसके बाद ये प्रस्ताव लाया गया कि 71 महाविद्यालयों का संचालन अब सीधे सीधे प्रदेश सरकार करेगी। अबतक इनमें संविदा के आधार पर लोग रखे जाते थे, अब सभी 71 महाविद्यालयों में 71 प्राचार्य के पद और प्रत्येक महाविद्यालय में 16-16 के आधार पर 1136 सहायक आचार्य के पद, 639 क्लास थ्री और 710 क्लास फोर के पद सृजत होंगे। इससे रोजगार के अवसर मिलेंगे साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि बिजनौर में विवेक विश्वविद्यालय को संचालन का प्राधिकार पत्र प्रदान किया गया है। इससे अब प्रदेश में एक और निजी विश्वविद्यालय का संचालन शुरू होगा। इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा, जिससे सरकारी विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि यूपी में पिछले दो-ढाई साल में सर्वाधिक ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय उभर कर सामने आए हैं। फिलहाल नैक ग्रेडिंग में यूपी के 7 विश्वविद्यालय ए डबल प्लस, 4 ए प्लस हैं। इसके साथ ही 6 निजी विश्वविद्यालय ए प्लस और 4 निजी विश्वविद्यालय ए ग्रेड में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि पहले यूपी का पहले कोई भी विवि टॉप 500 में भी नहीं था। आज टॉप 100 में प्रदेश के 3 विवि आ गये हैं। मंत्री ने बताया कि योगी सरकार का लक्ष्य अगले 5 साल में प्रदेश के सभी जिलों में एक-एक विश्वविद्यालय खोलने का है।

विस चुनाव...

4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं। झारखंड के 81 विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव के लिए 23 नवम्बर को सुबह 8 बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना होगी। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने आज यहां बताया कि मतगणना की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है।राज्य में 29563 बूथ पर संपन्न हुए मतदान की गिनती 13 से 27 राउंड तक होगी।इसके अलावा पोस्टल बैलेट से वोटों की गिनती के लिए 719 टेबल अलग से लगाए गए हैं। इस चुनाव में 2.5 लाख से अधिक पोस्टल से वोटिंग हुई हैं। राज्य में दो चरणों में संपन्न विधानसभा चुनाव में 1.76 करोड़ मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया हैं। राज्य विधानसभा चुनाव का वोटिंग परसेंट 67.74 रहा लेकिन इसमें अभी पोस्टल बैलेट से हुई वोटों को जोड़ना बचा हैं।पहले चरण में 91 लाख 37 हजार मतदाताओं ने वोट किया। जिसमें 44 लाख 17 हजार पुरुष और 47 लाख 20 हजार महिला वोटर शामिल थी।वहीं दूसरे चरण में 85 लाख 43 हजारा मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 41 लाख 46 हजार पुरुष और 43 लाख 96 हजारा महिला वोटर शामिल थी।दोनों चरणों में महिला वोटर की भागीदारी पुरुषों के मुकाबले अधिक रही।

आपातकाल में संसद...

लाभ हुआ है।'' न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि समाजवाद शब्द का इस्तेमाल दुनिया भर में अलग-अलग संदर्भों में किया जाता है और भारत में इसका मतलब है कि राज्य कल्याणकारी है और उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने 1994 के 'एस आर बोम्मई' मामले में ''धर्मनिरपेक्षता'' को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा माना था। अधिवक्ता जैन ने दलील दी कि संविधान में 1976 का संशोधन लोगों की बात सुने बिना पारित किया गया था, क्योंकि यह आपातकाल के दौरान पारित किया गया था और इन शब्दों को इसमें शामिल करने का अर्थ होगा लोगों को विशिष्ट विचारधाराओं का पालन करने के लिए मजबूर करना। जैन ने इस मुद्दे को एक बड़ी पीठ को भेजने का अनुरोध करते हुए कहा, ''जब प्रस्तावना एक कट-ऑफ तिथि के साथ आती है, तो इसमें नए शब्द कैसे जोड़े जा सकते हैं?'' एक अन्य याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि वह ''समाजवाद'' और ''धर्मनिरपेक्षता'' की अवधारणाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन प्रस्तावना में इन्हें शामिल किये जाने का विरोध करते हैं। पीठ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 368 संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति प्रदान करता है और यह शक्ति प्रस्तावना तक भी विस्तारित है। अदालत ने कहा, ''प्रस्तावना संविधान का अभिन्न अंग है। यह अलग नहीं है। पीठ ने यह स्पष्ट किया कि अदालत इसकी समीक्षा नहीं करेगी कि 1976 में लोकसभा संविधान में संशोधन नहीं कर सकती थी तथा प्रस्तावना में संशोधन करना संविधान प्रदत्त शक्ति थी, जिसका प्रयोग केवल संविधान सभा द्वारा किया जा सकता था। उपाध्याय ने न्यायालय से अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल के विचार सुनने का आग्रह करते हुए दलील दी कि 42वें संशोधन को राज्यों द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया। एक अलग याचिका दायर करने वाले पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि बाद में जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भी इन शब्दों को प्रस्तावना में शामिल करने का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि क्या इसे प्रस्तावना में एक अलग पैराग्राफ के रूप में जोड़ा जाना चाहिए। स्वामी ने कहा कि यह नहीं कहा जाना चाहिए कि 1949 में इसे समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष के रूप में अपनाया गया था। स्वामी ने कहा, ''न केवल आपातकाल के दौरान संसद ने इसे अपनाया, बल्कि बाद में जनता पार्टी सरकार की संसद ने भी दो तिहाई बहुमत से इसका समर्थन किया, जिसमें समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के इस विशेष पहलू को बरकरार रखा गया। उन्होंने कहा, ''यहां मुद्दा केवल इतना है- क्या हम यह मानेंगे कि इसे एक अलग पैराग्राफ के रूप में होना चाहिए, क्योंकि हम यह नहीं कह सकते कि 1949 में इन शब्दों को अपना लिया गया था। इसलिए, एकमात्र मुद्दा यह रह जाता है कि इसे स्वीकार करने के बाद, हम मूल पैराग्राफ के नीचे एक अलग पैराग्राफ रख सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने 21 अक्टूबर को कहा था कि धर्मनिरपेक्षता को सदैव भारतीय संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न अंग माना गया है तथा ''समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्दों को पश्चिमी अवधारणा की तरह नहीं माना जाना चाहिए। नौ फरवरी को शीर्ष अदालत ने पूछा था कि क्या संविधान की प्रस्तावना में संशोधन किया जा सकता है, जबकि इसकी स्वीकृति की तिथि 26 नवंबर, 1949 को बरकरार रखा जा सकता है। इससे पहले सितंबर, 2022 में शीर्ष अदालत ने स्वामी की याचिका को 'बलराम सिंह और अन्य' द्वारा दायर अन्य लंबित मामलों के साथ सुनवाई के लिए संबद्ध किया था। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्दों को हटाने का अनुरोध किया था। स्वामी की दलील में कहा गया कि प्रस्तावना न केवल संविधान की आवश्यक विशेषताओं को, बल्कि उन मौलिक शर्तों को भी इंगित करती है, जिनके आधार पर इसे एकीकृत समुदाय बनाने के लिए अपनाया गया था।

सुकमा मुठभेड...

की घेराबंदी और तलाश के लिए निकली थी। जवानों को सूचना मिली थी कि कई नक्सली ओडिशा के रास्ते छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर रहे हैं। बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) पी सुंदरराज ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुकमा जिले में आज सुबह सुरक्षाबलों ने एक बड़ी कार्रवाई में 10 नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार नक्सलवाद के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, बस्तर में विकास, शांति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बस्तर में शांति , विकास और प्रगति का दौर लौट आया है। उन्होंने सुरक्षा बलों को उनके अदम्य साहस और समर्पण के लिए बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का सफाया निश्चित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तय किये गये मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलियों के सफ़ाये के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में हम सुनियोजित तरीक़े से आगे बढ़ रहे हैं।

भाई-भतीजावाद...

है, उसकी ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ हम राज्य के लिए ले रहे हैं। कोई सरकारी नौकरी के माध्यम से कोई स्टार्टअप के माध्यम से कोई एमएसएमई के माध्यम से जीवन के अलग-अलग फील्ड में जा करके वह अपना योगदान दे रहा है। सीएम योगी ने कहा कि नवनियुक्त 701 वन दरोगाओं में 140 महिलाएं शामिल हैं, जो महिला आरक्षण नीति के तहत किए गए प्रयासों का प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह हमारी प्रतिबद्धता है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में समान अवसर प्रदान किए जाएं। महिलाओं की भागीदारी पर्यावरण संरक्षण के अभियान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश की सभी भर्ती प्रक्रिया में 20 प्रतिशत महिलाओं का चयन कर रह है। आगमी पुलिस भर्ती में भी बड़ी संख्या में महिलाओं का चयन सुनिश्चित किया जाएगा। सीएम योगी ने ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसे मुद्दों को आज के समय की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि लखनऊ समेत प्रदेश के कई क्षेत्रों में हाल ही में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। यह स्थिति हमें चेतावनी देती है कि हमें पर्यावरण के प्रति और अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने वन विभाग को पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि समस्या मानवजनित है तो समाधान भी मानव को ही ढूंढना होगा। उन्होंने वन विभाग के कर्मचारियों को पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करने और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी। सीएम योगी ने प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों पर प्रकाश डालते हुए वन विभाग को इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक हमारे पर्यावरण, वन्यजीवों, और जल स्त्रोतों के लिए गंभीर संकट खड़ा कर रहा है। इसे रोकने के लिए बड़े पैमाने पर सामुदायिक सहयोग और जागरूकता अभियान जरूरी है। हमें लोगों को प्लास्टिक के विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा और इसके दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना होगा। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े सात वर्षों में 200 करोड़ से अधिक वृक्ष लगाए गए हैं, जिनमें से 75% वृक्ष जीवित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सफलता सरकार की सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने की नीति का परिणाम है। जब जन आंदोलन किसी अभियान का हिस्सा बनता है, तो उसकी सफलता निश्चित होती है। यही रणनीति हमें वन और पर्यावरण संरक्षण में भी अपनानी होगी। उन्होंने वन विभाग को स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय बनाकर वृक्षारोपण और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वनों का संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं है। यह जनभागीदारी के बिना संभव नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन्यजीव संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वन और वन्यजीव हमारे पर्यावरण का अभिन्न हिस्सा हैं। हमें वनों और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। इसके साथ ही, इको-टूरिज्म को बढ़ावा देकर इसे एक आर्थिक अवसर के रूप में विकसित किया जा सकता है। सीएम योगी ने वन विभाग के कर्मियों को निर्देश दिया कि वे स्थानीय समुदायों को इको-टूरिज्म के महत्व और वन्यजीव संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम ला सकते हैं। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त वन दरोगाओं से कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल वनों और पर्यावरण की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। उन्हें वन्यजीवों के संरक्षण, जैव विविधता को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि वन विभाग का हर कर्मचारी एक पर्यावरण प्रहरी है। आपकी भूमिका केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आपको गांवों और समुदायों तक पहुंचकर उन्हें पर्यावरण संरक्षण की अहमियत समझानी होगी। सीएम योगी ने कहा कि वन विभाग को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने 701 वन दरोगाओं की नियुक्ति को इस दिशा में एक बड़ा कदम बताया और भरोसा जताया कि ये कर्मी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश को पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

मोदी ने पांच दिन...

ने सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, मिस्र, अमेरिका और स्पेन के नेताओं और यूरोपीय संघ के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों और अधिकारियों के साथ अनौपचारिक बातचीत और बैठकें कीं जिनमें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, विश्व व्यापार संगठन के प्रमुख न्गोजी ओकोन्जो-इवेला, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेब्रेयसस, और आईएमएफ की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा और गीता गोपीनाथ शामिल हैं। गुयाना में श्री मोदी ने गुयाना, डोमिनिका, बहामास, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, बारबाडोस, एंटीगुआ और बारबुडा, ग्रेनेडा और सेंट लूसिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

कृषि मंत्री ने जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार से मांगा विशेष बजट

- केन्द्रीय कृषि मंत्री ने की आईसीएआर की वर्चुअली बैठक
- उत्तराखंड की कृषि चुनौतियों और समाधान पर हुई चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राज्य के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ बैठक में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार से विशेष बजट मांगा। इस दौरान मंत्री जोशी ने प्रदेश की कृषि समस्याओं के समाधान के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। शुक्रवार को 28वीं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) क्षेत्रीय समिति-प्रथम की बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की। बैठक में उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी भी सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जुड़े और अपनी बात रखी। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किसानों की फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए घेरबाड़ बनाने के लिए विशेष बजट की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जंगली जानवरों के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है, जिससे उनकी खेती में रुचि कम होती जा रही है। मंत्री ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि पूर्व में प्रदान किए जाने वाले बजट को फिर से बहाल किया जाए। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में उगाए जाने वाले तुमड़ी आलू की पारंपरिक खेती पर शोध होना चाहिए।

उन्होंने इस फसल की बढ़ती मांग और इसमें संभावनाओं को उजागर करते हुए इसे बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की परंपरागत फसलें जैसे मंडुवा, सांवा, काला भट्ट, तोर, और राजमा को जीआई टैग प्रदान किया गया है। इन फसलों के बीजों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने और कीट व्याधि नियंत्रण के लिए जैव रसायन विकसित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उर्द और अरहर जैसी दलहन की नई प्रजातियों को विकसित करने का सुझाव दिया। इसके साथ ही जंगल के अवशेष से जैविक खाद बनाने के लिए शोध की जरूरत को रेखांकित किया। कृषि मंत्री ने क्षेत्रीय समिति-प्रथम की बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस प्रयास से क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं के अनुरूप शोध कार्य करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर सचिव कृषि एसएन पांडेय, कृषि महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, निदेशक कृषि केसी पाठक, डायरेक्टर उद्यान दीप्ति भट्ट सहित अन्य राज्यों के कृषि मंत्री, वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार ने खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों के मानदेय में की वृद्धि

- 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए शासन ने जारी किया संशोधित आदेश
- खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को मिलेंगी बेहतरीन सुविधाएं : रेखा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में 28 जनवरी 2025 से 14 फरवरी 2025 तक आयोजित होने जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है। खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शासन ने एक संशोधित आदेश जारी किया है। इसमें प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, आवश्यक संसाधनों और मानदेयों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए शुक्रवार को प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि यह संशोधित आदेश उत्तराखंड के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इससे न केवल खिलाड़ियों की तैयारियों को बल मिलेगा, बल्कि उनका प्रदर्शन भी बेहतर होगा। उत्तराखंड सरकार का यह कदम राष्ट्रीय खेलों में राज्य के प्रदर्शन को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। खेल मंत्री ने विश्वास जताया कि इस निर्णय से खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बेहतरीन सुविधाएं मिलेंगी और उत्तराखंड खेलों में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। यही नहीं, देवभूमि के साथ खेल प्रतिभाओं की भूमि के नाम से उत्तराखंड की ख्याति होगी। संशोधित आदेश के तहत खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के आवास का खर्च 150 से बढ़ाकर 800 प्रतिदिन कर दिया गया है। अब खिलाड़ियों को भोजन भत्ता 250 की बजाय 480 प्रतिदिन दिया जाएगा। स्पोर्ट्स किट, ट्रैक सूट, जूते, और अन्य आवश्यक सामग्री के लिए पांच हजार रुपये की पूर्व सीमा को यथावत रखा गया है। खेल सामग्री के बजट को 25 हजार से बढ़ाकर तीन लाख कर दिया गया है। मैदान की मरम्मत, लेखन सामग्री और अन्य जरूरतों के लिए 25 हजार की सीमा को बढ़ाकर 40 हजार रुपये कर दिया गया है। यात्रा खर्च 1500 से बढ़ाकर दो हजार रुपये प्रति व्यक्ति किया गया है। खेल मंत्री ने बताया कि खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने वाले प्रशिक्षकों और सपोर्टिंग स्टाफ के मानदेय में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। हेड कोच का मानदेय 75 हजार से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है। सहायक प्रशिक्षक का मानदेय 40 हजार से बढ़ाकर 80 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। अन्य सपोर्ट स्टाफ जैसे फिजियोथेरेपिस्ट, मनोवैज्ञानिक और पोषण विशेषज्ञ का मानदेय 60 हजार प्रति माह कर दिया गया है। मसाजर का मानदेय 40 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है।

अमन अरोड़ा बने पंजाब आआपा के प्रदेश अध्यक्ष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी में शुक्रवार को अचानक से बड़ा फ़ेरबदल हुआ है। आम आदमी पार्टी ने कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्वयं अपने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। इससे पहले भगवंत मान ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। उन्होंने अक्टूबर माह के दौरान संगठन की मजबूती के लिए बदलाव के संकेत दिए थे। जिसके बाद शुक्रवार को भगवंत मान ने कहा कि कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को पंजाब में आम आदमी पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है, जबकि विधायक अमनशेर सिंह शैरी कलसी को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। मान ने कहा कि मुझे अपने दोनों साथियों पर पूरा विश्वास है कि वे आने वाले समय में पार्टी और संगठन को पंजाब में मजबूत करेंगे और नई ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे।

पहाड़ों की रानी मसूरी को पर्यावरण अनुकूल बनाएगा शटल सेवा, पर्यटकों की राह होगी सुगम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पहाड़ों की रानी मसूरी की सड़कों पर जाम से होने वाली परेशानियों का समाधान जल्द ही होने जा रहा है। जिला प्रशासन ने मसूरी में शटल सेवा शुरू करने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस योजना के तहत नगर पालिका परिषद मसूरी ने टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से किंग्रेग टैक्सी एसोसिएशन को शटल सेवा संचालन के लिए चुना है।

मसूरी में हर साल लाखों पर्यटक पहुंचते हैं। यहां लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या का हल नहीं हो पा रहा था।इसके समाधान के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल ने शटल सेवा शुरू करने का निर्देश दिया था। उन्होंने हाथीपांव बैंड, क्रिंग्रेग पार्किंग और मसूरी मॉल रोड जैसे प्रमुख स्थानों का निरीक्षण करते हुए यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के आदेश दिए थे।

इस दिशा में तेजी से काम करते हुए उपजिलाधिकारी मसूरी और नगरपालिका परिषद ने शटल सेवा के संचालन का मार्ग प्रशस्त किया। जिला प्रशासन की यह पहल मसूरी को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और सुगम पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि मसूरी में जाम की समस्या को हल करने और पर्यटकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए यह पहल की गई है। इससे न केवल यातायात व्यवस्था सुगम होगी, बल्कि पर्यावरण और स्थानीय लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस शटल सेवा का उद्देश्य न केवल ट्रैफिक जाम को नियंत्रित करना है, बल्कि पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को सुगम व सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करना भी है। इसके अलावा अनावश्यक वाहन आवाजाही में कमी आने से पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मसूरी की शटल सेवा को दो श्रेणिणों में बांटा गया है। इसकी कैटेगरी ए में एसयूवी और बड़ी कारें जैसे इनोवा, स्कॉर्पियो, आर्टिगा और एक्सयूवी जैसे वाहन और कैटेगरी बी में सेडान कारें स्विफ्ट डिजायर, मारुति सियाज, होंडा सिटी, होंडा अमेज, वरना और हुंडई औरा जैसी कारों को शामिल किया गया है।

शटल सेवा के लिए मुख्य चार रूट तय

- किंग्रेग पार्किंग से लाइब्रेरी चौक, मसूरी।
- किंग्रेग पार्किंग से पिक्चर पैलेस, मसूरी।
- हाथीपांव से लाइब्रेरी चौक, मसूरी।
- हाथीपांव बैंड से पिक्चर पैलेस, मॉल रोड, मसूरी।

नगर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किए चार नशा तस्कर

हरिद्वार। नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान के तहत चल रहे सघन चेकिंग के दौरान नगर कोतवाली पुलिस ने चार नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से देसी शराब के 133 पौए बरामद हुए हैं। पुलिस ने चारों का आबकारी अधिनियम में चालान कर अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। नगर कोतवाल कुंदन सिंह राणा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को नगर कोतवाली पुलिस ने सघन चेकिंग करते हुए अलग-अलग स्थान क्रमशः मोतीचूर फ्लाई ओवर के पास, खड्डा पार्किंग, गुरुद्वारे के बगल बाटर बाक्स के सामने तथा बाबा बर्फानी अस्पताल के पास से चार नशा तस्करों को हिरासत में लिया है। आरोपितों के पास से 133 देसी शराब के पौए बरामद हुए हैं। पुलिस ने चारों का आबकारी अधिनियम के तहत चालान किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में 1- अमित पुत्र मुन्ना निवासी ब्रह्मपुरी कॉलोनी, हरिद्वार, 2- भाविक परमार पुत्र विनोद निवासी विष्णु घाट कोतवाली हरिद्वार, 3- विजेंद्र पुत्र भजन लाल निवासी ललिताराव, गुरुद्वारे के पास हरिद्वार, 4- हरचरण पुत्र कुंवर पाल निवासी भोजराजपुर थाना गिन्नौर, जिला संभल, उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

पंजाब में भाजपा नेता की हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के सुलतानपुर लोधी में गुरुवार रात कुछ युवकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा के ब्लॉक प्रधान की हत्या कर दी, जबकि बीच बचाव करने में उनके दो साथी घायल हो गए। घायलों को कपूरथला के सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। मृतक की भाभी रजनी के अनुसार वह अपने रिश्तेदारों के घर गांव डडविंडी में एक धार्मिक समागम से आए थे। उनका देवर भी साथ आया था। उन्होंने कहा कि खाना बनाकर वह फिर दोबारा से डडविंडी लौट गई। देवर हनी कुमार अपने दोस्त अजय कुमार बंटी और अमन कुमार के साथ बाइक पर लौट रहा था। जिसके कुछ देर बाद गंभीर अवस्था में देवर घायल हालत में दाना मंडी में दोस्त अजय कुमार बंटी और अमन के साथ मिला। उसके शरीर पर तेजधार हथियारों से वार किए गए थे।सभी को घायल हालत में एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया। जहां डॉक्टर ने देवर हनी को मृत घोषित कर दिया।

ऋषिकेश करणप्रयाग रेल परियोजना का कार्य वर्ष 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा : अजीत यादव

- सुरंग का कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ऋषिकेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी ऋषिकेश करणप्रयाग रेल परियोजना का कार्य वर्ष 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा, जिसके चलते अभी तक रेल विकास निगम लिमिटेड ने 125 किलोमीटर नई ब्रॉड गेज रेल लाइन बिछाई जाने के कार्य को गति दे दी है।

यह जानकारी रेल विकास निगम के महा प्रबंधक अजीत यादव ने शुक्रवार को रेल विकास निगम भवन में पत्रकारों को देते हुए बताया कि इस योजना के दौरान

चार नवंबर 2024 तक 28 ब्रेकथ्रू का कार्य पूरा किया जा चुका है, और दिसंबर 2025 तक 10 और ब्रेकथ्रू का कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके अतर्गत 213 किलोमीटर की दूरी पूरी कर ली जाएगी। अभी तक कुल छह एमटी और छह एस्केप सुरंगों के कार्य के लिए पूरी तरह से खुदाई कर ली गई है, जिसमें सबसे ऊंची खुदाई टी 13की है जिसकी लंबाई 9.50किलो मीटर है। अजीत यादव ने बताया कि ऋषिकेश और करणप्रयाग के बीच 125 किलोमीटर नई ब्रॉड गेज रेल लाइन उत्तराखंड राज्य में एक महत्वपूर्ण विकास परियोजना है , जो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ड्रीम प्रोजेक्ट भी है, ऋषिकेश और करणप्रयाग के बीच रेल लिंक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य मे स्थित तीर्थ स्थलों तक आसान? पहुंच की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के साथ पिछले क्षेत्रों के विकास और नए व्यापार केंद्र को जोड़ना क्षेत्र में रहने वाली आबादी की सेवा करना मुख्य है, इस परियोजना के पूरा होने पर यात्रा के समय और लागत में भी काफी कमी आएगी, यह लिंक क्षेत्र में औद्योगिक विकास कुटीर उद्योग और अर्थव्यवस्था पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देगा, प्रस्तावित रेल लाइन देहरादून टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली के पांच जिलों के माध्यम से देवप्रयाग श्रीनगर ,रुद्रप्रयाग, गोचर और करणप्रयाग जैसे महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ेगी।

एसटीएफ ने साइबर ठगी में उत्तर प्रदेश से एक दबोचा, 84 लाख की ठगी का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कासगंज, उत्तर प्रदेश से एक शातिर साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। इस आरोपित पर देहरादून के एक व्यक्ति से करीब 84 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। दरअसल, देहरादून वासी एक व्यक्ति ने अक्टूबर 2024 में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून में एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे इंटरनेट पर स्टॉक ट्रेडिंग और आईपीओ में निवेश से संबंधित एक आकर्षक विज्ञापन दिखा। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद आरोपित ने पीड़ित को व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ लिया, जहां आरोपित ने खुद को ह्वील (एनडब्ल्यूआईएल) सिक्योरिटीज और रेलिगेयर इंटरप्राइजेज लिमिटेड (एनएसई सूचीबद्ध कंपनी) का मुख्य निवेश अधिकारी बताया। इसके उपरांत आरोपित ने पीड़ित को आरबीएल मोबाइल ऐप के माध्यम से ट्रेडिंग खाता खोलने के लिए राजी किया और मुनाफा कमाने के नाम पर उसे निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। धीरे-धीरे आरोपित ने पीड़ित से कुल 84.70 लाख रुपये की राशि धोखाधड़ी से ऐंठ ली। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह ने बताया कि इस गंभीर मामले के खुलासे के लिए एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। साइबर क्राइम पुलिस ने तकनीकी जांच व डेटा विश्लेषण के बाद पुलिस ने कासगंज उत्तर प्रदेश से आरोपित दुर्गेश (29) पुत्र स्व. जयसिंह निवासी सुभाष नगर, हमापुर, कासगंज, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया।

जालंधर में मुठभेड़ कर पुलिस ने आतंकी लखबीर लांडा गैंग के दो गुर्गे पकड़े

- फायरिंग में दो पुलिस कर्मी भी हुए घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने जालंधर में मुठभेड़ कर आतंकी गैंगस्टर लखबीर लांडा के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान दोनों गैंगस्टरों के अलावा दो पुलिस कर्मी भी घायल हो गए हैं।

पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने जारी जानकारी में बताया कि यह मुठभेड़ शुक्रवार को सुबह हुई है। गिरफ्तार बदमाशों में भीखा नंगल गांव का जसकरण सिंह उर्फ करण और फगवाड़ा का रहने वाला फतेहदीप सिंह उर्फ प्रदीप सैनी शामिल हैं। पुलिस को उनके कब्जे से कुल सात पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं। हथियार एक थैले में भरकर रखे हुए थे।

घायल हुए पुलिस कॉन्स्टेबल और दोनों गैंगस्टरों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जालंधर के पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने कहा कि पकड़े गए दोनों गुर्गे गैंगस्टर हैं और जेल से जमानत पर छूटे थे। जमानत के बाद से विदेश में बैठे लखबीर लांडा के संपर्क में थे। उनके ठीक होने पर इसके बारे में विस्तार से पूछताछ की जाएगी। पुलिस को इनपुट मिला था कि लांडा गैंग के दो साथी थाना सदर के इलाके में मूवमेंट कर रहे हैं। जिसके बाद इंचार्ज रविंदर कुमार के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम उनका पीछा करने में जुट गई। गांव कंगनीवाल में पुलिस ने उन्हें घेर लिया। यह देखकर वह खेतों में घुसकर छुप गए। मुठभेड़ की सूरत में गांव में कोई नुकसान न हो, इसके लिए पुलिस ने ग्रामीणों को पहले अलर्ट कर दिया। उन सभी को अपने घरों के भीतर ही रहने को कहा गया। खेतों से लगा सारा एरिया भी खाली कराया गया। पुलिस की घेराबंदी को देख गैंगस्टरों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसकी चपेट में आकर दो कॉन्स्टेबल घायल हो गए। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। दोनों तरफ से कुछ मिनटों तक ताबड़तोड़ क्रॉस फायरिंग हुई। करीब 50 राउंड फायरिंग हुई। कार्रवाई के दौरान पुलिस की गोली लगने से दोनों गैंगस्टर गोली लगने से घायल हो गए। दोनों तरफ से फायरिंग बंद होने पर पुलिस टीम ने मौके से दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दोनों घायल गुर्गों को खेतों से निकालकर एंबुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया।

पंजाब विधानसभा की चार सीटों पर 23 को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में होगी मतगणना

चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा की 4 सीटों पर हुए उपचुनाव में वोटों की गिनती 23 नवंबर को सुबह आठ बजे शुरू होगी। मतगणना के संबंध में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी गिनती केंद्रों की निगरानी सी.सी.टी.वी. कैमरों के जरिए की जाएगी। गिनती केंद्रों के चारों और तीन-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली गठित की गई है, जिसके लिए पंजाब पुलिस के जवान और अधिकारी तथा केंद्रीय सशस्त्र सैनिक बलों को तैनात किया गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी ने शुक्रवार को बताया कि विधानसभा की 4 सीटों पर उपचुनाव में इस बार कुल 45 उम्मीदवार मैदान में हैं। वोटों की गिनती के लिए प्रत्येक विधानसभा हलके में एक-एक केंद्र स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि विधानसभा हलका 10-डेरा बाबा नानक में 11 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया और यहां 64.01 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। इस हलके की मतगणना सुखजिंदरा ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूट्स, इंजीनियरिंग विंग, हरदोछन्नी रोड, गुरदासपुर में 18 राउंड में होगी। सिबिन सी ने आगे बताया कि विधानसभा हलका 44-चब्बेवाल (एस.सी.) में कुल 6 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा है।

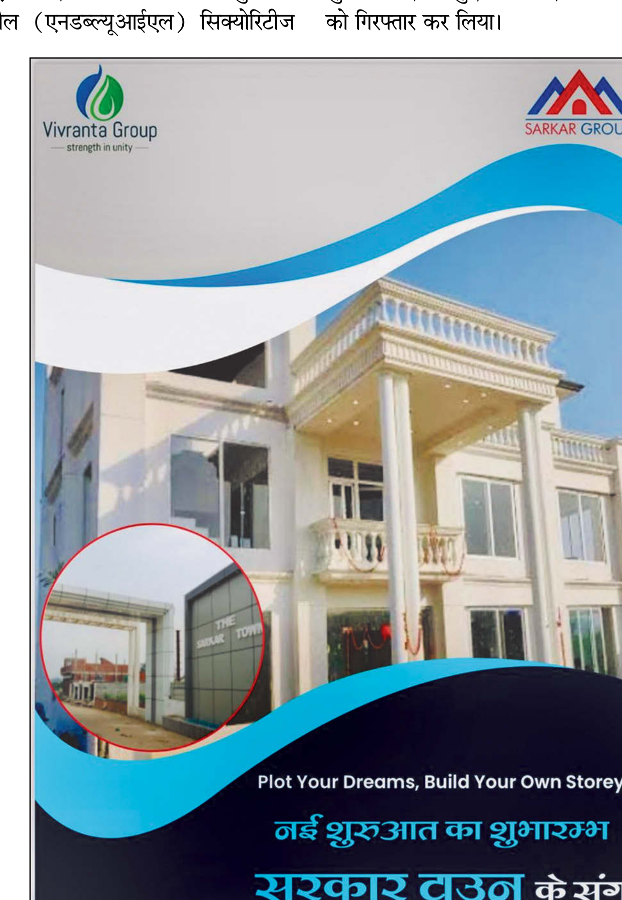

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063